सूर्योदय 5:28 सूर्यास्त 7:27

आज का तापमान

शिमला	17.2 न्यू	26.0 अधि
धर्मशाला	18.8 न्यू	31.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	77,054
निफ्टी	24,052

सोना 1,42,000 चांदी 2,19,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | वीरवार, 16 जुलाई 2026 | 1 श्रावण, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 82, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

सुप्रीम कोर्ट बोला- सीबीएसई के ओएसएम सिस्टम से छात्र निराश

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सीबीएसई के ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सिस्टम को लेकर छात्रों की नाराजगी पर चिंता जताई। सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'देखिए, छोटे-छोटे बच्चों में कितनी निराशा है।' कोर्ट ने कहा कि सरकार से किसी टकराव की मंशा नहीं है, लेकिन व्यवस्था में कुछ समस्याएं हैं। कोर्ट ने सीबीएसई की ओर से उठाए जा रहे कदमों की जानकारी मांगी है। साथ ही केंद्र से सहयोग करने की बात कही है।

मणिपुर में प्रदर्शन के दौरान हिंसा असम राइफल्स के वाहन फूंके

एजेंसी, इंफाल। मणिपुर के सेनापति जिले में मंगलवार रात असम राइफल्स के कंपनी ऑपरेटिंग बेस (सीओबी) के बाहर प्रदर्शन

हिंसक हो गया। सोशल मीडिया पर ओकलोंग गांव में असम राइफल्स व नागा आर्मी के हुदरोंग ब्रिगेड मुख्यालय के बीच कथित टकराव की खबरों के बाद बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए और बलों की वापसी की मांग करते हुए शिविर की ओर मार्च किया। इस दौरान एक कार, प्रतीक्षालय और दो जिप्सी वाहनों में आग लगा दी गई, जबकि असम राइफल्स का एक ट्रक पलट दिया गया। हालात काबू करने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले छोड़े। घटना में नुकसान और हताहतों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ गोली-बारूद किए बरामद

एजेंसी, पुंछ। सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर में संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान पुंछ जिले की मंडी तहसील के सावजियन सेक्टर के गढ़ाह इलाके में आतंकियों के एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया और गोली-बारूद बरामद किया। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने छुपाकर रखे गए पिका राइफल के 246 राउंड बरामद किए। इसके बाद ठिकाने को नष्ट करते हुए गोली-बारूद जब्त कर लिया गया। यह अभियान खास खुफिया जानकारी के आधार पर चलाया गया।

आईएसआई का गुर्गा हैंड ग्रेनेड के साथ काबू

एजेंसी, चंडीगढ़। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने एक व्यक्ति को हैंड ग्रेनेड, 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल और चार जिंदा कारतूसों के साथ गिरफ्तार करके सीमा पार की आतंकी साजिश का पर्दाफाश किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बुधवार को बताया कि रूपनगर के गांव सुखसाल का रहने वाला सुमित कुमार उर्फ पिंटी (24) इस समय अमृतसर के पंडोरी वड़ैच में रह रहा था। वह इंस्टाग्राम के जरिए सीमा पार के आईएसआई हैंडलरों के संपर्क में था और उसे कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने के लिए पुलिस संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों को निशाना बनाने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने बताया कि इस पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने और इसमें शामिल अन्य सहयोगियों तथा हैंडलरों की पहचान के लिए आगे की जांच की जा रही है।

अमेरिका ने सात घंटे तक ईरान पर बम बरसाए, सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना

ईरान का बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी बेस पर अटैक

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिका ने मंगलवार रात लगातार चौथे दिन ईरान पर हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, करीब सात घंटे तक चले ऑपरेशन में होर्मुज स्ट्रेट के आसपास ईरान के मिसाइल और ड्रोन ठिकानों, नौसैनिक संसाधनों और कोस्टल डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाया गया।

उधर, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि उसने जवाबी अभियान शुरू करते हुए बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। आईआरजीसी ने बहरीन के अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट बेस और जॉर्डन के अजराक एयरबेस को निशाना बनाने का भी दावा किया। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर तेहरान समझौते के लिए आगे नहीं आया, तो अगले हफ्ते बिजलीघरों और पुलों को भी निशाना बनाया जाएगा। दूसरी ओर, ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अमेरिकी दबाव के आगे नहीं झुकेगा और होर्मुज स्ट्रेट पर अपनी रणनीति जारी रखेगा।

ईरान में हमलों से 30 से ज्यादा नागरिकों की मौत

ईरान सरकार ने दावा किया है कि देश के दक्षिणी हिस्सों में हाल के दिनों में हुए हमलों में 30 से ज्यादा नागरिकों की मौत हुई है। सरकारी प्रवक्ता फातेमेह मोहाजेरानी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इसकी जानकारी दी।

ओमान के पास हमले में लापता भारतीय नाविक की मौत की पुष्टि

ओमान के तट के पास कारोबारी जहाज जीएफएस गैलेक्सी पर रविवार को हुए हमले के बाद लापता हुए एक भारतीय नाविक की मौत की पुष्टि हो गई है। बुधवार को नाविक के ससुर ने बताया कि उनकी मौत हो चुकी है। हमले के समय जहाज पर 11 भारतीय नागरिक सवार थे। इनमें से 10 को सुरक्षित बचा लिया गया था।

अमेरिका नाकेबंदी से पहले होर्मुज से निकले ईरान के जहाज

अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी लागू होने से पहले मंगलवार को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले 11 जहाजों में से 9 ईरानी रूट से निकले। शिप ट्रैकिंग फर्म केपलर के मुताबिक इनमें 20 लाख बैरल कच्चा तेल ले जा रहा एक सुपर टैंकर, रिफाइंड ऑयल वाला एक टैंकर और एलपीजी ले जा रहे दो टैंकर शामिल थे। डेटा के अनुसार, मंगलवार को खाड़ी के दूसरे तेल उत्पादक देशों से तेल या गैस लोड करने के लिए किसी टैंकर की आवाजाही नहीं दिखी।

नोएडा में वाहन चार्जिंग के दौरान स्पार्किंग से 4 मंजिला बिल्डिंग में लगी आग, 2 की मौत

एजेंसी, नोएडा। नोएडा के थाना फेस-3 क्षेत्र में बुधवार दोपहर इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के दौरान स्पार्क होने से अचानक आग लग गई।

इस आग ने आसपास खड़े पेट्रोल वाहनों को भी चपेट में ले लिया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियों ने आग पर काबू पाया और कॉम्प्लेक्स में फंसे 50 परिवार के लोगों को पुलिस की मदद से रेस्क्यू किया गया। इस आग के धुएं से मूर्छित महिला समेत दो लोगों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि आज दोपहर फायर ब्रिगेड को सूचना मिली कि मामूरा गांव के गली नंबर 2 के जी-4 बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर में एक इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी चार्ज पर लगा था। इसी बीच स्पार्क होने के चलते वाहन में आग लग गई। आग ने आसपास खड़े अन्य वाहनों को भी अपनी चपेट में ले लिया और विकराल रूप ले लिया। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की सात गाड़ियां और हाइड्रोलिक प्लेटफार्म मौके पर पहुंचीं।

उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों और पुलिस ने बचाव कार्य शुरू किया। परिसर के अंदर 50 परिवार रहते थे, जिन्हें रेस्क्यू करके बाहर निकाला गया। उन्होंने बताया कि धुएं से एक महिला और पुरुष समेत दो लोगों का स्वास्थ्य बिगड़ गया था, जिन्हें एंबुलेंस द्वारा अस्पताल भिजवाया गया। वहां पर एक महिला और एक पुरुष की मौत हो गई है। सीएफओ ने बताया कि मृतकों की पहचान स्नेहा श्रीवास्तव (24)पुत्री अश्विनी कुमार निवासी चक्कर चौक साउथ श्याम ठाकुर हाउस नियर सुरेश शर्मा एमएलसी थाना काजी मोहम्मदपुर जिला मुजफ्फरपुर बिहार और ऋषभ कुमार (27) पुत्र सुजीत कुमार निवासी वार्ड नंबर 5 एपीटीएस रमरामा माइंस बारा सिवली बालाघाट मध्यप्रदेश हैं।

भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट का डेटा लीक

एजेंसी, चेन्नई। भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट कुडनकुलम से जुड़े हजारों दस्तावेज लीक हो गए हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, हैकर्स ग्रुप 'वर्ल्ड लीक्स' ने डार्क वेब पर इन दस्तावेजों को अपलोड करने का दावा किया है। इनमें पॉवर प्लांट के कुछ हिस्सों के ब्लूप्रिंट, सप्लायर्स की लिस्ट, कंट्रोल रूम और अन्य रिकॉर्ड सार्वजनिक किए गए। सर्वर में सेंध मई में हुई थी, जून में दस्तावेज लीक का दावा किया गया। इसकी जानकारी अब सामने आई है। तमिलनाडु के कुडनकुलम प्रोजेक्ट के पार्टनर अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप ने माना है कि थर्ड-पार्टी डेटा सेंटर कंपनी योट्टा का सर्वर हैक किया गया। इस घटना की जानकारी सरकार को दे दी गई है।

भारत पर 100 फीसदी टैरिफ लगा सकता है अमेरिका

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। अमेरिकी सीनेट में रूस पर प्रतिबंधों से जुड़ा एक संशोधित बिल पेश किया गया है। इसमें रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100% तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। बिल के मुताबिक भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान पर 100% टैरिफ लगाया जा सकता है। यह बिल रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों पार्टियों के समर्थन से लाया जा रहा है। इसका मकसद रूस की तेल से होने वाली कमाई को कम करना है, ताकि उसकी युद्ध लड़ने की क्षमता कमजोर हो सके। इसके तहत रूस के अधिकारियों, शैडो टैंकर बेड़े, केंद्रीय बैंक और सरकारी ऊर्जा परियोजनाओं पर भी प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है। पहले बिल के शुरुआती मसौदे में 500% टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था, लेकिन बाद में इसे घटाकर 100% कर दिया गया, अगर यह बिल पास हो जाता है, तो अमेरिका पहली बार किसी देश पर सिर्फ इसलिए टैरिफ लगाएगा, क्योंकि वह रूस से तेल खरीदकर उसकी कमाई बढ़ा रहा है।

◆ रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर कार्रवाई की तैयारी संसद में बिल पेश

भारत–ब्रिटेन सीईटीए लागू, 99% भारतीय निर्यात पर शून्य हुआ शुल्क

◆ भारत-यूके व्यापार संबंधों को मिलेगी नई गति

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत व ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक व व्यापार समझौता (सीईटीए) बुधवार से लागू हो गया। इसके साथ ही सामाजिक सुरक्षा समझौता, जिसे दोहरा योगदान समझौता (डीसीए) कहा जाता है, भी लागू हो गया। इससे ब्रिटेन में भारतीय प्रोफेशनल्स की आवाजाही और कॉम्पिटिटिवनेस को बढ़ावा मिलेगा।

भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) पर 24 जुलाई, 2025 को हस्ताक्षर किए गए थे। यह ऐतिहासिक समझौता दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस करार से भारत के करीब 99 फीसदी निर्यात को ब्रिटिश बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी। आर्थिक मामलों के जानकार इसे पिछले कुछ वर्षों में भारत के सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौतों में से एक मान रहे हैं। वहीं, सरकार का दावा है कि इससे किसानों, श्रमिकों, एमएसएमई, निर्यातकों और सेवा क्षेत्र को जबरदस्त लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल में लागू होने वाला यह छठा मुक्त व्यापार समझौता है। इससे पहले भारत मॉरीशस, यूएई, ऑस्ट्रेलिया, ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) और ओमान के साथ ऐसे समझौते लागू कर चुका है।

संकल्प से सिद्धि का सशक्त प्रतीक है हाइड्रोजन ट्रेन: सीएम सैनी

◆ कहा- सरकार पीएम के विकसित भारत के विजन को धरातल पर उतारने के प्रति प्रतिबद्ध

एजेंसी चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हाइड्रोजन ट्रेन 'संकल्प से सिद्धि' की यात्रा का जीवंत उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का जो संकल्प लिया गया है, आज वह आधुनिक तकनीक,हरित ऊर्जा और आत्मनिर्भर भारत के रूप में सिद्धि की ओर बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाइड्रोजन ट्रेन केवल परिवहन का नया माध्यम नहीं, बल्कि भारत की नई सोच, नई तकनीक और स्वदेशी क्षमता का प्रतीक है। यह परियोजना बताती है कि जब संकल्प मजबूत हो तो सिद्धि निश्चित होती है। ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने वाली यह पहल पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और आर्थिक समृद्धि के नए द्वार खोलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आधुनिक, स्वच्छ और आत्मनिर्भर परिवहन व्यवस्था की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना इसी संकल्प का प्रतीक है, जो विकसित भारत की नई पहचान बनेगी। नायब सिंह सैनी ने कहा कि जींद से जुड़ा यह महत्वपूर्ण प्रकल्प हरियाणा के लिए गर्व का विषय है। यह प्रदेश को अत्याधुनिक रेल तकनीक के क्षेत्र में नई पहचान देगा और विकसित हरियाणा से विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे न केवल प्रदेश को आधुनिक रेल तकनीक का लाभ मिलेगा, बल्कि जींद और आसपास के क्षेत्रों में विकास, रोजगार तथा औद्योगिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन को धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। हाइड्रोजन ट्रेन इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल भविष्य की तकनीकों का उपभोक्ता नहीं, बल्कि उन्हें अपनाने और आगे बढ़ाने वाला अग्रणी राष्ट्र बन रहा है। उन्होंने कहा कि संकल्प से सिद्धि की यह यात्रा विकसित भारत की पहचान बनेगी, जहां नवीन तकनीक, ग्रीन एनर्जी, आत्मनिर्भरता और स्वदेशी संकल्प देश को प्रगति के मजबूत आधार बनेंगे।

दिल्ली हाई कोर्ट का सोनम के अनशन पर केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शिक्षा क्षेत्र में कथित अनियमितताओं और नीट पेपर लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के समर्थन में अनशन कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से जुड़े मामले पर केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया है।

मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 16 जुलाई को तय की है। यह याचिका अधिवक्ता राकेश कुमार सैनी ने दायर की है। याचिका में मांग की गई है कि सोनम वांगचुक की बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया जाए और आवश्यक चिकित्सकीय हस्तक्षेप सुनिश्चित किया जाए। याचिकाकर्ता का दावा है कि अनशन के 18 दिनों में वांगचुक का करीब साढ़े आठ किलोग्राम वजन घट चुका है और उनकी स्थिति गंभीर होती जा रही है। सुनवाई के दौरान अदालत ने केंद्र और दिल्ली सरकार के वकीलों से इस संबंध में निर्देश लेकर उपस्थित होने को कहा तथा याचिकाकर्ता को याचिका की प्रति उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। वांगचुक 28 जून से जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान आमरण अनशन पर हैं, जहां नीट पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं के विरोध में प्रदर्शन किया जा रहा है।

चमोली के विकास को नई गति, सीएम धामी ने 155.36 करोड़ की योजनाएं की समर्पित

एजेंसी, चमोली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को गोपेश्वर स्थित पुलिस मैदान में आयोजित सेवा, सुशासन एवं समर्पण सेवा पखवाड़े के तहत जन–जन की सरकार, जन–जन के द्वार कार्यक्रम में जनपद चमोली को 155.36 करोड़ की 63 विकास योजनाओं की सौगात दी।

मुख्यमंत्री ने 113.99 करोड़ की 36 योजनाओं का शिलान्यास और 41.37 करोड़ की 27 योजनाओं का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सड़क, पुल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, बाढ़ सुरक्षा, पशुपालन, पर्यटन तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रदेशभर में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक, सांस्कृतिक और सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण चमोली के समग्र एवं संतुलित विकास के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। साथ ही दूरस्थ क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि विकास का लाभ प्रत्येक नागरिक तक प्रभावी ढंग से पहुंच सके। शिलान्यास की प्रमुख परियोजनाओं में जोशीमठ–नीति मार्ग के जुग्जू में स्टील ट्रस पुल, लंगसी–ढ्रींग–तपोवन–लांजी–पोखनी मोटर मार्ग पर 78 मीटर लंबे लौह सेतु का निर्माण,विभिन्न मोटर मार्गों का निर्माण एवं विस्तार, नंदानगर क्षेत्र की 13 पर्वतीय नहरों का पुनरोद्धार, बाढ़ सुरक्षा कार्य, मॉडल राजकीय पशु चिकित्सालय नंदप्रयाग, सामुदायिक भवन एवं पार्किंग, विद्यालय भवन, पार्किंग निर्माण तथा कई स्टील गर्डर पुल और ग्रामीण संपर्क मार्ग शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान हंगामे के मामले में कानून के दो छात्र काबू

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान हंगामा करने के आरोप में दिल्ली पुलिस ने उत्तर प्रदेश के दो कानून छात्रों को गिरफ्तार किया है।

तिलक मार्ग थाना पुलिस के अनुसार, 10 जुलाई को कोर्ट नंबर-13 में सुनवाई के दौरान लखनऊ विश्वविद्यालय के एलएलबी तृतीय वर्ष के छात्र प्रबल प्रताप सिंह ने कथित रूप से अभद्र भाषा का प्रयोग किया और कोर्ट में पर्चे व कागजात फेंक दिए। रोकने पर उसने एक सुरक्षा कर्मी से धक्का-मुक्की भी की। उसके साथ मौजूद एलएलबी द्वितीय वर्ष के छात्र चंद्र भान को भी गिरफ्तार किया गया। दोनों को दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। चिकित्सीय परीक्षण में किसी मानसिक उपचार की आवश्यकता नहीं पाई गई।

दो दर्जन स्थानीय निकायों में 2 साल बाद ही होंगे चुनाव : मुख्यमंत्री सुक्खू

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल में नव गठित दो दर्जन स्थानीय निकायों में अभी जल्दी चुनाव की कोई संभावना नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि गठन के 2 साल के बाद ही इनमें चुनाव होंगे, लेकिन उन्होंने हमीरपुर को दो नए विभागों के खोलने की सौगात दी है।

◆ हमीरपुर को दो और नए कार्यालय, एजुकेशन रेगुलेटरी ऑफिस हमीरपुर में जल्द खुलेगा

उन्होंने कहा है कि इनमें एक विभाग हिमाचल प्रदेश एजुकेशन रेगुलेटरी अथॉरिटी का ऑफिस बहुत जल्दी खोला जाएगा। इसके लिए हमीरपुर की डीसी को जगह तलाशने के लिए कह दिया गया है और जैसे ही इसकी व्यवस्था होगी ऑफिस यहां खोल दिया जाएगा। मुख्यमंत्री बुधवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में तंज करते हुए कहा कि जयराम आने वाले विधानसभा चुनावों में हिमाचल में दोहरे विकास की जो बात कह रहे हैं, उसे लोग पहले भी देख चुके हैं। पावर प्रोजेक्ट्स में उन्होंने हिमाचल का कितना अहित किया है। इसका भी लोगों को पता है व अब नए दौर की व्यवस्था में कांग्रेस सरकार ने जिस तरीके से पावर प्रोजेक्ट का हिसाब किताब बदला है, उससे हिमाचल को आर्थिक स्थिति में मजबूत करने का जो बीड़ा उठाया है, वह भाजपा सरकार नहीं कर सकती। इसका पहले भी उन्होंने सबूत दिया है और अब व्यावहारिक रूप में कांग्रेस ने जनता को दिखा दिया है कि जयराम ठाकुर के बोल बेमानी हैं, जो पहले भी रहे और अब भी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पावर प्रोजेक्ट से निश्चित रूप में हिमाचल को फायदा शुरू हो गया है और आने वाले समय में इसके बेहतर परिणाम भी अब आधारभूत ढांचे के रूप में आगे बढ़ने लगे हैं। इसमें किसी भी तरह का विवाद नहीं है और भाजपा यह सब कुछ कर नहीं सकती।

आयोजन

सीएम योगी का विपक्ष पर हमला, कहा–2017 से पहले यूपी में असुरक्षा, भ्रष्टाचार और पलायन का दौर था

युवाओं के लिए लग रहे रोजगार मेले, हो रहा कैंपस सिलेक्शन

एजेंसी, लखनऊ। विश्व युवा कौशल दिवस-2026 के अवसर पर बुधवार को उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास व उद्यमशीलता विभाग द्वारा इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कौशल विकास, रोजगार, उद्यमशीलता और उद्योगों से जुड़ी कई योजनाओं का शुभारंभ किया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज प्रदेश में युवाओं के लिए रोजगार मेले लग रहे हैं। युवाओं का कैंपस सिलेक्शन हो रहा है। उन्होंने कहा कि युवा ही उत्तर प्रदेश की ताकत है। यूपी आज देश के अंदर सबसे तेज बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बन गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले तत्कालीन सरकार प्रदेश के लिए अपशकुन बन चुकी थी। प्रदेश में असुरक्षा का वातावरण था। पहले बेटी–व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। सरकारी नौकरियों पर एक परिवार का एकाधिकार था। बिना पैसे के कोई काम होता नहीं था। उत्तर प्रदेश धीरे–धीरे बीमारू राज्य होता गया। प्रकृति व परमात्मा की कृपा का प्रदेश उत्तर प्रदेश फिर भी बीमारू। सुरक्षा नहीं तो प्रदेश में निवेश नहीं आता था। नौजवान भविष्य के लिए चिंतित था। युवाओं के लिए नौकरी नहीं। चाचा–भतीजे वसूली करते थे। युवाओं के सामने पहचान का संकट था। योगी ने कहा कि जो सरकार युवाओं की उपेक्षा करती हो,कारीगर को पलायन के लिए मजबूर करती हो उस सरकार के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। अब नौकरी के लिए सिफारिश नहीं लगती। युवा अब पलायन करने को मजबूर नहीं।

उत्तर प्रदेश में कौशल विकास से बढ़े रोजगार के अवसर

व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में युवाओं को कौशल के माध्यम से रोजगार और स्वरोजगार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने पिछले 9 वर्षों में 20 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया, जिसमें से 12.50 लाख को रोजगार मिला। उन्होंने बताया कि 2026-27 में 10 लाख युवाओं को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य है। मंत्री ने बताया कि 'प्रोजेक्ट प्रवीण' के तहत स्कूली बच्चों को कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है और 'जीरो पॉवर्टी' योजना के तहत निर्धन परिवारों के युवाओं, महिलाओं और दिव्यांगों के लिए विशेष रोजगार अभियान चलाया जा रहा है। कार्यक्रम में राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल, एमएलसी मुकेश शर्मा, एमएलसी पवन सिंह चौहान, विधायक डा.नीरज बोरा समेत कई पदाधिकारी व अधिकारी उपस्थित रहे।

रिश्वतखोरी मामले में बैंक ऑफ बड़ौदा के शाखा प्रबंधक समेत दो गिरफ्तार

एजेंसी, सुलतानपुर। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले की बैंक ऑफ बड़ौदा की कोईरीपुर शाखा के शाखा प्रबंधक स्वर्णिम श्रीवास्तव और क्रेडिट अधिकारी पुष्पक चौधरी को रिश्वतखोरी के मामले में गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने बताया कि दोनों अधिकारियों ने एक शिकायतकर्ता से उसके ऋण की ओवरड्राफ्ट सुविधा जारी करने के लिए 45 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। सीबीआई ने 13 जुलाई को मामला दर्ज किया था। शिकायतकर्ता को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत पांच लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ था। उसका टर्म लोन जारी हो चुका था, लेकिन ओवरड्राफ्ट सुविधा लंबित थी। आरोप है कि इसी सुविधा को जारी करने के लिए दोनों अधिकारियों ने रिश्वत की मांग की।

दिल्लीवासियों को मिलेगा तय समय-सीमा में सरकारी सेवाओं का कानूनी अधिकार, नया विधेयक हुआ मंजूर

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली वालों को तय समय सीमा में सरकारी सेवाएं प्राप्त करने का अधिकार मिल गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नेतृत्व में दिल्ली कैबिनेट ने 'दिल्ली (नागरिकों का तय समय-सीमा में और आसानी से सेवाएं पाने का अधिकार) विधेयक, 2026' को मंजूरी दी है।

◆ सीएम के नेतृत्व में दिल्ली में समयबद्ध और जवाबदेह सेवाओं का रास्ता साफ

यह विधेयक 2011 के कानून की जगह लेगा और नागरिकों पर केंद्रित गवर्नेंस के लिए एक आधुनिक, टेक्नोलॉजी-आधारित कानूनी ढांचा तैयार करेगा। यह जानकारी सीएमओ दिल्ली सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की। दिल्ली सरकार के मुताबिक नागरिकों को अब तय समय-सीमा में सेवाओं का कानूनी अधिकार मिल गया है। नागरिकों को शुरू से आखिर तक डिजिटल सेवा मिलेगी। देरी वाले मामलों का अपने-आप आगे बढ़ना तय होगा। नागरिकों की शिकायतों के समाधान के लिए स्वतंत्र व्यवस्था होगी। दिल्ली सेवा का अधिकार आयोग होगा और जुर्माने के जरिए जवाबदेही तय होगी। इसके साथ-साथ पारदर्शी, टेक्नोलॉजी-आधारित और नागरिकों पर केंद्रित शासन होगा। सीएमओ ने कहा, 'दिल्ली सरकार ने 'सेवा ही संकल्प' की भावना से प्रेरित यह अहम सुधार किया है। यह सेवाओं में तेजी, पारदर्शिता और सेवा पर आधारित 'विकसित दिल्ली' की दिशा में एक और निर्णायक कदम है।'

उच्च न्यायालय ने सरकार से मांगा जवाब : मंत्री पहुंचे मगर स्कूल भवन क्यों नहीं हुआ विद्यार्थियों को समर्पित

5 करोड़ की दयोरी पाठशाला का उद्घाटन रुका, 22 जुलाई तक तलब किया जवाब

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। इन दिनों बेहद चर्चा में चल रहे मंडी जिले के दो मामलों को लेकर प्रदेश उच्च न्यायालय में दायर हुई याचिकाओं पर प्रदेश सरकार को बड़ा झटका लगा है।

इनमें लगभग 5 करोड़ की लागत से बने दयोरी पाठशाला के भवन को विद्यार्थियों के लिए समर्पित करने का एक मामला है तो दूसरा मंडी नगर निगम के नवनिर्वाचित महापौर व उपमहापौर को अभी तक भी शपथ दिलाकर कार्यभार न सौंपने का है। दोनों ही मामले बेहद रोचक हैं। 2023 की प्राकृतिक आपदा में पूरी तरह से ध्वस्त हो गए द्रंग विधानसभा क्षेत्र के इलाका बदार की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला दयोरी के भवन हेतु लोगों ने जमीन दान दी और कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री प्रियंका गांधी जो आपदा के दौरान वहां पहुंची थी के प्रयासों से लगभग 5 करोड़ की लागत से यह भवन 6 महीने पहले तैयार हो चुका है। इसे विद्यार्थियों को समर्पित करने के लिए 5 जुलाई का दिन निर्धारित किया गया, शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर भी पहुंचे, खूब धूम धड़ाका, गाजे बाजे, धाम हुई, रिबन भी कट गया मगर ऐन मौके पर उदघाटन पट्टिकाएं उतार ली गई और इसका समर्पण रोक लिया गया। इस मामले को लेकर एक स्थानीय व्यक्ति कुंज लाल ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। इस पर प्रदेश उच्च न्यायालय ने सरकार को फटकार लगाते हुए 22 जुलाई तक जवाब दायर करने को कहा है। राजनीतिक तौर पर यह मामला पहले ही खूब गर्माहट लिए हुए हैं तथा जनता में भी चर्चा का विषय बना हुआ है। अब देखना यह है कि सभी शैक्षणिक सुविधाओं से सुसज्जित यह पाठशाला भवन कब विद्यार्थियों को मिलता है। अभी तक असुरक्षित जगहों पर ही कक्षाएं लगाई जा रही हैं।

हाईकोर्ट ने पूछा अब तक क्यों नहीं हुई मंडी नगर निगम के महापौर व उपमहापौर की शपथ

मंडी। मंडी नगर निगम के दूसरे कार्यकाल के लिए 17 मई को मतदान हुआ तथा जबकि 31 मई को परिणाम निकले। इसमें भाजपा को 12, एक कांग्रेस व एक सीट आजाद उम्मीदवार को मिली। इसके लगभग एक महीने बाद 29 जून को नवनिर्वाचित पार्षदों को उपायुक्त मंडी अपूर्व देवगन ने शपथ दिलाई गई और उसी दिन उपायुक्त की देख रेख में भाजपा की वरिष्ठ नेत्री सुमन ठाकुर को महापौर व जितेंद्र शर्मा , जौनी, को उपमहापौर निर्वाचित कर लिया गया। ये नवनिर्वाचित महापौर व उपमहापौर अभी तक अपने पद की शपथ का इंतजार कर रहे हैं। इनके कार्यालय सूने पड़े हैं, कुर्सियां खाली हैं और निगम कार्यालय सूना सा पड़ा है जबकि कांग्रेस के बहुमत वाली पालमपुर नगर निगम में शपथ का यह कार्य हो चुका है। इसे लेकर महापौर सुमन ठाकुर ने प्रदेश उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। इस पर न्यायालय ने कड़ा नोटिस लेते हुए उपायुक्त मंडी को अगली सुनवाई जिसकी तारीख 21 जुलाई रखी गई है तब तक कानून के अनुसार आवश्यक कदम उठाने के आदेश दिए हैं। इसके अलावा राज्य चुनाव आयुक्त, राज्य सरकार व उपायुक्त मंडी को आदेश दिया कि वह 21 जुलाई तक अपना जवाब दायर करें। दोनों ही मामलों में अदालत की फटकार से प्रदेश सरकार की फजीहत हुई है।

सेब सीजन के लिए शिमला में विशेष ट्रैफिक प्लान

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। सेब सीजन 2026 के दौरान सेब की ढुलाई सुचारु रखने और आम लोगों की आवाजाही पर कम से कम असर पड़े। इसके लिए शिमला पुलिस ने विशेष यातायात योजना लागू की है। यह व्यवस्था जिला प्रशासन और दूसरे संबंधित विभागों के साथ मिलकर तैयार की गई है। योजना में मानसून के दौरान भूस्खलन, सड़क बंद होने और बढ़ते यातायात दबाव को ध्यान में रखा गया है। पुलिस ने सेब से जुड़े वाहनों की आवाजाही पर नजर रखने और यातायात नियंत्रित करने के लिए भट्टाकुफर स्थित फल मंडी ढली, शोगी, बेखलटी (फागू), मेहली, छराबड़ा और मशोबरा बाइफरकेशन समेत प्रमुख स्थानों पर पुलिस नाके और बैरियर लगाने का फैसला किया है। शोगी और छराबड़ा में 24 घंटे नाके काम करेंगे। यहां वाहनों की चरणबद्ध आवाजाही, यातायात की निगरानी और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा कुड्डू, फागू, नैणा, गुम्मा (नेरवा), बालाग और शोगी में 24 घंटे नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जाएंगे।

विक्रमादित्य आज शिमला ग्रामीण के दौरे पर, कई विकास कार्यों का करेंगे शुभारंभ

◆ चनावाग में लिंक सड़कों का करेंगे शिलान्यास, जीपीएस जूद भवन का करेंगे लोकार्पण

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेश के लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह 16 जुलाई को शिमला ग्रामीण क्षेत्र के एक दिवसीय दौरे पर रहेंगे। ये जानकारी सरकारी प्रवक्ता ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। इस दौरान कैबिनेट मंत्री विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं के शिलान्यास एवं लोकार्पण कार्यक्रमों में भाग लेने के साथ-साथ एक धार्मिक आयोजन में भी शामिल होंगे।

प्रवक्ता ने बताया कि मंत्री प्रातः 10 बजे शिमला से सड़क मार्ग द्वारा प्रस्थान करेंगे और दोपहर 12:30 बजे चनावाग पहुंचेंगे। यहां वे जूद से खनारा लिंक रोड के शिलान्यास कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। इसके अतिरिक्त पटियार से बर्ती नाला (सितरीजायन मार्ग) तक बनने वाली लिंक सड़क का भी शिलान्यास करेंगे। उन्होंने बताया कि मंत्री इस अवसर पर राजकीय प्राथमिक विद्यालय (जीपीएस) जूद के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण भी करेंगे। इसके उपरांत वे ऐतिहासिक हरयाली साजी मेला, हरसिंग धार (बागल-भाजी) में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेंगे तथा स्थानीय लोगों से भी संवाद करेंगे।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रमों के उपरांत मंत्री दोपहर 2:30 बजे चनावाग से प्रस्थान कर सायं 5 बजे शिमला लौटेंगे। इस पूरे दौरे के दौरान मंत्री के साथ उनका निजी स्टाफ भी उपस्थित रहेगा। प्रवक्ता ने कहा कि मंत्री का यह दौरा क्षेत्र में सड़क संपर्क को सुदृढ़ बनाने, शैक्षणिक अधोसंरचना को मजबूत करने तथा स्थानीय विकास कार्यों को गति प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण रहेगा। साथ ही, क्षेत्र की जनता को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को भी यह दौरा और मजबूत करेगा।

शिमला में लापता 12 वर्षीय बालक दो घंटे में मिला

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला के थाना पूर्व क्षेत्र से लापता हुए 12 वर्षीय बालक को पुलिस ने सूचना मिलने के करीब दो घंटे के भीतर सकुशल तलाश कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से बालक सुरक्षित मिल गया। पुलिस के अनुसार 14 जुलाई को एक व्यक्ति ने थाना पूर्व शिमला में सूचना दी कि उसका 12 वर्षीय बेटा घर से बिना बताए कहीं चला गया है। सूचना मिलते ही थाना पूर्व शिमला की पुलिस टीम ने तत्काल बालक की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने संभावित स्थानों पर खोजबीन की और आसपास के क्षेत्रों में भी जांच की। तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने बालक को बालूगंज क्षेत्र में उसके एक मित्र के घर से सकुशल बरामद कर लिया। इसके बाद आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी की गईं और बालक को उसके पिता के सुपुर्द कर दिया गया। जिला शिमला पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि कोई बच्चा या व्यक्ति लापता हो जाए तो इसकी सूचना बिना देरी पुलिस को दें।

पठानकोट में आरएएफ जवान ने तेज बहाव वाली नहर में कूदकर महिला की बचाई जान

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पठानकोट में बुधवार को एक आरएएफ जवान ने अपनी जान की परवाह किए बिना तेज बहाव व गहरे पानी वाली उफनती नहर में छलांग लगाकर एक महिला की जान बचाई। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें जवान का साहसिक रेस्क्यू ऑपरेशन कैद हुआ है।

पुलिस के अनुसार, 40 वर्षीय महिला सैनगढ़ क्षेत्र की रहने वाली है। बताया जा रहा है कि करीब एक माह पहले उसके पिता का निधन हो गया था, जिसके बाद वह मानसिक तनाव से गुजर रही थी। महिला की एक 12 वर्षीय बेटी भी है। थाना-2 प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 8:25 बजे महिला बाबा बर्फानी मंदिर पहुंची और वहां बनी सीढ़ियों से रावी नदी से निकलने वाली धीरा नहर में छलांग लगा दी। इन दिनों रंजीत सागर डैम से पानी छोड़े जाने के कारण नहर में जलस्तर काफी बढ़ा हुआ था और बहाव बेहद तेज था। नहर में गिरते ही महिला तेज धार में बहने लगी। मौके पर तैनात पंजाब पुलिस की महिला कांस्टेबल दीक्षा ने महिला को पानी में बहते देखा और तुरंत मदद के लिए आवाज लगाई। इसके बाद आरएएफ जवान हवलदार संतोष कुमार और अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे।

संतोष कुमार ने बिना समय गंवाए मंदिर के पुजारी से कपड़ा लेकर तेज बहाव वाली नहर में छलांग लगा दी। तैराकी में माहिर संतोष कुमार ने काफी मशक्कत के बाद महिला तक पहुंचकर उसे सुरक्षित पकड़ लिया और किनारे तक ले आए। महिला कांस्टेबल दीक्षा ने बताया कि घटना के समय मौके पर 50 से अधिक लोग मौजूद थे, लेकिन पानी के तेज बहाव के कारण कोई भी नहर में उतरने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। थाना प्रभारी ने कहा कि संतोष कुमार की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल महिला को प्राथमिक उपचार दिया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। महिला की काउंसलिंग भी करवाई जाएगी।

पालमपुर में शिक्षा क्षेत्र के विकास के लिए 20 करोड़ स्वीकृत : रोहित

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि पालमपुर विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में आधारभूत सुविधाओं के सृजन के लिए गत साढ़े तीन वर्षों में 20 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

उन्होंने यह जानकारी बुधवार को अपने एकदिवसीय पालमपुर प्रवास के दौरान राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, सिद्धपुर सरकारी में नवनिर्मित अतिरिक्त भवन के लोकार्पण के उपरांत आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए दी। इस अवसर पर पालमपुर के विधायक आशीष बुटेल भी उपस्थित रहे। अपने प्रवास के दौरान शिक्षा मंत्री ने लगभग 2.5 करोड़ रुपए लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने गांव डाढ स्थित मेजर सोमनाथ शर्मा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 86 लाख रुपए की लागत से निर्मित अतिरिक्त भवन का लोकार्पण किया। इस भवन में तीन कक्ष तथा एक सभागार (हॉल) का निर्माण किया गया है।

इसके अतिरिक्त उन्होंने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, राख में 15 लाख रुपए की लागत से बनने वाले दो अतिरिक्त कमरों की आधारशिला रखी। इसके बाद राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, सिद्धपुर सरकारी में 55 लाख रुपए की लागत से निर्मित अतिरिक्त विद्यालय भवन का लोकार्पण किया। जनसभा को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि विभाग का दायित्व संभालने के बाद पालमपुर विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं के विकास हेतु 20 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इनमें 5 करोड़ रुपए की लागत से पालमपुर में गर्ल्स हॉस्टल तथा 5 करोड़ रुपए की लागत से राजीव गांधी डे- बोर्डिंग विद्यालय का निर्माण प्रमुख परियोजनाएं हैं। इसके उपरांत शिक्षा मंत्री ने राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, पालमपुर के पुस्तकालय भवन तथा कंडवाड़ी में निर्माणाधीन राजीव गांधी डे- बोर्डिंग स्कूल भवन का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि निर्माणकार्य को समयबद्ध पूरा किया जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर जितनी अतिरिक्त धनराशि की जरूरत होगी, अनुमोदित कर दी जाएगी।

सेब बागवानों के साथ सरासर अन्याय कर रही सुक्खू सरकार : जयराम ठाकुर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मार्केट इंटरवेंशन स्कीम (एमआईएस) के तहत सी-ग्रेड सेब खरीद की नई व्यवस्था पर पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सुक्खू सरकार के इस फैसले को बागवानों के साथ सरासर अन्याय करार देते हुए तीखा हमला बोला है। शिमला से जारी एक कड़े बयान में नेता प्रतिपक्ष ने सरकार की नीयत और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए कहा कि एक ओर प्रदेश सरकार सेब खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के बड़े-बड़े दावे कर अपनी पीठ थपथपा रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत में बागवानों के अधिकारों पर कैंची चलाई जा रही है।

नए नियमों के अनुसार अब एक बागवान से अधिकतम केवल 30 बोरी सी-ग्रेड सेब ही खरीदा जाएगा, जो सीधे तौर पर हिमाचल के मेहनतकश बागवानों की पीठ में छुरा घोंपने जैसा है। जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से सीधा और तीखा सवाल पूछा कि जिन बागवानों के बगीचों में 30 बोरी से अधिक सी-ग्रेड सेब का उत्पादन होगा, वे आखिरकार अपने बचे हुए सेब को लेकर कहां जाएंगे और उसकी बर्बादी का जिम्मेदार कौन होगा ? उन्होंने सुक्खू सरकार को केवल प्रचारतंत्र, झूठ और बड़े-बड़े होर्डिंग्स के सहारे चलने वाली संवेदनहीन सरकार बताते हुए नसीहत दी कि मुख्यमंत्री देश भर में घूम-घूम कर झूठी वाहवाही लूटना और स्थानीय स्तर पर बागवानों की सुविधाएं छीनने की साजिशें रचना तुरंत बंद करें। पूर्व मुख्यमंत्री ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि कभी दूध खरीद की सीमा तय करना तो कभी कृषि और बागवानी उत्पादों की सरकारी खरीद में इस तरह की अड़चनें और बंदिशें पैदा करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, जिसे किसी भी सूरत में 'सुख की सरकार' नहीं कहा जा सकता। आज हिमाचल का बागवान पूरी तरह संकट में है, लेकिन कांग्रेस सरकार उनकी समस्याओं को दूर करने के बजाय अपनी आंखें मूंदकर बैठी है। बागवानों को न तो समय पर स्प्रे ऑयल मिल रहा है, न गुणवत्तापूर्ण खाद, न दवाइयां और न ही एमआईएस के तहत बेचे गए सेब का पुराना भुगतान किया जा रहा है। सरकार राहत देने के बजाय हर रोज नई गाइडलाइन जारी कर बागवानों का मानसिक और आर्थिक उत्पीड़न कर रही है। नेता प्रतिपक्ष ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि भारतीय जनता पार्टी बागवानों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पांवटा साहिब में 4.07 ग्राम चिट्टे के साथ युवक काबू

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। सिरमौर पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए पांवटा साहिब में एक युवक को 4.07 ग्राम चिट्टा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान नवीन ठाकुर निवासी गांव पुडली, डाकघर भरोग बनेड़ी, तहसील ददाहू, जिला सिरमौर के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक सिरमौर एनएस नेगी ने बताया कि पुलिस थाना पांवटा साहिब की डिटेक्शन सेल गश्त के दौरान विश्वकर्मा चौक पर मौजूद थी। इसी बीच पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि आरोपी कुंजा क्षेत्र से यमुना नदी के रास्ते चिट्टा लेकर आ रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 4.07 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया गया। एसपी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना पांवटा साहिब में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

11 ग्राम चिट्टे के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नूरपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना डमटाल क्षेत्र में 11 ग्राम हेरोइन/चिट्टा बरामद किया है। पुलिस ने गांव छन्नी, तहसील इंदौरा स्थित एक घर की तलाशी लेकर यह नशीला पदार्थ बरामद किया।

मामले में दो आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, थाना डमटाल की टीम क्षेत्र में गश्त और नशीले पदार्थों की जांच कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि पिंकी पत्नी दलीप कुमार निवासी छन्नी अपने दामाद आकाशदीप पुत्र सरफु सिंह निवासी महताबपुर, तहसील मुकेरियां, जिला होशियारपुर (पंजाब) के साथ मिलकर अपने घर से चिट्टा/हेरोइन बेचने का काम कर रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने नियमों के अनुसार गवाहों की मौजूदगी में घर की तलाशी ली। तलाशी के दौरान पहली मंजिल पर बने कमरे में लकड़ी की अलमारी के पास रखे नीले रंग के प्लास्टिक स्टैंड की ट्रे में एक काले रंग का लिफाफा मिला। जांच करने पर उसमें हल्के भूरे और सफेद रंग का पाउडर जैसा पदार्थ पाया गया। ड्रग डिटेक्शन किट से जांच करने पर पदार्थ के हेरोइन/चिट्टा होने की पुष्टि हुई। इलेक्ट्रॉनिक तराजू से वजन करने पर बरामद नशीले पदार्थ का कुल वजन 11 ग्राम पाया गया। पुलिस ने नशीले पदार्थ को कब्जे में लेकर सील कर दिया है। आरोपियों की पहचान पिंकी (36) पत्नी दलीप कुमार निवासी छन्नी और आकाशदीप (26) पुत्र सरफु सिंह निवासी महताबपुर, जिला होशियारपुर (पंजाब) के रूप में हुई है। पुलिस थाना डमटाल में एफआईआर संख्या 121/2026 के तहत धारा 21 और 29 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पूछताछ के माध्यम से यह पता लगाया जा रहा है कि हेरोइन/चिट्टा कहां से लाया गया था और इसे आगे कहां सप्लाई किया जाना था। पुलिस इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई करेगी।

बरसात में नदी, नालों व खड्डों से दूर रहें लोग : डीसी राहुल कुमार

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददता, बिलासपुर। डीसी व जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष राहुल कुमार ने जिलेवासियों से आगामी दिनों में संभावित भारी वर्षा को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि मौसम विभाग द्वारा अगले सप्ताह भी भारी बारिश की संभावना जताई गई है। ऐसे में सभी लोग नदी, नालों, खड्डों तथा अन्य जल स्रोतों के किनारे जाने से बचें और किसी भी प्रकार का जोखिम न उठाएं। डीसी ने बताया कि मानसून के कारण बिलासपुर जिले में भी लगातार बारिश के कारण कई स्थानों पर भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। लगातार वर्षा से गोविंद सागर झील और नदी-नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। उन्होंने लोगों से अपील की कि बरसात के दौरान झील, नदी नालों और खड्डों में नहाने, तैरने, कपड़े धोने अथवा अन्य किसी भी गतिविधि से पूरी तरह परहेज करें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक भारी बारिश के कारण लगभग 13 करोड़ रुपए का नुकसान दर्ज किया गया है। इसमें लोक निर्माण विभाग को 12 करोड़ 28 लाख रुपए की क्षति हुई है। जल शक्ति विभाग को 26 लाख 85 हजार रुपए का नुकसान हुआ है तथा विभाग की 16 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई थीं, जिन्हें विभाग द्वारा बहाल कर दिया गया है। बिजली विभाग को 1 लाख 95 हजार रुपए की क्षति हुई है तथा 21 बिजली के पोल क्षतिग्रस्त हुए हैं। उपायुक्त ने बताया कि शिक्षा विभाग के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय छकोह को लगभग 10 लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

कार्यालय ग्राम पंचायत ग्रयोह विकास खंड धर्मपुर जिला मंडी (हि0प्र0)

निविदा आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत ग्रयोह विकास खण्ड धर्मपुर , मंडी. हि0प्र0 में वर्ष 2026-27 में होने वाले विकास कार्यों के निष्पादन हेतु निम्न सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदायें दिनांक 23-07-2026 को अपराहन 5:00 बजे तक सम्बंधित ग्राम पंचायत कार्यालय में डाक के माध्यम से या व्यक्तिगत रूप से जमा करवाएं। निविदायें खोलने की दिनांक 25-07-2026 पंचायत द्वारा निर्धारित की गई है व निविदादाताओं या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जाएंगी। निर्धारित फ़ार्म सम्बंधित पंचायत कार्यालय से अवकाश के अतिरिक्त किसी भी दिन प्रातः 10 बजे से 5 बजे के बीच प्राप्त किए जा सकते हैं। **सामग्री का विवरण-** 1. रेत क्रशर प्रति घन मीटर, 2. रेत प्लांट (FINE SAND) प्रति घन मीटर, 3. पक्की ईंटे (मिट्टी के भट्टे) (A.B.C GRADE) प्रति 1000 नम्बर, 4. बजरी 10,20 MM (क्रशर की) प्रति घन मीटर, 5. बजरी 40 MM (क्रशर की) प्रति घन मीटर, 6. पत्थर (cut stone) size प्रति घन मीटर, 7. सोलिंग/बोल्डर पत्थर प्रति घन मीटर, 8. JCB मशीन द्वारा कटान प्रति घन मीटर, 9. सैटरिंग (भवन, निर्माण / अन्य) प्रति Sqr मीटर, 10 सामग्री ढुलान (सीमेंट) प्रति किलोमीटर, 11. Mule Carriage प्रति किलोमीटर, 12. Sign Board (3×2, 4*3), प्रति Sqr फीट, 13 Painting & writing of Board, 14 Dust Bin Blue, Green, CIPET approved (Central Institute of Plastic Engineering and Technogy), 15 Sand (Water Bound) With Bound, 16 Aggregate प्रति घन मीटर, 17 Airport 2 Seater waiting chair, Steel, Cemented benches. No., 18. Road Roller per hour. सीमेंट और लोहे के बेंच, सूखा कचरा उठाने व उसे पीडब्लूडी तक पहुँचाने बारे। **नियम एवं शर्तें-** 1. निविदादाता के पास Active GST पंजीकरण होना अनिवार्य है। 2. निविदा लेटर पैड पर संबंधित पंचायत को भेजनी होगी। 3. बिल के साथ Valid Rate List तथा Form X एवं W का Valid Transit Pass जमा करवाना होगा। 4. सभी करों का लेन-देन सरकार के प्रावधानों के अनुसार होगा। 5. सामग्री लोक निर्माण विभाग (PWD) की स्पेसिफिकेशन के अनुरूप होनी चाहिए। 6. दरें अंकों एवं शब्दों दोनों में स्पष्ट रूप से लिखी हों। 7. निर्माण सामग्री कार्यस्थल/सड़क तक उपलब्ध करवानी होगी। 8. सफल निविदादाता को रु.20,000/- सुरक्षा राशि तथा रु.1,000/- (नॉन-रिफंडेबल) आवेदन शुल्क संबंधित पंचायत में जमा करवाना होगा। 9. यदि समयानुसार सामग्री उपलब्ध नहीं करवाई गई तो सुरक्षा राशि जब्त कर ली जाएगी तथा आवश्यक सामग्री बाजार भाव पर खरीदकर निविदा निरस्त की जा सकती है। 10. किसी भी निविदा को बिना कारण बताए स्वीकार/अस्वीकार करने तथा समान दर होने की स्थिति में एक या एक से अधिक निविदादाताओं को कार्य आवंटित करने एवं निविदा किसी भी समय रद्द करने का पूर्ण अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित रहेगा। 11. सामग्री राशि का भुगतान TA/JE की पैमाइश के उपरांत किया जाएगा तथा बिलों के साथ मात्रा सहित Valid Transit Pass Form X एवं W संलग्न करना अनिवार्य होगा, अन्यथा भुगतान नहीं किया जाएगा। 12. सामग्री का अंतिम मूल्य निर्माण विभाग की Justification तथा सफल निविदादाता के साथ Negotiation के उपरांत निर्धारित किया जाएगा तथा सफल निविदादाता को Undertaking देनी होगी।

प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत ग्रयोह विकास खंड धर्मपुर तहसील धर्मपुर, जिला मंडी (हि.प्र.)

डुबलू-जुन्गा सड़क पर भूस्खलन से खतरा खुश विक्रम सेन ने किया मौके का निरीक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। बीते दिनों हुई भारी बारिश के कारण डुबलू-जुन्गा सड़क पर फनेवटी गांव के समीप भूस्खलन होने से डंगा गिरने की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

इससे आसपास के मकानों पर भी खतरा मंडरा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला परिषद सदस्य चमियाना वार्ड खुश विक्रम सेन ने ग्राम पंचायत जनेड़घाट की प्रधान सुचिता आनंद, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और स्थानीय ग्रामीणों के साथ प्रभावित स्थल का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भूस्खलन से प्रभावित क्षेत्र और स्थानीय लोगों के मकानों को उत्पन्न खतरे का जायजा लिया गया। खुश विक्रम सेन ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से मौके पर तुरंत सुरक्षा उपाय करने और स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कार्य जल्द शुरू करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि डुबलू-जुन्गा सड़क क्षेत्र के किसानों, विद्यार्थियों, मरीजों और आम लोगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण मार्ग है।

यह सड़क कई गांवों को राजधानी शिमला से जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। पिछले वर्ष भी भारी बारिश के कारण यह मार्ग 10 दिनों से अधिक समय तक बंद रहा था, जिससे क्षेत्रवासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। खुश विक्रम सेन ने कहा कि जनहित से जुड़े इस महत्वपूर्ण मामले को लेकर वह सरकार और संबंधित विभागों के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों की सुरक्षा और सड़क के स्थायी समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने प्रदेश सरकार और लोक निर्माण विभाग से जल्द कार्रवाई कर क्षेत्रवासियों को राहत प्रदान करने की मांग की।

उद्योग मंत्री ने खुद खोली बैकडोर भर्ती की पोल : जम्वाल

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक राकेश जम्वाल ने कहा कि भाजपा से भ्रष्टाचार के सबूत मांगने से पहले उद्योग मंत्री अपने उस सार्वजनिक बयान का जवाब दें, जिसमें उन्होंने स्वयं अपनी सिफारिश से 700 लोगों को रोजगार दिलाने का दावा किया था। राकेश ने कहा कि उद्योग मंत्री प्रदेश की जनता को यह बताएं कि आखिर उनकी सिफारिश से 700 लोगों को किस नियम, किस प्रक्रिया और किस चयन प्रणाली के तहत रोजगार मिला। यदि नियुक्तियां पूरी तरह पारदर्शी और मेरिट के आधार पर हुई हैं तो मंत्री अपनी व्यक्तिगत सिफारिश का श्रेय क्यों ले रहे हैं? और यदि वास्तव में उनकी सिफारिश पर रोजगार मिला है तो यह बैकडोर भर्ती का सबसे बड़ा प्रमाण है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू हर मंच से आउटसोर्स भर्ती और बैकडोर एंट्री का विरोध करने का दावा करते हैं। जबकि उनके ही उद्योग मंत्री सार्वजनिक मंच से अपनी सिफारिश पर 700 लोगों को रोजगार दिलाने की बात स्वीकार कर रहे हैं।

ज्ञान सागर नेगी ने संभाला शिमला के एडीएम प्रोटोकॉल का जिम्मा, कहा- पारदर्शी व समयबद्ध सेवाएं देना प्रशासन की प्राथमिकता

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा (एचएएस) के 2011 बैच के अधिकारी ज्ञान सागर नेगी ने बुधवार को अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (प्रोटोकॉल) का कार्यभार संभाल लिया है।

◗ बोले- आपदा प्रबंधन, राजस्व मामलों और सरकारी प्रोटोकॉल व्यवस्था को मजबूत करने का रहेगा फोकस

पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना जिला प्रशासन की प्रमुख प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि आम लोगों को पारदर्शी, बेहतर और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करेगा। ज्ञान सागर नेगी ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के विभिन्न वर्गों के लिए कई जनहितकारी योजनाएं चला रही है। जिला प्रशासन का दायित्व है कि इन योजनाओं की जानकारी और लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रशासन और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित कर सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाया जाएगा, जिससे पात्र नागरिक इनका लाभ ले सकें। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर काम किया जाएगा।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के माध्यम से आपदा की रोकथाम, तैयारी, राहत, बचाव और पुनर्वास कार्यों को प्रभावी बनाया जाएगा। विशेष आपदा राहत पैकेज के तहत चल रहे कार्यों की समय-समय पर समीक्षा की जाएगी और जरूरत पड़ने पर संबंधित क्षेत्रों का निरीक्षण भी किया जाएगा। ज्ञान सागर नेगी ने कहा कि जिले में राजस्व विभाग के कार्यों में तेजी लाने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। राजस्व मामलों के निपटारे की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा, जिससे लोगों को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि इसके लिए विशेष रणनीति तैयार की जाएगी। साथ ही सरकारी प्रोटोकॉल, वीआईपी दौरों और औपचारिक कार्यक्रमों के बेहतर संचालन के लिए भी प्रभावी समन्वय सुनिश्चित किया जाएगा। ज्ञान सागर नेगी जिला किन्नौर की तहसील पूह के गांव रुष्कलंग, डा. ग्याबुंग के निवासी हैं। उन्होंने मैट्रिक की पढ़ाई हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड से पूरी की।

इसके बाद जमा दो और बीए ऑनर्स की शिक्षा डीएवी चंडीगढ़ से हासिल की। उन्होंने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से मास्टर डिग्री भी प्राप्त की। वर्ष 1997 में उन्होंने हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा की परीक्षा पास की।

कार्यालय ग्राम पंचायत मायली जेजउ विकास खंड टूटू, जिला शिमला (हि.प्र.)

निविदा सूचना

वितीय वर्ष 2026.27 हेतु ग्राम पंचायत मायली जेजउ द्वारा निष्पादित किये जाने वाले सभी विकास कार्य हेतु निर्माण सामग्री मेटेरियल की निविदाएं आमंत्रित करने बारे। सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में ग्राम पंचायत मायली जेजउ द्वारा करवाऐ जाने वाले समस्त विकास कार्यो हेतु निर्माण सामग्री बुला रेत दाहल रेत क्रेशर बजरी क्रेशर 10एमएम, 20एमएम, 40एमएम, मिक्चर डीजल सहित प्रतिदिन मिक्चर (बिना डीजल प्रतिदिन) JCB, प्रति घंटा JCB (HARDROCK) प्रति घंटा साईन बोर्ड (3+2) स्टील शटरीग समीट बैग व रास्तों की स्टील शटरिंग भवन ईंट(2nd Class) पत्थर / सोलिंग स्टोन पेवर (ISI Approved) 40एमएम पेवर (IS) Approved) 60एमएम पेवर (ISI approved) 80एमएम सीमेंट ढुलााई निगम स्टोर से कार्य स्थल तक पहुंचाने) लोडिंग अनलोडिंग सहित प्रति बैग गएका स्टोन (40एमएम-45एमएम) एल्कास्थिनपाईप pvc पाईप हेतु निविदाएं / कोटेशन आमंत्रित की जाती है। उपरोक्त सामग्री हेतु निविदाएं ग्राम पंचायत मायली जेजड द्वारा जारी टेंडर फॉर्म पर ही स्वीकृत की जायेगी व इच्छुक व्यक्ति / निविदाकार किसी भी कार्यदिवस वाले दिन तक टेंडर फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय ग्राम पंचायत मायली जेजड द्वारा कोटेशन प्रापा करने की अंतिम तिथि 23.07.26 शाम 4:00 बजे तक है। **अन्य शर्ते निम्न है-** (1) कोटेशन कर्ता के पास अपना GST नवम्बर की प्रति संलगन करें (2) मेटिरियल की सप्लाई सभी वार्ड क्षेत्र तक करने बारे। जहाँ तक सबक सुविधा उपलब्ध है। पहुंचाने की जिम्मेदारी स्लायर की होगी (3) निर्माण सामग्री रेत रोडी बजरी पत्थर केशर बिल के साथ X या W फॉर्म देना अनिवार्य होगा अन्यथा सप्लायर द्वारा उपलब्ध करवाए गए सामाग्री की अदायनी नहीं कि आऐगी व ग्राम पंचायत के पास किसी भी समय ऐसे सप्लायर की निविदा रद करने का पुर्ण अधिकार होगा (4) पंचायत पदाधिकारियों / कर्मचारियों के परिवार से संबधित सदस्यों व करीबी रिशतेदार की निविदाएँ मान्य नहीं होगी (5) कोटेशन सील बंद लिफाफे में ही स्वीकृत की जाऐगी (6) उपरोक्त सामग्री हेतु ग्राम पंचायत मायली जेजउ द्वारा जारी टेनबर फार्म पर ही स्वीकृत की जाऐगी (7) ग्राम पंचायत द्वारा सप्लायर को निर्माण सामग्री वरीय हेतु कोई भी घन राशी अतरिक्त अदा नहीं की जाऐगी (8) जिस निविदाकार की जेसीबी की कोटेशन पारित उन्हें कार्य के उपरान्त कार्य से सम्बधित लगा बुक ग्राम पंचायत नायली जेजड ने प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। (9) अतः प्राप्त कुटेशन दिनाक 24/07/2027 को पंचायत कार्यालय में 11:30 पर स्खोली जाएंगी। यदि पास हुई सामग्री ने कोई कमी पाई जाती है तो पंचायत को सप्लायर को हटाने की शक्ती होगी । सनी बिल बाउचर सप्लायर द्वारा हस्ताक्षर व मोहर सहीत प्राप्त हो ।

प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत मायली जेजउ विकास खंड टूटू, जिला शिमला (हि.प्र.)

कांवड़ यात्रा रहेगी मजबूत, सुरक्षा घेरे में एटीएस और एसडीआरएफ होंगी तैनात

- कांवड़ मार्गों पर तैनात रहेंगी रैपिड रिस्पॉन्स टीमें और सुरक्षा बल
- ड्रोन और सीसीटीवी से होगी कांवड़ मेले की चौबीस घंटे निगरानी

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। आगामी श्रावण कांवड़ मेला 2026 को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए उत्तराखंड पुलिस ने व्यापक सुरक्षा योजना तैयार की है। पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने उच्चस्तरीय बैठक में अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कांवड़ यात्रा मार्गों, प्रमुख घाटों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा।

सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए एटीएस, एसटीएफ, बम निरोधक दस्ते, अभिसूचना इकाइयों और एसडीआरएफ की टीमें सक्रिय रहेंगी। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से पूरे मेला क्षेत्र की चौबीस घंटे निगरानी की जाएगी।

ग्राम विकास में उप प्रधानों की भूमिका महत्वपूर्ण : डॉ. अग्रवाल

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में निर्वाचित और निर्विरोध चुने गए उप प्रधानों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर उप प्रधान का पद ग्रामीण विकास की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाता है। डा. अग्रवाल ने कहा कि उप प्रधान गांवों में विकास योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू कराने में अहम भूमिका निभाते हैं। साथ ही वे ग्रामीणों और प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित करने का कार्य करते हैं। उन्होंने सभी नवनिर्वाचित उप प्रधानों से अपील की कि वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

हर नागरिक तक विकास पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : रेखा आर्या

जन-जन की सरकार जन-जन के द्वार अभियान के तहत रेखा आर्या ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। धामी सरकार के जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत बुधवार को पिथौरागढ़ जिले के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तोली में जनसुनवाई शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 400 से अधिक ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं और मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं, जिनमें से 150 से अधिक शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि भाजपा सरकार की प्राथमिकता प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक विकास की धारा पहुंचाना और सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई शिविरों का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान कर शासन-प्रशासन को आमजन के द्वार तक पहुंचाना है।

शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहां लोगों की शिकायतों का निस्तारण करने के साथ ही पात्र दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र और सहायक छड़ियां वितरित की गईं। विभिन्न विभागों की ओर से पात्र लाभार्थियों को सरकारी सहायता राशि के चेक भी प्रदान किए गए।

जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों ने क्षतिग्रस्त सड़कों और नालियों की मरम्मत, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा के लिए तारबाड़, पेयजल संकट के समाधान, नए राशन कार्ड जारी करने तथा युवाओं के लिए खेल मैदान के निर्माण की मांग प्रमुखता से उठाई।

रेखा आर्या ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर मामलों की जानकारी ली और समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनसमस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और शिविर में दर्ज शिकायतें आगामी जनसुनवाई कार्यक्रमों में दोबारा नहीं आनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

विभिन्न विभागों के अधिकारी रहे उपस्थित

शिविर में जिलाधिकारी आशीष भटगाई, मुख्य विकास अधिकारी दीपक सैनी, प्रभागीय वनाधिकारी आशुतोष सिंह, उपजिलाधिकारी आशीष जोशी, जिला विकास अधिकारी रमा गोस्वामी, जिला उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक कविता भगत, जिला पूर्ति अधिकारी अनूप बिष्ट, परियोजना निदेशक आशीष पुनेठा, जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निर्मल एस. बसेड़ा, जिला उद्यान अधिकारी डॉ. आर.एस. चाहल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सहायता राशि भी प्रदान की गई

शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहां लोगों की शिकायतों का निस्तारण करने के साथ ही पात्र दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र और सहायक छड़ियां वितरित की गईं। विभिन्न विभागों की ओर से पात्र लाभार्थियों को सरकारी सहायता राशि के चेक भी प्रदान किए गए।

प्रदेश में अब दिव्यांग विवाह योजना में मिलेगी 50 हजार रुपए की मदद

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की दिशा में समाज कल्याण विभाग की पहल।

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। दिव्यांगजनों के सामाजिक सशक्तिकरण, आर्थिक सहयोग और सम्मानजनक वैवाहिक जीवन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से समाज कल्याण विभाग, देहरादून की दिव्यांग वैवाहिक प्रोत्साहन अनुदान योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है।

इसी क्रम में जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने शंकरपुर, हकूमतपुर (देहरादून) निवासी अमजद, पुत्र अब्दुल हमीद को योजना के अंतर्गत 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की है। यह सहायता दिव्यांगजनों को आर्थिक संबल प्रदान करने के साथ उनके वैवाहिक जीवन को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपांकर घिल्डियाल ने जनपद के पात्र दिव्यांगजनों से योजना का अधिकतम लाभ उठाने की अपील करते हुए बताया कि ऐसे दंपति, जिनका विवाह आवेदन की तिथि से पूर्व निर्धारित अवधि के भीतर संपन्न हुआ हो तथा जिन मामलों में पति-पत्नी दोनों दिव्यांग हों अथवा पति-पत्नी में से कोई एक दिव्यांग हो, वे निर्धारित प्रपत्र पर आवश्यक अभिलेख संलग्न कर अपने संबंधित विकासखण्ड कार्यालय में तैनात सहायक समाज कल्याण अधिकारी के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

स्यानाचट्टी में बैली ब्रिज तैयार, यमुनोत्री हाईवे पर जल्द बहाल होगा यातायात

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर यात्रा और यातायात बहाल होने की दिशा में बड़ी राहत मिली है। उत्तरकाशी जिले के स्यानाचट्टी क्षेत्र में यमुना नदी पर बनाया गया नया बैली ब्रिज पूरी तरह तैयार हो गया है। विभागीय औपचारिकताएं पूरी होने के बाद इस पुल पर वाहनों की आवाजाही शुरू किए जाने की तैयारी है। पुल तैयार होने से चारधाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। पिछले सप्ताह भारी बारिश और भूस्खलन के कारण स्यानाचट्टी में राष्ट्रीय राजमार्ग का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था, जिससे यमुनोत्री धाम जाने वाला मार्ग बाधित हो गया था।

- स्यानाचट्टी में नदी में उतरीं पोकलेन मशीनें

मार्ग को सुरक्षित और सुचारु बनाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग लगातार युद्धस्तर पर काम कर रहा है। क्षतिग्रस्त हिस्से पर गैबियन सुरक्षा दीवार का निर्माण अंतिम चरण में पहुंच गया है। विभाग का लक्ष्य सुरक्षा कार्य पूरा कर जल्द से जल्द मार्ग को यातायात के लिए खोलना है। इसके लिए मशीनों और कर्मचारियों की टीमें लगातार मौके पर जुटी हुई हैं।

इस बीच यमुना नदी का जलस्तर कम होने के बाद राहत एवं बचाव कार्यों में भी तेजी आई है। नदी में दो पोकलेन मशीनें उतारी गई हैं, जो नदी के बहाव को व्यवस्थित करने, मलबा हटाने और स्यानाचट्टी बस्ती को सुरक्षित बनाने का कार्य कर रही हैं।

विकास के नाम पर अंधाधुंध कटाई स्वीकार नहीं: यूकेडी

भारतेंदु संवाददाता, ऋषिकेश। ऋषिकेश भनियावाला राजमार्ग चौड़ीकरण के लिए सात मोड़ ऋषिकेश क्षेत्र में प्रस्तावित वृक्ष कटान के विरोध में उत्तराखंड क्रांति दल और विभिन्न सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व उक्रांद युवा प्रकोष्ठ देहरादून महानगर अध्यक्ष जतिन सिंह चौहान, वरिष्ठ महिला नेत्री प्रमिला रावत और डोईवाला विधानसभा क्षेत्र की डॉ. सौम्या चौधरी सहित अन्य पदाधिकारियों ने किया। आंदोलनकारियों ने पर्यावरण संरक्षण, उत्तराखंड के जंगलों और प्राकृतिक धरोहर को बचाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के नाम पर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। उक्रांद नेताओं ने कहा कि राज्य की जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए उनका संघर्ष लगातार जारी रहेगा। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने डॉ. सौम्या चौधरी, प्रमिला रावत, जतिन सिंह चौहान सहित कई आंदोलनकारियों को हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया। उक्रांद पदाधिकारियों ने कहा कि यह आंदोलन केवल वृक्षों को बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तराखंड की प्राकृतिक संपदा और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा जनआंदोलन है।

उत्तराखंड की 59 बसों की खरीद प्रक्रिया अटकी

युद्ध के असर से महंगी हुईं बसें, पुरानी दरों पर आपूर्ति से इनकार के बाद निगम की बढ़ी चिंता

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव का असर अब उत्तराखंड परिवहन निगम की बस खरीद प्रक्रिया पर भी दिखाई देने लगा है। निगम द्वारा खरीदी जाने वाली 59 नई बसों की डील कीमतों के विवाद के कारण अटक गई है। बस निर्माता कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी का हवाला देते हुए पुरानी तय दरों पर बसों की आपूर्ति करने से इनकार कर दिया है। फिलहाल निगम और कंपनी के अधिकारियों के बीच मामले को सुलझाने के लिए बातचीत चल रही है।

जानकारी के अनुसार उत्तराखंड परिवहन निगम ने पिछले वर्ष जुलाई में टाटा कंपनी के साथ 100 बसों की खरीद को लेकर समझौता किया था। इसके तहत प्रति बस की कीमत 35 लाख 35 हजार रुपये तय की गई थी और कंपनी को खरीद आदेश भी जारी कर दिया गया था। बाद में केंद्र सरकार ने बसों पर लगने वाले वस्तु एवं सेवा कर की दर को 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया था। इसके बाद प्रति बस कीमत में कमी आई थी। इस वजह से कंपनी ने उसी राशि में नौ अतिरिक्त बसें देने का प्रस्ताव रखा था।

इसके बाद राज्य सरकार की ओर से पर्वतीय मार्गों पर संचालन के लिए 50 और बसों की खरीद को मंजूरी दी गई थी। इन बसों को लगभग 32 लाख 58 हजार रुपये प्रति बस की दर से खरीदा जाना था।

- निर्माता कंपनी और परिवहन निगम के बीच बातचीत जारी

लेकिन अब निर्माता कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और कच्चे माल की बढ़ती कीमतों का हवाला देते हुए बसों की कीमत बढ़ाकर करीब 36 लाख रुपये प्रति बस कर दी है। कीमतों में इस बदलाव के कारण 59 बसों की खरीद प्रक्रिया प्रभावित हो गई है। परिवहन निगम के अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों की सुविधा और पर्वतीय क्षेत्रों में बेहतर परिवहन व्यवस्था के लिए इन बसों की खरीद बेहद जरूरी है।

अधिकारियों की नियुक्ति और तबादले की जानकारी निजी नहीं : सूचना आयोग

- उत्तराखंड सूचना आयोग ने पारदर्शिता पर दिया जोर
- सूचना आयोग ने निजी सूचना के तर्क को ठहराया अनुचित

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड सूचना आयोग ने सरकारी अधिकारियों की नियुक्ति और स्थानांतरण से जुड़ी जानकारी को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। आयोग ने कहा है कि अधिकारियों की नियुक्ति और तबादले का आधार लोकहित होता है, इसलिए इससे जुड़ी जानकारी को निजी सूचना बताकर छिपाया नहीं जा सकता। आयोग ने राज्य सरकार से इस मामले में वैधानिक स्थिति स्पष्ट करने को कहा है।

मामला एक आरटीआई आवेदन से जुड़ा है, जिसमें वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी संजीव चतुर्वेदी ने लोकायुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया और कुछ वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति व पदमुक्ति से संबंधित सूचनाएं मांगी थीं। संबंधित अधिकारियों ने इन जानकारियों को निजी सूचना बताते हुए उपलब्ध कराने से इनकार कर दिया था। प्रथम अपीलीय अधिकारी ने भी इस निर्णय का समर्थन किया था।

इसके बाद संजीव चतुर्वेदी ने उत्तराखंड सूचना आयोग में अपील दाखिल की। मामले की सुनवाई करते हुए आयोग ने कहा कि जब सरकार किसी अधिकारी की नियुक्ति या स्थानांतरण को जनहित में लिया गया निर्णय बताती है, तो उससे जुड़ी जानकारी को सूचना अधिकार कानून के तहत निजी जानकारी नहीं माना जा सकता।

आयोग ने स्पष्ट किया कि प्रशासनिक निर्णयों में पारदर्शिता बनाए रखना जरूरी है। जनता को यह जानने का अधिकार है कि महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियों और तबादलों के पीछे क्या प्रक्रिया और आधार अपनाया गया है। सूचना आयोग की इस टिप्पणी को सरकारी व्यवस्था में जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

उत्तर भारत के 275 उत्कृष्ट एनपीटीईएल शिक्षार्थियों को किया गया सम्मानित

आईआईटी रुड़की में एनपीटीईएल उत्तर क्षेत्र स्टार अवार्ड समारोह संपन्न

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की में बुधवार को एनपीटीईएल उत्तर क्षेत्र स्टार अवार्ड सम्मान समारोह 2026 का आयोजन किया गया। यह पहला अवसर था जब आईआईटी रुड़की ने इस प्रतिष्ठित क्षेत्रीय कार्यक्रम की मेजबानी की। समारोह में उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों से आए 275 उत्कृष्ट एनपीटीईएल स्टार शिक्षार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के शिक्षार्थियों ने भाग लिया। समारोह का उद्देश्य ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना और डिजिटल माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम में आईआईटी रुड़की के उपनिदेशक प्रो. प्रवीण कुमार, एनपीटीईएल एवं ई-लर्निंग केंद्र की समन्वयक प्रो. रंजना पाठानिया, अधिष्ठाता प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक परामर्श प्रो. विवेक कुमार मलिक, अधिष्ठाता शैक्षणिक कार्य प्रो. नवीन कुमार नवानी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और शिक्षाविद मौजूद रहे।

आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत ने अपने विशेष वीडियो संदेश में कहा कि डिजिटल शिक्षा मंच विद्यार्थियों और पेशेवरों तक उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनपीटीईएल जैसी पहलें आजीवन सीखने की संस्कृति को मजबूत करने के साथ युवाओं को नए कौशल विकसित करने का अवसर प्रदान कर रही हैं।

- डिजिटल शिक्षा और आजीवन अधिगम को बढ़ावा देने पर दिया जोर

राहुल गांधी के कार्यक्रम पर सियासत तेज, परेड ग्राउंड की अनुमति नहीं मिलने पर कांग्रेस-भाजपा आमने-सामने

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 17 जुलाई को प्रस्तावित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के लिए परेड ग्राउंड की अनुमति न मिलने के बाद उत्तराखंड की राजनीति गरमा गई है। प्रशासन ने पूर्व निर्धारित आयोजन और कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए कांग्रेस को वैकल्पिक स्थल आवंटित किया है, जबकि कांग्रेस ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताते हुए विरोध प्रदर्शन किया। दूसरी ओर भाजपा ने प्रशासन के निर्णय को उचित ठहराते हुए कांग्रेस पर अनावश्यक विवाद खड़ा करने का आरोप लगाया। नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय की ओर से मंगलवार को जारी आदेश के अनुसार, उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस समिति के 15 से 17 जुलाई तक प्रस्तावित कार्यक्रम के लिए परेड ग्राउंड उपलब्ध नहीं कराया जा सकता। आदेश में कहा गया है कि परेड ग्राउंड में 11 से 17 जुलाई तक उत्तराखंड अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ विकास निगम की ओर से 'लोक संवर्धन पर्व' आयोजित किया जा रहा है, जिसकी अवधि भारत सरकार के निर्देश पर 02 दिन यानी 17 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। आयोजन में विभिन्न राज्यों के कारीगरों, संस्थाओं तथा बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी प्रस्तावित है। प्रशासन ने यह भी कहा है कि परेड ग्राउंड के आसपास विद्यालय और चिकित्सालय स्थित हैं और 17 जुलाई से सप्ताहांत शुरू होने के कारण यातायात और कानून-व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ने की आशंका है।

डॉ. अग्रवाल ने विश्व युवा कौशल दिवस पर युवा उद्यमियों को किया सम्मानित

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रतिभागियों का सम्मान करते हुए डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल।

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने अपने कैंप कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में स्वरोजगार स्थापित कर सफल होने वाले युवाओं को सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं को शॉल ओढ़ाकर, माला पहनाकर, गुलदस्ता भेंट कर तथा मिष्ठान खिलाकर सम्मानित किया। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की कौशल विकास योजनाएं युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

इन योजनाओं के माध्यम से युवाओं को प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और आर्थिक सहयोग मिल रहा है, जिससे वे रोजगार तलाशने के बजाय स्वयं रोजगार उपलब्ध कराने वाले बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज के युवा नवाचार, कौशल और स्वरोजगार के जरिए प्रदेश और देश के विकास में अहम योगदान दे रहे हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री जन औषधि योजना, लैब टेक्नीशियन, होटल व्यवसाय, आर्किटेक्चर और अन्य क्षेत्रों में युवाओं के लिए उपलब्ध अवसरों का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम में योगाचार्य मनमोहन नौटियाल, आर्किटेक्ट अजय नेगी, होटल व्यवसायी संदीप राणा, कृष्णा पैथोलॉजी लैब की जगदंबा रयाल तथा प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के संचालक पंकज जुगलान सहित कई युवा सम्मानित किए गए।

बीकेटीसी अनियमितता मामले पर बढ़ा सियासी घमासान

बीकेटीसी मामले पर बोले हेमंत द्विवेदी दोषी कोई भी हो नहीं बख्शा जाएगा

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) से जुड़े कथित अनियमितता प्रकरण को लेकर अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के बीच राजनीतिक टकराव तेज हो गया है। बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बुधवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल पर मामले का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाते हुए कहा कि दोषी कोई भी हो, उसे कानून के अनुसार सख्त सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने गोदियाल को तथ्यों और दस्तावेजों के आधार पर सार्वजनिक बहस की एक बार फिर चुनौती दी है।

यह बातें बुधवार को बीकेटीसी कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को हेमंत द्विवेदी ने संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि मामला सामने आते ही संबंधित कर्मचारी को निलंबित किया गया, प्राथमिकी दर्ज कराई गई और सरकार ने उच्चस्तरीय जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस और विभागीय स्तर पर अलग-अलग जांच चल रही है और दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय के इस्तीफे के संदर्भ में पूछे गए सवाल पर द्विवेदी ने अपने इस्तीफे की संभावना से इनकार करते हुए कहा, 'बीकेटीसी कोई फ्रेंचाइजी नहीं है। मैं इस्तीफा नहीं, अपनी जिम्मेदारी निभा रहा हूं।' उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं का विश्वास बनाए रखना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है।

तलाक से पिता-संतान का रिश्ता खत्म नहीं : हाई कोर्ट

हाई कोर्ट ने पहली पत्नी के पुत्र को भी अनुकंपा वित्तीय सहायता में समान हिस्सेदारी का कानूनी अधिकार दिया

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि माता-पिता के तलाक का असर बच्चे और उसके पिता के कानूनी संबंधों पर नहीं पड़ता। अदालत ने कहा कि पति-पत्नी के बीच वैवाहिक संबंध भले ही समाप्त हो जाएं, लेकिन पिता और संतान का संबंध कानून की नजर में कायम रहता है। ऐसे में किसी बच्चे को केवल इस आधार पर सरकारी सेवा नियमों के तहत मिलने वाली अनुकंपा वित्तीय सहायता से वंचित नहीं किया जा सकता कि उसके माता-पिता का तलाक हो चुका था।

यह फैसला जस्टिस संदीप मौदगिल की एकल पीठ ने हरियाणा सरकार के दिवंगत कर्मचारी बंसी लाल की दूसरी पत्नी द्वारा दायर याचिका पर सुनाया। अदालत ने दूसरी पत्नी की याचिका खारिज करते हुए सरकार के उस आदेश को सही ठहराया, जिसमें पहली पत्नी से जन्मे नाबालिग पुत्र को भी अनुकंपा वित्तीय सहायता में बराबर का हिस्सा देने का निर्णय लिया गया था।

मामले के अनुसार, बंसी लाल की पहली शादी पूजा रानी से हुई थी। इस विवाह से वर्ष 2010 में एक पुत्र का जन्म हुआ। वर्ष 2019 में पति-पत्नी के बीच तलाक हो गया और बच्चे की अभिरक्षा मां को सौंप दी गई। इसके बाद बंसी लाल ने दूसरी शादी की, जिससे उन्हें एक और संतान हुई। जुलाई 2024 में बंसी लाल का निधन हो गया। उनकी मृत्यु के बाद हरियाणा सरकार की अनुकंपा वित्तीय सहायता योजना के तहत पूरी सहायता राशि प्रारंभ में दूसरी पत्नी के पक्ष में स्वीकृत कर दी गई।

बाद में पहली पत्नी ने अपने नाबालिग पुत्र की ओर से हाई कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि दिवंगत कर्मचारी का पुत्र होने के कारण उसके बेटे को भी सरकारी नियमों के अनुसार अनुकंपा वित्तीय

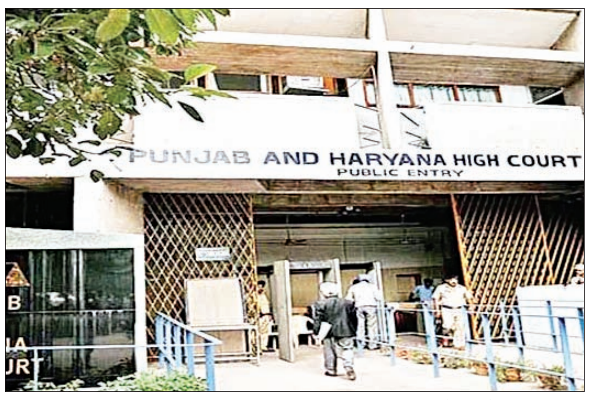

सहायता में समान अधिकार मिलना चाहिए। हाई कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान सक्षम प्राधिकारी को नियमों के अनुरूप निर्णय लेने के निर्देश दिए। इसके बाद हरियाणा सिविल सेवा (अनुकंपा वित्तीय सहायता या नियुक्ति) नियम, 2019 के नियम-28 के तहत पहली पत्नी से जन्मे पुत्र को भी सहायता राशि में समान हिस्सेदारी का पात्र माना गया।

इस निर्णय को चुनौती देते हुए दूसरी पत्नी ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की। उनका तर्क था कि तलाक के समय पहली पत्नी को 30 लाख रुपये स्थायी गुजारा भत्ता दिया गया था और बच्चे की अभिरक्षा भी मां के पास थी। इसलिए पहली पत्नी के पुत्र को अनुकंपा वित्तीय सहायता का लाभ नहीं दिया जाना चाहिए।

हालांकि, अदालत ने इन दलीलों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। न्यायालय ने कहा कि तलाक के दौरान दिया गया स्थायी गुजारा भत्ता और बच्चे के पालन-पोषण के लिए दी गई राशि केवल वैवाहिक विवाद के निपटारे का हिस्सा होती है। इसका सरकारी सेवा नियमों के तहत मिलने वाले वैधानिक अधिकारों से कोई संबंध नहीं है। अदालत ने स्पष्ट किया कि अनुकंपा वित्तीय सहायता एक वैधानिक लाभ है, जिसे केवल कानून में निर्धारित पात्रता के आधार पर ही तय किया जा सकता है।

हाई कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा कि कृषि भूमि, पैतृक संपत्ति या अन्य संपत्तियों में हिस्सेदारी और अनुकंपा वित्तीय सहायता पूरी तरह अलग-अलग कानूनी विषय हैं। एक मामले में प्राप्त अधिकार का दूसरे वैधानिक अधिकार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। इसलिए यह तर्क स्वीकार नहीं किया जा सकता कि किसी अन्य संपत्ति में हिस्सेदारी मिलने से सरकारी सेवा नियमों के तहत मिलने वाला लाभ समाप्त हो जाएगा।

विकसित होने से पहले ही औद्योगिक क्षेत्र में 248 वेंडरों के लिए जगह तय

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

नगर निगम द्वारा शहर में प्रस्तावित 12 नए वेंडिंग जोन में सबसे बड़ा वेंडिंग जोन इंडस्ट्रियल एरिया फेज-3 (रायपुर कलां, गांव फिरनी रोड) में बनाया जाएगा, जहां 248 वेंडरों के लिए स्थान निर्धारित किया गया है। हालांकि इस फैसले पर सवाल उठने लगे हैं, क्योंकि जिस इलाके को सबसे बड़ा वेंडिंग जोन बनाया जा रहा है, वहां अभी तक औद्योगिक गतिविधियां शुरू ही नहीं हुई हैं। अधिकांश औद्योगिक प्लॉट खाली पड़े हैं और उनका आवंटन भी नहीं हुआ है।

नगर निगम की टाउन वेंडिंग कमेटी (टीवीसी) की 10 जुलाई को हुई बैठक में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप वेंडिंग साइटों के आवंटन की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया गया था। इसके तहत 18 जुलाई को पात्र वेंडरों के लिए ड्रा निकाला जाएगा। ड्रा के बाद शहर के विभिन्न हिस्सों में कार्यरत गैर-

आवश्यक सेवा श्रेणी के वेंडरों को नए वेंडिंग जोन में स्थानांतरित किया जाएगा।

इंडस्ट्रियल एरिया फेज-3 में सबसे अधिक वेंडरों के लिए जगह तय किए जाने को लेकर वेंडरों और विशेषज्ञों ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि जहां उद्योग, कर्मचारी और ग्राहक ही मौजूद नहीं हैं, वहां वेंडरों की आजीविका कैसे चलेगी। किसी भी वेंडिंग जोन की सफलता वहां होने वाली व्यावसायिक गतिविधियों और ग्राहकों की आवाजाही पर निर्भर करती है। ऐसे में सुनसान औद्योगिक क्षेत्र में बड़ी संख्या में वेंडरों को बसाने का निर्णय व्यावहारिक नहीं माना जा रहा।

टीवीसी ने यह भी निर्णय लिया है कि जिन वेंडरों को पहले साइट आवंटित की गई थी और यदि वह अभी भी खाली है तो प्राथमिकता के आधार पर उन्हें वहीं भेजा जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

खरड़ राम मंदिर में पत्र बांटने पर हंगामा

भारतेन्दु संवाददाता, खरड़। खरड़ के निर्माणाधीन श्रीराम मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ के दौरान उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया के साथ आए कार्यकर्ताओं ने अयोध्या राम मंदिर में कथित चंदा घोटाले को लेकर प्रधानमंत्री के नाम पत्र बांटने शुरू कर दिए। इसका भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध करते हुए पोस्टर फाड़ दिए, जिससे दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। सूचना मिलते ही डीएसपी ईशान सिंगला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को शांत कराकर आप कार्यकर्ताओं को मंदिर परिसर से बाहर भेज दिया। भाजपा ने सिसोदिया से माफी की मांग की, जबकि सिसोदिया ने कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की बात कही।

ढकोली फाटक पर जल्द बनेगा रेलवे ओवरब्रिज

भारतेन्दु संवाददाता, ढकोली। जीरकपुर के ढकोली रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम से जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। उत्तर रेलवे ने 65 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित 800 मीटर लंबे रेलवे ओवरब्रिज के लिए तकनीकी सर्वेक्षण पूरा कर लिया है। रेलवे और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर डिजाइन और निर्माण संबंधी पहलुओं पर चर्चा की। पीडब्ल्यूडी व जिला प्रशासन से एनओसी मिलने के बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी। रोजाना करीब 50 ट्रेनों के आवागमन से बंद रहने वाले फाटक के कारण लोगों को परेशानी होती है। ओवरब्रिज बनने से हजारों वाहन चालकों को राहत मिलेगी।

चुनाव से पहले निगम ने तेज किए काम

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। मोहाली नगर निगम ने शहर में विकास कार्यों को गति देते हुए करीब 22 करोड़ रुपये के टेंडर जारी किए हैं। इनमें ग्रीन बेल्टों का सुंदरीकरण, फुटपाथ निर्माण, कर्ब-चैनल, पेवर ब्लॉक, सड़क सुरक्षा सुविधाएं और निगम कार्यालय का नवीनीकरण शामिल है। विधानसभा चुनाव से पहले इन कार्यों को तेज करने को राजनीतिक दृष्टि से भी देखा जा रहा है। इसके अलावा निगम क्षेत्र में शामिल 11 नए गांवों में पेयजल व्यवस्था सुधारने के लिए छह करोड़ रुपये की लागत से नए ट्यूबवेल लगाए जाएंगे। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या कम होने की उम्मीद है।

एएसआई अवतार सिंह रिश्वत लेते गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने मोरिंडा सदर थाने में तैनात एएसआई अवतार सिंह को 30 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने एक आपराधिक मामले से महिला का नाम हटाने के लिए 50 हजार रुपये मांगे थे। शिकायतकर्ता सुखजीत सिंह के अनुसार, सौदा 35 हजार रुपये में तय हुआ और एएसआई पहले 5 हजार रुपये ले चुका था। इसके बाद उसने विजिलेंस से संपर्क किया। टीम ने सरकारी गवाहों की मौजूदगी में जाल बिछाकर आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मोहाली के औद्योगिक क्षेत्रों को मिलेगी नई चमक

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। मोहाली के इंडस्ट्रियल एरिया फेज-8बी समेत कई औद्योगिक क्षेत्रों में अब विकास कार्य शुरू किए जाएंगे। नगर निगम ने करीब 11 करोड़ रुपये के कार्यों की प्रक्रिया शुरू की है। योजना के तहत फेज-1 से 9 तक सड़क किनारे ग्रीन बेल्ट का विकास, पेवर ब्लॉक दोबारा बिछाने, कर्ब-चैनल निर्माण और अन्य नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। लंबे समय से टूटी टाइलों, खराब पेवर ब्लॉक और बदहाल हरित पट्टियों की समस्या से उद्योगपति परेशान थे। निगम के अनुसार इन कार्यों से औद्योगिक क्षेत्रों की सुंदरता बढ़ेगी और लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

गंदगी फैलाने वालों की अब खैर नहीं, नगर निगम ने शुरू की व्हाट्सऐप शिकायत सेवा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़।

शहर को स्वच्छ और कचरा मुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर निगम ने नागरिकों के लिए नई व्हाट्सएप हेल्पलाइन 9915762917 शुरू की है। अब कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने, कचरा फेंकने या स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों की फोटो अथवा वीडियो इस नंबर पर भेजकर शिकायत दर्ज करा सकेगा। शिकायत मिलने के बाद नगर निगम संबंधित मामले की जांच कर त्वरित कार्रवाई करेगा।

नगर निगम आयुक्त अमित कुमार ने कहा कि शहर को स्वच्छ और हरित बनाए रखने में नागरिकों की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने लोगों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने और स्वच्छता प्रहरी बनकर सहयोग करने की अपील की। निगम के अनुसार, व्हाट्सएप पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के तहत उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। शिकायतकर्ता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

शिकायतों पर होगी त्वरित सख्त कार्रवाई

स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए नगर निगम शिकायतों की नियमित निगरानी भी करेगा। अधिकारियों के अनुसार, व्हाट्सएप हेल्पलाइन पर प्राप्त प्रत्येक शिकायत का रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा और संबंधित क्षेत्र के स्वच्छता निरीक्षक को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे। शिकायत सही पाए जाने पर नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति या संस्थान के खिलाफ जुर्माना लगाने सहित अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि शहर के बाजारों, पार्कों, सड़कों, सार्वजनिक स्थलों, बस स्टॉप, सरकारी परिसरों और अन्य खुले स्थानों पर कचरा फैलाना पूरी तरह प्रतिबंधित है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का कचरा निर्धारित स्थानों और तय समय पर ही दें। साथ ही प्लास्टिक, गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने की आदत अपनाएं, ताकि कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण में सुविधा हो सके। निगम का कहना है कि जनभागीदारी और जागरूकता के माध्यम से ही चंडीगढ़ को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण के अनुकूल शहर बनाने का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया जा सकता है।

नगर निगम बैठक में पहुंचा बाहरी युवक, मेयर ने तत्काल बाहर भेजा

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

मोहाली नगर निगम की मासिक बैठक बुधवार को उस समय चर्चा का विषय बन गई, जब एक महिला पार्षद की अनुपस्थिति में उनके देवर ने बैठक में बैठकर अपने वार्ड की समस्याएं उठानी शुरू कर दीं। इस घटनाक्रम पर मेयर ने तत्काल आपत्ति जताते हुए युवक को बैठक कक्ष से बाहर जाने के निर्देश दिए। मामले के सामने आने के बाद नगर निगम की बैठकों में सुरक्षा व्यवस्था और बाहरी लोगों की मौजूदगी को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

नगर निगम की बैठक में शहर के लगभग सभी पार्षद मौजूद रहे। बैठक के दौरान पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों से जुड़े विकास कार्यों, सफाई व्यवस्था, पेयजल, सड़क, सीवरेज और अन्य जनसमस्याओं को मेयर और नगर निगम आयुक्त के समक्ष रखा। इसी दौरान वार्ड नंबर-49 की भाजपा पार्षद बिमलेश देवी बैठक में उपस्थित नहीं थीं। उनकी जगह उनके देवर बैठक कक्ष

में पहुंच गए और पार्षदों के साथ बैठकर अपने वार्ड की समस्याओं पर बोलने लगे।

युवक को बोलते देख मेयर की नजर उस पर पड़ी। मेयर ने उससे पूछा कि क्या वह पार्षद है। इस पर युवक ने बताया कि वह पार्षद बिमलेश देवी का देवर है और उनकी तबीयत खराब होने के कारण वह उनकी ओर से वार्ड की समस्याएं बताने आया है। यह सुनते ही मेयर ने स्पष्ट किया कि नगर निगम की बैठक में केवल अधिकृत जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों को ही बोलने का अधिकार है। उन्होंने युवक को तुरंत बैठक छोड़ने के निर्देश दिए।

बैठक के बाद पत्रकारों ने जब इस पूरे घटनाक्रम पर मेयर से सवाल किया तो उन्होंने कहा कि किसी बाहरी व्यक्ति का निगम की आधिकारिक बैठक में बैठकर चर्चा में हिस्सा लेना नियमों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच कराई जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ उचित कार्रवाई भी की जाएगी।

17 जुलाई को चंडीगढ़ आएंगे प्रधानमंत्री, हजारों करोड़ की विकास परियोजनाओं की देंगे सौगात

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को एक दिवसीय दौरे पर चंडीगढ़ और पंजाब पहुंचेंगे। इस दौरान वह स्वास्थ्य, सड़क, रेलवे और शिक्षा से जुड़ी हजारों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री का कार्यक्रम चंडीगढ़ स्थित पीजीआईएमईआर से शुरू होगा, जहां वह अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसके बाद राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की शुरुआत, पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का लोकार्पण और नई स्लीपर वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। शाम को जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन परिसर में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों को भी संबोधित करेंगे।

पीजीआईएमईआर में प्रधानमंत्री करीब 1200 करोड़ रुपये की लागत से तैयार और प्रस्तावित तीन बड़ी स्वास्थ्य परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। इनमें 505 करोड़ रुपये की लागत

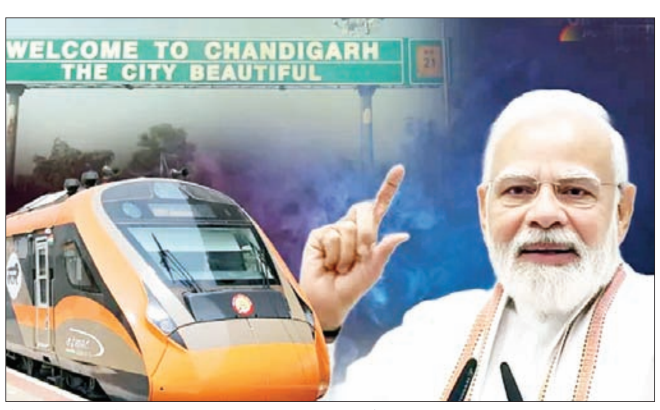

से बना 300 बेड का एडवांस मदर एंड चाइल्ड सेंटर शामिल है, जिससे उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था, नवजात शिशुओं की गहन चिकित्सा और बच्चों के विशेषज्ञ उपचार को नई मजबूती मिलेगी। इसके अलावा 440 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 300 बेड के एडवांस न्यूरोसाइंस सेंटर का उद्घाटन किया जाएगा। इस केंद्र से पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और चंडीगढ़ के मरीजों को न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी की आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। वहीं आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत 244 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 150 बेड के क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल ब्लॉक का शिलान्यास भी किया जाएगा, जिससे गंभीर मरीजों के उपचार की क्षमता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी।

पीजीआईएमईआर वर्तमान में 47 स्पेशलिटी और सुपर स्पेशलिटी विभागों के साथ 2233 बेड की सुविधा प्रदान कर रहा है। यहां हर वर्ष लगभग 27 से 28 लाख बाह्य रोगी उपचार के लिए पहुंचते हैं, जबकि करीब एक लाख मरीज भर्ती होते हैं और 95 हजार से अधिक सर्जरी एवं चिकित्सीय प्रक्रियाएं की जाती हैं।

प्रधानमंत्री ट्राईसिटी क्षेत्र के सड़क नेटवर्क को मजबूत करने वाली 5278 करोड़ रुपये की तीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे। इनमें 1936 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 31.23 किलोमीटर लंबे आईटी सिटी-कुराली ग्रीनफील्ड कॉरिडोर का लोकार्पण प्रमुख है। साथ ही 1878 करोड़ रुपये की लागत वाले 19.20 किलोमीटर लंबे जीरकपुर बाईपास और 1464 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 10.30 किलोमीटर लंबे जीरकपुर-परवाणू ग्रीनफील्ड कॉरिडोर का शिलान्यास किया जाएगा।

सिंघपुरा फ्लाईओवर के नीचे सर्विस लेन में रोजाना जाम

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर।

सिंघपुरा चौक पर करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित फ्लाईओवर ने मुख्य मार्ग पर यातायात को काफी हद तक सुचारु बना दिया है, लेकिन इसके नीचे बनी सर्विस लेन अब लोगों के लिए नई परेशानी बन गई है। सुबह और शाम के व्यस्त समय में यहां वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं, जिससे स्थानीय निवासियों, नौकरीपेशा लोगों, स्कूली बच्चों और अन्य यात्रियों को रोजाना जाम का सामना करना पड़ता है।

फ्लाईओवर से मुख्य मार्ग तो खुला पर सर्विस लेन में जाम ने बढ़ाई परेशानी

स्थानीय लोगों का कहना है कि फ्लाईओवर बनने के बाद मुख्य मार्ग पर तो यातायात का दबाव कम हुआ, लेकिन सर्विस लेन पर वाहनों की संख्या लगातार बढ़ गई है। सड़क किनारे अवैध और अव्यवस्थित पार्किंग, ऑटो और ई-रिक्शा चालकों द्वारा बीच सड़क पर सवारियां उतारने-चढ़ाने तथा यातायात नियमों की अनदेखी के कारण यहां अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है।

निवासियों के अनुसार, कई बार कुछ सौ मीटर की दूरी तय करने में ही 20 से 30 मिनट लग जाते हैं। व्यस्त समय में एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहन भी जाम में फंस जाते हैं, जिससे गंभीर मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में देरी होने का खतरा बना रहता है।

चंडीगढ़ का चोरी हुआ हेरिटेज फर्नीचर अमेरिका और स्पेन में मिला, जांच शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ की ऐतिहासिक धरोहर से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है। शहर से चोरी हुआ बहुमूल्य हेरिटेज फर्नीचर अमेरिका और स्पेन तक पहुंच गया, जहां उसकी नीलामी की तैयारी की जा रही थी। समय रहते इसकी जानकारी मिलने पर चंडीगढ़ प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कल्चर विभाग की शिकायत के आधार पर सेक्टर-3 थाना पुलिस में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रशासन अब चोरी हुई विरासत को वापस लाने के लिए केंद्र सरकार और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों का सहयोग ले रहा है।

पुलिस के अनुसार, चोरी हुए हेरिटेज फर्नीचर में एक ऐतिहासिक कुर्सी और एक डेस्क शामिल हैं, जिनका संबंध चंडीगढ़ की सांस्कृतिक और वास्तु विरासत से माना जा रहा है। दोनों वस्तुएं विदेश पहुंच चुकी थीं और उनकी नीलामी की प्रक्रिया शुरू होने वाली थी। इसी दौरान किसी व्यक्ति ने इसकी सूचना प्रशासन को

दी, जिसके बाद अधिकारियों ने तुरंत मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी।

कल्चर विभाग ने पूरे घटनाक्रम की विस्तृत शिकायत पुलिस को सौंपी, जिसके आधार पर सेक्टर-3 थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अज्ञात आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हेरिटेज फर्नीचर को चंडीगढ़ से किसने चोरी किया, उसे विदेश कैसे भेजा गया और इस पूरे मामले में किन लोगों की भूमिका रही।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए चंडीगढ़ प्रशासन ने भारत सरकार को भी विस्तृत रिपोर्ट भेजी है। विदेश मंत्रालय तथा अन्य संबंधित केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से अमेरिका और स्पेन में प्रस्तावित नीलामी को रुकवाने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही भारतीय दूतावासों से भी संपर्क स्थापित किया गया है, ताकि चोरी हुई ऐतिहासिक धरोहर को सुरक्षित भारत वापस लाया जा सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह केवल चोरी का मामला नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा से जुड़ा विषय है।

चंडीगढ़ में 66 हजार मतदाता सूची से होंगे बाहर

21 जुलाई को प्रारूप मतदाता सूची होगी जारी, पात्र मतदाताओं को दावे और आपत्तियां दर्ज कराने का मिलेगा अवसर

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

यूटी चंडीगढ़ में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा कर लिया गया है। निर्वाचन विभाग के अनुसार, अभियान के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं का सत्यापन और मैपिंग की गई, जबकि हजारों मतदाताओं के नाम प्रारूप मतदाता सूची से बाहर होने की स्थिति बन गई है। विभाग अब 21 जुलाई को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित करेगा, जिसके बाद दावे और आपत्तियां दर्ज कराने का अवसर दिया जाएगा।

निर्वाचन विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, यूटी चंडीगढ़ में कुल 5,16,427 पंजीकृत मतदाता हैं। इनमें से 3,80,147 मतदाताओं का सफलतापूर्वक मैपिंग कार्य पूरा कर लिया गया है। वहीं 69,484 मतदाताओं ने अपने गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) जमा करा दिए हैं, लेकिन उनका मैपिंग कार्य अभी पूरा नहीं हो पाया है। विभाग इन आवेदनों का सत्यापन कर अंतिम

सूची में आवश्यक कार्रवाई करेगा। विभाग के अनुसार, 66,681 मतदाताओं ने निर्धारित समय सीमा तक अपने एन्यूमरेशन फॉर्म जमा नहीं किए। ऐसे मतदाताओं के नाम 21 जुलाई को जारी होने वाली प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं किए जाएंगे और उन्हें सूची से हटाने की कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, प्रारूप सूची प्रकाशित होने के बाद संबंधित मतदाताओं को दावा प्रस्तुत कर अपने नाम दोबारा शामिल कराने का अवसर मिलेगा। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान यह भी सामने आया कि 3,521 मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है। इसके अलावा 43,878 मतदाता स्थायी रूप से दूसरे स्थानों पर स्थानांतरित हो चुके हैं। वहीं 12,886 मतदाता ऐसे मिले जो सत्यापन के दौरान अनुपस्थित रहे और उनके एन्यूमरेशन फॉर्म विभाग को प्राप्त नहीं हुए। इन सभी मामलों में निर्वाचन आयोग के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

निर्वाचन विभाग ने स्पष्ट किया है कि 21 जुलाई को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद सभी पात्र नागरिकों को अपने नाम की जांच करने का अवसर मिलेगा। यदि किसी पात्र मतदाता का नाम सूची में नहीं है या किसी प्रकार की त्रुटि है तो वह निर्धारित अवधि के दौरान दावा या आपत्ति दर्ज करा सकेगा। इन दावों और आपत्तियों के निस्तारण के बाद अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। इसी क्रम में विशेष गहन पुनरीक्षण के तीसरे चरण के तहत मतदान केंद्रों के युक्तिकरण की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है।

दावे-आपत्तियों की होगी विस्तृत जांच

निर्वाचन विभाग प्रारूप मतदाता सूची पर प्राप्त होने वाले सभी दावों और आपत्तियों की चरणबद्ध तरीके से जांच करेगा। जिन मतदाताओं के नाम किसी कारणवश सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं या जिनके विवरण में त्रुटियां हैं, उन्हें निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। सत्यापन पूरा होने के बाद पात्र आवेदकों के नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि मतदाता सूची का यह विशेष पुनरीक्षण आगामी चुनावों को पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अधिकारियों का कहना है कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में होना आवश्यक है, वहीं अपात्र, मृत अथवा स्थायी रूप से स्थानांतरित हो चुके मतदाताओं के नाम हटाकर सूची को अद्यतन किया जा रहा है। इससे मतदान प्रक्रिया अधिक निष्पक्ष और विश्वसनीय बनेगी।

पंजाब कांग्रेस प्रधानगी बदलाव पर बघेल ने लगाया विराम

पंजाब कांग्रेस में बदलाव की चर्चाओं पर बघेल का करारा जवाब

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में प्रधानगी बदलाव को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच दिल्ली में सियासी गतिविधियां तेज हो गई हैं। कांग्रेस हाईकमान की लगातार बैठकों और पंजाब के वरिष्ठ नेताओं के दिल्ली दौरे से नई अटकलें लगाई जा रही थीं। इसी बीच पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल ने प्रधान बदलने की चर्चाओं पर साफ जवाब देते हुए कहा कि पार्टी का फैसला हो चुका है और अब बदलाव की कोई संभावना नहीं है।

बुधवार को कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल के आवास पर पंजाब को लेकर अहम बैठक हुई, जिसमें भूपेश बघेल भी शामिल हुए। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि जो फैसला लिया जाना था, वह पहले ही लिया जा चुका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधान बदलना कोई गुड्डे-गुड़िया का खेल नहीं है।

भूपेश बघेल के इस बयान को पंजाब कांग्रेस में चल रही अटकलों पर विराम के रूप में देखा जा रहा है। इससे पहले चर्चा थी कि कांग्रेस हाईकमान पंजाब संगठन में बदलाव को लेकर दोबारा विचार कर सकती है।

इस बीच दिल्ली में पंजाब कांग्रेस को लेकर मंथन जारी है। राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात कर पंजाब के राजनीतिक हालात पर चर्चा की थी। इसके बाद केसी वेणुगोपाल के साथ भी बैठक हुई। पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा को भी दिल्ली बुलाया गया था और वह वेणुगोपाल के आवास पर हुई बैठक में शामिल हुए।

हालांकि बैठक के बाद बाजवा ने मीडिया से बातचीत नहीं की और केवल बाद में बात करने की बात कही। उनकी चुप्पी से राजनीतिक चर्चाएं और तेज हो गई हैं। अब सभी की नजरें कांग्रेस हाईकमान के अगले कदम पर टिकी हुई हैं।बैठक में पंजाब कांग्रेस की आगामी रणनीति, संगठन को मजबूत करने और नेताओं के बीच तालमेल बढ़ाने पर भी चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है।

कांग्रेस हाईकमान की बैठकें जारी, प्रधानगी बदलाव पर सस्पेंस अभी भी बरकरार

भारतेंदु संवाददाता, पंजाब। कांग्रेस में प्रधानगी बदलाव को लेकर चर्चाएं अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। हालांकि पार्टी प्रभारी भूपेश बघेल ने साफ कहा है कि प्रधान बदलने का कोई फैसला नहीं होने जा रहा, लेकिन दिल्ली में लगातार हो रही बैठकों और वरिष्ठ नेताओं की मुलाकातों ने राजनीतिक हलचल को बनाए रखा है।

सस्पेंस का सबसे बड़ा कारण कांग्रेस हाईकमान द्वारा पंजाब के नेताओं के साथ लगातार विचार-विमर्श करना है। हाल ही में दिल्ली में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की बैठकें हुईं, जिनमें पंजाब के राजनीतिक हालात और संगठन को लेकर चर्चा की गई। इसके अलावा

विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा को भी दिल्ली बुलाया गया, जिससे नए समीकरणों की अटकलें तेज हो गईं।

बाजवा की बैठक के बाद चुप्पी ने भी चर्चाओं को हवा दी है। उन्होंने मीडिया से बातचीत करने से इनकार करते हुए

◆कांग्रेस में बदलाव की अटकलें जारी

केवल बाद में बात करने की बात कही। इससे राजनीतिक गलियारों में कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

वहीं, पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी, संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावी तैयारियों को लेकर हाईकमान की सक्रियता भी सस्पेंस का कारण बनी हुई है। भूपेश बघेल के बयान से बदलाव की संभावना कम जरूर हुई है, लेकिन दिल्ली में जारी बैठकों के चलते पूरी तरह स्थिति साफ नहीं मानी जा रही। अब सभी की नजरें कांग्रेस हाईकमान के अंतिम रुख पर टिकी हैं।

फीस बढ़ाने से पहले स्कूलों को लेनी होगी मंजूरी

नए आदेशों से हजारों अभिभावकों को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। अमृतसर जिले में निजी स्कूलों द्वारा लंबे समय से की जा रही मनमानी फीस बढ़ोतरी पर अब रोक लगने की उम्मीद है। 'द पंजाब रैगुलेशन ऑफ फीस ऑफ अनएडेड एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस (अमेंडमेंट) ऑर्डिनेंस, 2026' लागू होने के बाद जिले के सैकड़ों निजी स्कूल नए नियमों के दायरे में आ जाएंगे। जिला शिक्षा विभाग ने सरकारी आदेशों को सख्ती से लागू करवाने की तैयारी शुरू कर दी है।

नए नियमों के अनुसार अब कोई भी निजी स्कूल बिना मंजूरी के फीस में बढ़ोतरी नहीं कर सकेगा। स्कूलों को फीस बढ़ाने से पहले अपनी फीस संरचना, खर्चों और अन्य संबंधित जानकारी अधिकारियों के सामने रखनी होगी। इसके अलावा वार्षिक फीस बढ़ोतरी की सीमा अधिकतम 5 प्रतिशत तक निर्धारित की गई है। इससे हर साल बढ़ती फीस से परेशान अभिभावकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

जानकारी के अनुसार अमृतसर जिले में करीब 700 निजी स्कूल संचालित हो रहे हैं। इनमें लगभग 400 स्कूल पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड से जुड़े हैं, जबकि करीब 300 स्कूल सीबीएसई, आईसीएसई और अन्य बोर्डों से संबंधित हैं। इनमें से कई बड़े स्कूलों पर समय-समय पर अधिक फीस वसूलने के आरोप लगते रहे हैं। फीस वृद्धि को लेकर अभिभावकों की ओर से कई बार विरोध भी किया गया।

नए आदेशों के तहत जिला स्तर पर फीस निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। फीस संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए विशेष व्यवस्था तैयार की जाएगी, ताकि अभिभावक अपनी शिकायतें आसानी से दर्ज करवा सकें। इसके साथ ही स्कूलों की औचक जांच के लिए विशेष अभियान भी चलाए जाएंगे।

सरकारी आदेशों के तहत अभिभावकों की शिकायतों का तुरंत होगा समाधान ।

फीस निगरानी के लिए मजबूत होगी व्यवस्था

जिला स्तर पर निजी स्कूलों की फीस व्यवस्था पर निगरानी बढ़ाई जाएगी। नए आदेशों के तहत शिक्षा विभाग एक मजबूत निगरानी प्रणाली तैयार करने जा रहा है, जिससे स्कूलों की फीस संरचना और बढ़ोतरी पर नजर रखी जा सके। आरटीआई एक्टिविस्ट राजिंदर शर्मा के अनुसार, फीस से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए विशेष व्यवस्था बनाई जाएगी। इससे अभिभावकों को अपनी समस्याएं दर्ज कराने और समाधान प्राप्त करने के लिए एक स्थायी मंच मिलेगा। उन्होंने कहा कि लंबे समय से फीस बढ़ोतरी को लेकर अभिभावक परेशान थे, लेकिन अब नए नियमों से पारदर्शिता बढ़ने की उम्मीद है।

लंदन में तरनतारन की युवती की चाकू मारकर हत्या, न्याय की मांग

विदेश भेजी बेटी की हत्या से परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

भारतेंदु संवाददाता, तरनतारन। विदेश जाकर परिवार का भविष्य संवारने का सपना लेकर लंदन गई 24 वर्षीय युवती किरनदीप कौर की चाकू मारकर हत्या किए जाने का दुखद मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलने के बाद तरनतारन के गांव पिद्दी स्थित उसके परिवार में मातम छा गया है। परिजनों ने भारत और ब्रिटेन सरकार से बेटी का पार्थिव शरीर जल्द से जल्द भारत लाने और हत्या के कारणों की निष्पक्ष जांच करवाकर न्याय दिलाने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, गांव पिद्दी निवासी किसान सुखदेव सिंह और उनकी पत्नी बलजीत कौर ने अपनी बेटी किरनदीप कौर को बेहतर भविष्य देने के लिए करीब दो साल पहले विदेश भेजा था। परिवार ने बताया कि बेटी की पढ़ाई और विदेश जाने के लिए उन्होंने अपनी आधा किला जमीन बेच दी थी और

करीब 25 लाख रुपये का कर्ज भी लिया था।

परिजनों के मुताबिक, किरनदीप कौर ने लंदन में रहकर मेहनत से अपनी एमएससी की पढ़ाई पूरी की और वर्क परमिट हासिल किया था। वह वहां एक ग्रोसरी स्टोर में नौकरी कर रही थी और अपने पैरों पर खड़े होने के लिए लगातार प्रयास कर रही थी। परिवार को उम्मीद थी कि बेटी जल्द ही विदेश में अपना भविष्य सुरक्षित कर लेगी।

बताया जा रहा है कि बीते रविवार सुबह किरनदीप कौर अपने घर में मौजूद थी। इसी दौरान एक युवक कथित रूप से उसके घर में दाखिल हुआ और उस पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद किरनदीप कौर के माता-पिता और भाई लवप्रीत सिंह, जगजीवन सिंह व छोटी बहन का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार ने कहा कि किरनदीप ने विदेश जाकर पढ़ाई पूरी करने और परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए बहुत मेहनत की थी, लेकिन इस घटना ने उनके सारे सपने तोड़ दिए।

परिजनों ने हत्या के पीछे संभावित कारणों की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने आशंका जताई है कि घटना के पीछे नस्लीय भेदभाव या नफरत से जुड़ा कारण हो सकता है।

पांच सेकंड में चोरों ने उड़ाई कार की बैटरी

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। महानगर में वाहन चोरों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ऐसा ही एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां दो शातिर चोरों ने रात के समय रिहायशी इलाके की गली में खड़ी कार से महज कुछ सेकंड में बैटरी चोरी कर ली। पूरी वारदात इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने फुटेज कब्जे में लेकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, देर रात दो युवक सफेद रंग की एक्टिवा पर सवार होकर गली में पहुंचे। उनकी योजना पहले से तैयार थी। एक्टिवा चालक ने गली के बाहर वाहन को स्टार्ट रखा, जबकि उसका साथी चोरी करने के लिए अंदर चला गया। सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहा है कि आरोपी ने पहले पूरी गली की रेकी की और आसपास की स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद आरोपी ने पहले एक मारुति ऑल्टो कार को निशाना बनाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिलने पर वह आगे बढ़ गया। बाद में उसने मारुति स्विफ्ट कार के पास जाकर चोरी को अंजाम दिया। आरोपी ने लोहे की रॉड की मदद से कार का बोनट खोला और करीब पांच सेकंड में बैटरी निकाल ली। बैटरी निकालने के बाद आरोपी ने अपने साथी को इशारा किया। दोनों ने बैटरी को एक्टिवा पर रखा और मौके से फरार हो गए।

नंगल के 14 गांवों के रिकॉर्ड गायब, जांच की मांग

रिकॉर्ड गायब होने से कीरतपुर साहिब-नंगल हाईवे कार्य हुआ प्रभावित

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। नेशनल हाईवे के लिए जमीन अधिग्रहण के दौरान सामने आए नंगल सब-डिवीजन के 14 गांवों के रेवेन्यू रिकॉर्ड गायब होने का मामला अब पंजाब लोक भवन तक पहुंच गया है। इस मामले को लेकर भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व सांसद अविनाश राय खन्ना ने राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, पंजाब मानवाधिकार आयोग के चेयरमैन और पंजाब के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है।

अविनाश राय खन्ना ने कहा कि रेवेन्यू रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने के कारण नेशनल हाईवे-503 के कीरतपुर साहिब-नंगल सेक्शन को फोरलेन करने का काम प्रभावित हो रहा है। यह परियोजना पंजाब को हिमाचल प्रदेश से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा विकास कार्यों में शामिल है। रिकॉर्ड गायब होने के कारण जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया में देरी हो रही है, जिससे पूरे प्रोजेक्ट की गति प्रभावित हो रही है।

उन्होंने इस स्थिति को गंभीर प्रशासनिक नाकामी बताते हुए कहा कि सरकारी दस्तावेजों का गायब होना चिंता का विषय है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की है कि मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाई जाए और यह तय किया जाए कि रिकॉर्ड गायब होने के लिए कौन जिम्मेदार है।

खन्ना ने कहा कि संबंधित विभागों को जल्द से जल्द गायब दस्तावेजों को उपलब्ध करवाने या दोबारा तैयार करने की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए, ताकि विकास कार्यों को बिना किसी बाधा के आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने अधिकारियों से इस मामले में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग की है।

नेशनल हाईवे-503 का कीरतपुर साहिब-नंगल हिस्सा क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इसके पूरा होने से पंजाब और हिमाचल प्रदेश के बीच यातायात व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है।

जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया में रिकॉर्ड संकट बना बड़ी बाधा

हथियार समेत शातिर लुटेरा गिरफ्तार, चार मोबाइल बरामद

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। राहगीरों को हथियार दिखाकर लूटपाट और झपटमारी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर अपराधी को लुधियाना कमिश्नरेट पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना हैबोवाल के अधीन पुलिस चौकी जगतपुरी की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर गांव हम्बड़ा के पास नाकाबंदी कर आरोपी को काबू किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बिना नंबर की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, चार लूटे हुए मोबाइल फोन और .315 बोर का देसी कट्टा बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान गांव हम्बड़ा निवासी जोबनप्रीत सिंह पुत्र जसवंत सिंह के रूप में हुई है। उसके खिलाफ थाना हैबोवाल में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया

कि शहर में अपराध की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

चौकी इंचार्ज सुखजिंदर सिंह ने बताया कि पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति घातक हथियार लेकर इलाके में घूम रहा है और लोगों को डराकर लूट की वारदात को अंजाम देने की तैयारी में है। सूचना मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इलाके की घेराबंदी की और आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से बिना नंबर प्लेट की बाइक, अलग-अलग कंपनियों के चार मोबाइल फोन और एक चालू हालत में देसी कट्टा बरामद हुआ।

बिल विवाद में मानवाधिकार आयोग ने अस्पताल से मांगी रिपोर्ट

2 .31 लाख के बिल के लिए शव रोकने पर मानवाधिकार आयोग ने अस्पताल पर कसा शिकंजा

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। शेरपुर चौक के नजदीक स्थित एक निजी अस्पताल पर मृतक युवक के शव को मेडिकल बिल का भुगतान न होने के कारण रोकने के आरोपों को लेकर पंजाब राज्य एवं चंडीगढ़ मानवाधिकार आयोग ने कड़ा संज्ञान लिया है। आयोग ने इस मामले में स्वत: संज्ञान लेते हुए लुधियाना के सिविल सर्जन को पूरे घटनाक्रम की तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने के निर्देश जारी किए हैं।

मामला गांव फुल्लांवाल निवासी 22 वर्षीय बूटा सिंह से जुड़ा है, जिसकी सड़क हादसे में मौत हो गई थी। जानकारी के अनुसार, बूटा सिंह गांव गिल के पास हुए हादसे में गंभीर रूप से

घायल हो गया था। परिजन उसे इलाज के लिए शेरपुर चौक स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

परिजनों का आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन ने करीब 2.31 लाख रुपये के मेडिकल बिल का भुगतान न होने के कारण शव सौंपने से इनकार कर दिया। परिवार आर्थिक परेशानी के चलते तुरंत पूरी राशि जमा नहीं कर सका। आरोप है कि मृतक के परिजन करीब आठ घंटे तक अस्पताल में शव देने की गुहार लगाते रहे।

हथियार तस्करी मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने अवैध हथियार और विस्फोटक तस्करी करने वाले मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने एक नाबालिग समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से ए.के.-47 सहित तीन अत्याधुनिक राइफलें, एक हैंड ग्रेनेड और पांच मैगजीन बरामद की हैं।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गांव भैणी राजपूतां निवासी आकाशबीर सिंह उर्फ काशी, गांव बलागन निवासी जोबन सिंह और एक नाबालिग के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी सीमा पार से ड्रोन के जरिए हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक मंगवा रहे थे। अमृतसर ग्रामीण के एसएसपी कंवलप्रीत सिंह चहल ने बताया कि थाना घरिंडा पुलिस को मिली सूचना के आधार पर अटारी के पास विशेष अभियान चलाया गया।

'सतलुज' फिल्म विवाद को लेकर मेलबर्न में दो पक्षों के बीच झड़प

भारतेंदु संवाददाता, पंजाब। पंजाबी फिल्म 'सतलुज' को लेकर चल रहा विवाद अब ऑस्ट्रेलिया तक पहुंच गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान मेलबर्न में फिल्म पर लगाए गए प्रतिबंध को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद की स्थिति पैदा हो गई। जानकारी के अनुसार, मेलबर्न में खालिस्तान समर्थक और सिख भाजपा समर्थक आमने-सामने आ गए, जिसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया।

बताया जा रहा है कि खालिस्तान समर्थक समूह ने फिल्म 'सतलुज' पर प्रतिबंध का विरोध करते हुए प्रदर्शन किया। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई और मामला बढ़ गया। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसे सिख भाजपा समर्थक जगविंदर विर्क ने साझा किया है। वीडियो में कुछ लोग नारेबाजी करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत करवाकर माहौल सामान्य किया। हालांकि, इस मामले को लेकर अभी तक किसी बड़ी कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म 'सतलुज' को लेकर पंजाब में पहले से ही राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर बहस चल रही है। फिल्म के विषय और प्रतिबंध को लेकर अलग-अलग संगठनों की ओर से प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। इसी विवाद के चलते विदेशों में भी इसका असर देखने को मिला।

पंजाब के 8 टोल प्लाजा पर बढ़े रेट, वाहन चालकों को झटका

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। पंजाब में वाहन चालकों को एक बार फिर महंगाई का झटका लगा है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने राज्य के 8 टोल प्लाजा पर टोल शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है। नई दरें 14 जुलाई की रात 12 बजे से लागू कर दी गई हैं। इनमें लुधियाना का लाडोवाल टोल प्लाजा भी शामिल है, जिसे देश के सबसे महंगे टोल प्लाजा में गिना जाता है।

लाडोवाल टोल प्लाजा पर अब कार, जीप और वैन चालकों को सिंगल यात्रा के लिए 235 रुपये चुकाने होंगे, जबकि पहले यह शुल्क 225 रुपये था। इसी तरह अन्य श्रेणी के वाहनों के टोल शुल्क में भी 10 से 60 रुपये तक की वृद्धि की गई है। कमर्शियल वाहनों के लिए टोल दरों में 20 से 30 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है।

इसके अलावा पंजाब के कालाझर, घुलाल, काला टिब्बा, लहराबेगा, खुइयां सरवर, शेखपुरा, पैंद और कोट करोर टोल प्लाजा पर भी नई दरें लागू की गई हैं। इन टोल प्लाजा पर कारों के शुल्क में 5 से 10 रुपये तक की वृद्धि हुई है, जबकि बस, ट्रक और अन्य भारी वाहनों के लिए भी नए रेट तय किए गए हैं।

लाडोवाल टोल प्लाजा पर लगातार बढ़ रहे शुल्क से रोजाना सफर करने वाले लोगों और व्यापारिक वाहन चालकों में नाराजगी है। वाहन चालकों का कहना है कि कुछ महीनों के अंतराल में दूसरी बार टोल बढ़ने से उनका खर्च काफी बढ़ गया है। इससे पहले 1 अप्रैल को भी टोल दरों में वृद्धि की गई थी। छह महीने में दो बार बढ़ोतरी से लोगों में रोष बढ़ रहा है। वाहन चालकों का कहना है कि टोल दरों में लगातार वृद्धि से आम लोगों की जेब पर सीधा असर पड़ रहा है।

लंबी दूरी का सफर करने वाले यात्रियों के साथ-साथ माल ढुलाई करने वाले ट्रांसपोर्टरों की लागत भी बढ़ेगी। ट्रांसपोर्ट कारोबारियों ने सरकार से टोल शुल्क बढ़ोतरी पर पुनर्विचार करने की मांग की है।

लाडोवाल समेत 8 टोल प्लाजा पर बढ़े शुल्क, वाहन चालक परेशान

स्वच्छता | केंद्रीय मंत्री ने खुद झाड़ू लगाकर रेलवे अधिकारियों को सफाई व्यवस्था सुधारने के दिए निर्देश

बिट्टू ने पटरियों पर उतरकर किया सफाई अभियान, दिया स्वच्छता संदेश

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। महानगर के केंद्रीय रेलवे स्टेशन पर बुधवार को स्वच्छता अभियान के दौरान एक अलग ही नजारा देखने को मिला। भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू अचानक सुरक्षा व्यवस्था और औपचारिकताओं को पीछे छोड़ते हुए खुद रेलवे पटरियों पर उतर गए। उन्होंने हाथों में झाड़ू लेकर पटरियों के बीच जमा कूड़े-कचरे, प्लास्टिक की बोतलों और अन्य गंदगी को साफ किया। केंद्रीय मंत्री के इस कदम ने मौके पर मौजूद यात्रियों, रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों को भी हैरान कर दिया।

देशव्यापी स्वच्छता अभियान के तहत लुधियाना रेलवे स्टेशन पर विशेष सफाई मुहिम का आयोजन किया गया था। इसी दौरान केंद्रीय मंत्री स्टेशन का निरीक्षण करने पहुंचे। प्लेटफॉर्म और अन्य हिस्सों का जायजा लेने के बाद उनकी नजर रेलवे लाइनों के बीच फैली गंदगी पर पड़ी। उन्होंने तुरंत सफाई उपकरण उठाए और खुद सफाई में जुट गए।

बताया गया कि सुरक्षाकर्मियों और साथ मौजूद अधिकारियों ने उन्हें पटरियों पर जाने से रोकने का प्रयास किया, लेकिन बिट्टू ने स्वच्छता के महत्व को देखते हुए खुद श्रमदान करने का फैसला किया। उन्होंने काफी देर तक कड़ी धूप में पटरियों के बीच फैले कचरे को हटाया और कर्मचारियों को भी सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने के निर्देश दिए। मंत्री को जमीन पर उतरकर काम करते देख स्टेशन पर मौजूद यात्रियों ने तालियां बजाकर उनके प्रयास की सराहना की।

सफाई अभियान के बाद केंद्रीय मंत्री ने रेलवे स्टेशन के अधिकारियों और सफाई व्यवस्था से जुड़े कर्मचारियों के साथ बैठक की। उन्होंने स्टेशन परिसर में मिली कमियों को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बिट्टू ने कहा कि लुधियाना पंजाब का प्रमुख औद्योगिक शहर है और यहां का रेलवे स्टेशन प्रदेश की पहचान को दर्शाता है। यात्रियों को स्वच्छ वातावरण और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना रेलवे की जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने वीआईपी संस्कृति से दूर रहकर जनता की सुविधाओं को प्राथमिकता देने की बात कही।

केंद्रीय मंत्री ने यात्रियों से भी अपील की कि वे रेलवे स्टेशन और पटरियों को साफ रखने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि केवल सरकारी प्रयासों से शहर या स्टेशन स्वच्छ नहीं हो सकता, इसमें आम जनता की भागीदारी भी जरूरी है।

रेलवे स्टेशन सफाई में मंत्री ने खुद संभाली झाड़ू।

आधुनिक जीवनशैली की दौड़ में कहीं पीछे छूटते जा रहे हैं पारिवारिक संस्कार

अगर हम कुछ समय पूर्व जाएं, तो पाते हैं कि पहले संयुक्त परिवारों का चलन था और आपस में मधुरता एवं सामंजस्य का वातावरण विद्यमान रहता था। उस दौरान यदि परिवार का कोई सदस्य कुछ समय के लिए भी इधर-उधर नहीं दिखाई देता था, तो सभी सदस्य चिंतित हो उठते थे। उस समय वृद्ध माता-पिता की देखभाल संतानें अपना केवल नैतिक नहीं बल्कि परम कर्तव्य समझती थीं।

संयुक्त परिवार संस्कार और सामूहिक जीवन की आधारशिला हुआ करता था, जहां परिवार मात्र एक इकाई नहीं बल्कि आपसी सुख-दुख का मजबूत सहारा होता था। उस समय परिवार की यह व्यवस्था सभी सदस्यों के सहयोग, समर्पण और सहभागिता से चलती थी। बुजुर्गों का स्नेह और अनुभव बच्चों के चरित्र निर्माण में सहायक होता था, जिससे उनमें संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का विकास होता था। आर्थिक दृष्टि से भी संयुक्त परिवार उपयोगी था, क्योंकि अनेक कमाने वाले सदस्यों के कारण जिम्मेदारियां विभाजित रहती थीं और जीवन अपेक्षाकृत सरल होता था। समय के साथ सामाजिक संरचना में परिवर्तन आया। शिक्षा, रोजगार, शहरीकरण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की चाह ने संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों को बढ़ावा दिया। इसके साथ ही रिश्तों में दूरी बढ़ने लगी और पारिवारिक संवाद कमजोर पड़ता गया। आज की युवा पीढ़ी अनेक बार माता-पिता को बोझ या बाधा के रूप में देखने लगी है, जिसके कारण पारिवारिक एकता पर प्रभाव पड़ा है।

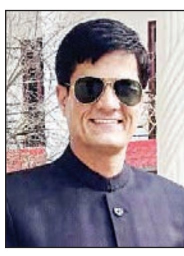

लकेश चंदेल
अध्यापक, जिला बिलासपुर
हिमाचल प्रदेश

इस बदलाव का सबसे अधिक प्रभाव वृद्ध माता-पिता पर पड़ा है। जीवनभर जिन संतान के भविष्य के लिए उन्होंने अपना सब कुछ समर्पित किया, वही वृद्धावस्था में उपेक्षा का सामना कर रहे हैं। कई मामलों में आर्थिक निर्भरता के बावजूद बुजुर्ग मानसिक और भावनात्मक सुरक्षा से वंचित रह जाते हैं। यह स्थिति समाज के नैतिक ढांचे पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। आज वृद्ध माता-पिता की उपेक्षा और उनके प्रति दुर्व्यवहार के मामले समय-समय पर सामने आते रहते हैं। इसी कारण सरकारों को उनके संरक्षण हेतु कानून बनाने पड़े हैं। हिमाचल प्रदेश सहित अनेक राज्यों तथा केंद्र सरकार ने 'वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण कानून' जैसे प्रावधान लागू किए हैं, जिनका उद्देश्य बुजुर्गों के अधिकारों की रक्षा करना है। फिर भी कानूनों का अस्तित्व यह दर्शाता है कि सामाजिक संवेदनशीलता में कमी आई है।

माता-पिता अपने जीवन की समस्त पूंजी बच्चों के पालन-पोषण, शिक्षा और भविष्य निर्माण में लगा देते हैं, यह आशा रखते हुए कि वृद्धावस्था में संतान उनका सहारा बनेगी, परंतु आधुनिक समय में बदलते मूल्य और व्यक्तिगत स्वार्थ के कारण कई बार यह अपेक्षा टूट जाती है, जिससे बुजुर्ग अकेलेपन, असुरक्षा और मानसिक पीड़ा का अनुभव करते हैं। वृद्धावस्था केवल शरीर की कमजोरी नहीं, बल्कि अनुभव, ज्ञान और जीवन के गहन सत्य का संगम होती है। बुजुर्ग परिवार की धरोहर होते हैं और उनका अनुभव नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शन का कार्य करता है। उनके बिना परिवार केवल भौतिक इकाई रह जाता है, जिसमें भावनात्मक गहराई और संस्कारों की कमी महसूस होती है।

समाज के लिए यह आवश्यक है कि बुजुर्गों को केवल देखभाल का विषय न मानकर सम्मान और सहभागिता का केंद्र माना जाए। उनके अनुभवों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना, उनसे संवाद बनाए रखना और उन्हें परिवार का सक्रिय हिस्सा बनाए रखना समय की आवश्यकता है। सार्वजनिक स्थानों, परिवहन और सेवाओं में भी वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदनशील व्यवहार आवश्यक है। संयुक्त परिवार के मूल मूल्यों- सहयोग, सम्मान और सामंजस्य को पुनः सशक्त किया जाए, तो बुजुर्गों की उपेक्षा की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है।

आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं बल्कि परिवार और समाज में संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करने की है। बच्चों को बचपन से ही यह संस्कार दिए जाने चाहिए कि माता-पिता और बुजुर्ग केवल परिवार के सदस्य नहीं बल्कि अनुभव, त्याग और जीवन मूल्यों की अमूल्य धरोहर हैं। जिस प्रकार उन्होंने अपने जीवन का सर्वश्रेष्ठ समय परिवार के सुख और भविष्य के लिए समर्पित किया, उसी प्रकार बुढ़ापे में उनका सम्मान, देखभाल और साथ देना अगली पीढ़ी का नैतिक कर्तव्य है।

आधुनिक जीवन की व्यस्तता चाहे जितनी भी बढ़ जाए, यदि प्रतिदिन कुछ समय बुजुर्गों के साथ संवाद में बिताया जाए, उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखा जाए और उन्हें निर्णय प्रक्रिया में सहभागी बनाया जाए, तो उनका अकेलापन काफी हद तक दूर हो सकता है। यह भी आवश्यक है कि विद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों के माध्यम से बुजुर्ग सम्मान की भावना को जन अभियान का रूप दिया जाए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

महाप्रभु जगन्नाथ की असीम कृपा और मेरे जीवन की आध्यात्मिक यात्रा

बचपन से ही मेरे जीवन का सबसे मजबूत आधार महाप्रभु श्रीजगन्नाथ के प्रति अटूट श्रद्धा और विश्वास रहा है। मेरे लिए वे केवल एक आराध्य देव नहीं बल्कि जीवन के हर सुख-दुख के साक्षी, हर कठिन क्षण के संबल और हर सफलता के प्रेरणास्रोत हैं। बचपन में जब मैं अपने गाँव में रहती थी तब घर के वातावरण में भगवान जगन्नाथ का नाम हर दिन सुनने को मिलता था। परिवार के बड़े-बुजुर्ग उनकी महिमा का वर्णन करते थे और गाँव के लोग भी उनकी भक्ति में लीन रहते थे। उसी वातावरण ने मेरे मन में भगवान जगन्नाथ के प्रति गहरी आस्था का बीज बो दिया। स्कूल और कॉलेज के दिनों में मैं भगवान जगन्नाथ के अनेक भजन और प्रार्थनाएँ गाया करती थी। उन भजनों को गाते समय ऐसा अनुभव होता था मानो महाप्रभु मेरे बहुत निकट खड़े होकर मुझे आशीर्वाद दे रहे हों।

आज भले ही मैं पहले की तरह मंच पर भजन नहीं गाती, लेकिन प्रातः और संध्या के समय उनका स्मरण करते हुए मन ही मन उनके भजन गुनगुनाती हूँ। यही स्मरण मुझे आत्मिक शांति, विश्वास और नई ऊर्जा प्रदान करता है। बचपन में मेरे शिक्षकों ने भगवान जगन्नाथ के बारे में अनेक प्रेरणादायक बातें बताईं। उन्होंने बताया कि पुरी का श्रीमंदिर केवल एक मंदिर नहीं बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का सबसे बड़ा केंद्र है। वहाँ भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ विराजमान हैं। भगवान जगन्नाथ का श्याम वर्ण, उनकी विशाल गोल-गोल आँखें और उनका अलौकिक स्वरूप पहली बार सुनते ही मेरे मन में उन्हें देखने की तीव्र इच्छा जाग उठी।

द्रौपदी मुर्मू
भारत की राष्ट्रपति

मुझे बताया गया कि उनका प्रसाद महाप्रसाद कहलाता है, उनका मंदिर बड़ा मंदिर, उनका मार्ग विशाल पथ और उनके चरणों को स्पर्श करता समुद्र महोदधि कहलाता है। उस समय मैं दूरस्थ गाँव में रहती थी और पुरी जाना संभव नहीं था, लेकिन मन में एक विश्वास था कि एक दिन महाप्रभु स्वयं बुलाएँगे। बाद में जब पढ़ाई के लिए भुवनेश्वर जाने का अवसर मिला तो पुरी, कोणार्क और अन्य पवित्र स्थलों के दर्शन का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ। पहली बार श्रीमंदिर में प्रवेश कर जब भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए तो ऐसा लगा मानो वर्षों की प्रतीक्षा एक ही क्षण में पूरी हो गई हो। वह दृश्य आज भी मेरे मन में उसी प्रकार अंकित है जैसे किसी दीपक की लौ सदैव जलती रहती है।

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि आस्था, समानता और मानवता का विराट पर्व है। वर्ष भर भगवान मंदिर के गर्भगृह में भक्तों को दर्शन देते हैं, लेकिन रथयात्रा के अवसर पर वे स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं। तीनों दिव्य रथों पर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा नगर भ्रमण करते हुए गुंडिचा मंदिर तक जाते हैं। इस यात्रा में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होता।

जाति, धर्म, भाषा, वर्ग और क्षेत्र की सभी सीमाएँ समाप्त हो जाती हैं। हर व्यक्ति को भगवान के दर्शन का समान अधिकार मिलता है। यही कारण है कि भगवान जगन्नाथ को समता और सर्वसमावेशी संस्कृति का प्रतीक माना जाता है। उनकी गोल-गोल आँखें इस बात का संदेश देती हैं कि वे संसार के प्रत्येक प्राणी को समान दृष्टि से देखते हैं। उनके लिए कोई छोटा या बड़ा नहीं है। यही शिक्षा मेरे जीवन की भी सबसे बड़ी प्रेरणा बनी।

जीवन में अनेक ऐसे अवसर आए जब कठिनाइयों और दुखों ने मुझे घेर लिया। निजी जीवन में अपनों को खोने का असहनीय दुःख भी सहना पड़ा और अनेक संघर्षों से गुजरना पड़ा। ऐसे हर कठिन समय में मैंने केवल महाप्रभु का स्मरण किया। मुझे सदैव यही अनुभव हुआ कि जब भी जीवन में अंधकार बढ़ा, तब भगवान जगन्नाथ ने किसी न किसी रूप में मेरा हाथ थाम लिया।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

> जैसे उल्लू को सूर्य नहीं दिखाई देता वैसे ही दुष्ट को सौजन्य दिखाई नहीं देता।
> -स्वामी भजनानंद

संपादकीय

बढ़ती महंगाई: अर्थव्यवस्था के लिए चेतावनी

देश में एक बार फिर खाद्य महंगाई आम लोगों के लिए चिंता का कारण बन गई है। हाल के आर्थिक आंकड़े बताते हैं कि जून महीने में खाद्य महंगाई बढ़कर 5.32 प्रतिशत तक पहुंच गई है जो पिछले सत्रह महीनों का सबसे ऊंचा स्तर है। वहीं खुदरा महंगाई भी बढ़कर 4.38 प्रतिशत हो गई है। यह केवल आंकड़ों की बात नहीं है बल्कि इसका सीधा प्रभाव करोड़ों परिवारों की रसोई और उनके मासिक बजट पर पड़ रहा है। दाल सब्जियां फल खाद्य तेल दूध और अन्य आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी ने मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग की आर्थिक स्थिति पर अतिरिक्त दबाव डाल दिया है। ऐसे समय में जब अधिकांश परिवार पहले से ही शिक्षा स्वास्थ्य आवास और परिवहन जैसे बढ़ते खर्चों का सामना कर रहे हैं तब खाद्य वस्तुओं की महंगाई उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है। खाद्य महंगाई का सबसे अधिक असर उन परिवारों पर पड़ता है जिनकी आय सीमित होती है। ऐसे परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा भोजन पर खर्च करते हैं। जब रोजमर्रा की जरूरी चीजों के दाम बढ़ जाते हैं तो उन्हें अपनी आवश्यकताओं में कटौती करनी पड़ती है। कई बार पौष्टिक भोजन की जगह सस्ते विकल्प अपनाने पड़ते हैं जिससे बच्चों महिलाओं और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। संतुलित आहार की कमी से कुपोषण और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा भी बढ़ जाता है। इस प्रकार खाद्य महंगाई केवल आर्थिक समस्या नहीं बल्कि सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी चुनौती भी बन जाती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार खाद्य महंगाई के पीछे कई कारण एक साथ काम कर रहे हैं। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहे हैं। कहीं अत्यधिक गर्मी तो कहीं अनियमित वर्षा और कई क्षेत्रों में सूखे जैसी परिस्थितियों ने फसलों की पैदावार कम कर दी है। दूसरी ओर बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं ने भी कई राज्यों में कृषि और परिवहन व्यवस्था को प्रभावित किया है। जब उत्पादन घटता है और मांग बनी रहती है तब कीमतों में वृद्धि होना स्वाभाविक है। इसके अलावा परिवहन लागत बढ़ने ईंधन की कीमतों में उतार चढ़ाव और आपूर्ति श्रृंखला में आने वाली बाधाओं ने भी खाद्य पदार्थों की कीमतों को ऊपर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। टमाटर प्याज आलू जैसी सब्जियां अक्सर मौसम के प्रभाव से सबसे पहले प्रभावित होती हैं। थोड़ी सी कमी आते ही इनके दाम कई गुना बढ़ जाते हैं। दालों और खाद्य तेलों की कीमतों में भी लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है। भारत आज भी कुछ खाद्य तेलों और दालों के लिए आयात पर निर्भर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ने या वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने का सीधा असर भारतीय बाजार पर दिखाई देता है। यही कारण है कि वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां भी देश की खाद्य महंगाई को प्रभावित करती हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक ने महंगाई को नियंत्रित रखने के लिए चार प्रतिशत का लक्ष्य निर्धारित किया है जिसमें दो प्रतिशत ऊपर या नीचे रहने की अनुमति है। फिलहाल खुदरा महंगाई इस सीमा के भीतर है लेकिन खाद्य महंगाई लगातार बढ़ रही है जो भविष्य के लिए चिंता का संकेत है। यदि खाद्य महंगाई लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बनी रहती है तो इसका असर केवल उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि निवेश उद्योग और आर्थिक विकास की गति पर भी पड़ सकता है। महंगाई बढ़ने पर लोगों की क्रय शक्ति कम हो जाती है जिससे बाजार में मांग प्रभावित होती है और आर्थिक गतिविधियों पर भी असर पड़ता है। सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह एक ओर किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाए और दूसरी ओर उपभोक्ताओं को आवश्यक वस्तुएं उचित कीमत पर उपलब्ध कराए। यदि किसानों को लाभकारी मूल्य नहीं मिलेगा तो वे उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रेरित नहीं होंगे। वहीं यदि बाजार में कीमतें बहुत अधिक बढ़ती हैं तो आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। इसलिए नीति निर्माण में संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। सरकार को कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक सिंचाई सुविधाओं गुणवत्तापूर्ण बीज और उन्नत कृषि उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए। साथ ही किसानों को मौसम संबंधी सटीक जानकारी और वैज्ञानिक सलाह भी समय पर उपलब्ध करानी चाहिए।

भंडारण व्यवस्था को मजबूत करना भी खाद्य महंगाई पर नियंत्रण का महत्वपूर्ण उपाय है। देश में हर वर्ष बड़ी मात्रा में फल सब्जियां और अन्य कृषि उत्पाद पर्याप्त भंडारण सुविधाओं के अभाव में खराब हो जाते हैं। यदि आधुनिक गोदामों और कोल्ड स्टोरेज की संख्या बढ़ाई जाए तो खाद्य पदार्थों की बर्बादी कम होगी और बाजार में उनकी नियमित आपूर्ति बनी रहेगी। इसी प्रकार कोल्ड चेन नेटवर्क के विस्तार से कृषि उत्पादों को दूरदराज के बाजारों तक सुरक्षित पहुंचाया जा सकता है जिससे कीमतों में अनावश्यक वृद्धि को रोका जा सकेगा। जमाखोरी और कालाबाजारी भी कई बार महंगाई को बढ़ाने का कारण बनती है। कुछ व्यापारी कृत्रिम कमी पैदा करके आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ा देते हैं। ऐसी गतिविधियों पर सरकार को सख्त निगरानी रखनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। आवश्यक वस्तु अधिनियम तथा अन्य कानूनी प्रावधानों का प्रभावी उपयोग कर बाजार में पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा बनाए रखना जरूरी है। इसके साथ ही राज्यों और केंद्र सरकार के बीच बेहतर समन्वय से विभिन्न क्षेत्रों में खाद्य वस्तुओं की आपूर्ति संतुलित रखी जा सकती है।

उपभोक्ताओं की भी इस स्थिति में महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि लोग स्थानीय और मौसमी फल तथा सब्जियों को प्राथमिकता दें तो महंगे आयातित या कम उपलब्ध उत्पादों पर दबाव कम हो सकता है। भोजन की बर्बादी रोकना भी आवश्यक है क्योंकि हर वर्ष बड़ी मात्रा में खाद्यान्न केवल लापरवाही के कारण नष्ट हो जाता है।

-शिवांश धाकड़

बदलती जीवनशैली और बढ़ता कार्बन फुटप्रिंट प्रकृति के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है

ऐसा भी नहीं है कि इस बदलती प्रकृति के व्यवहार और जलवायु परिवर्तन को आम व्यक्ति नहीं समझता हो। सब किसी न किसी रूप में इसके बदलाव को महसूस तो कर ही रहे हैं, पर साथ ही कहीं न कहीं कुछ चकित व असमंजस में भी हैं कि यह सब क्यों हो रहा है। साथ में कुछ हद तक वो ये भी भी जानते हैं कि इस बड़े बदलाव का कारण अगर कहीं है, तो वह उनकी ही गतिविधियाँ हैं, जिनमें वे स्वयं भी शामिल हैं।

अनिल प्र. जोशी
स्वतंत्र लेखक

इसके अलावा, जिस तरह से हमने विकास के मापदंड तय किए हैं, यह उसका दुष्परिणाम भी है। सच तो यह है कि सरकारों को दोष देने के बजाय यह हमारा ही दोष है, क्योंकि हम वैसी ही जीवनशैली चाहते हैं। इसमें भी कोई शंका नहीं है कि इस दुनिया में जलवायु परिवर्तन या बढ़ते धरती के तापक्रम का दोष केवल किसी सरकार पर नहीं डाला जा सकता, क्योंकि सरकारें भी हम ही बनाते हैं और हम ही विकास को मापदंड बनाकर यह तय करते हैं कि कौन बेहतर निकला और हमारे हिस्से में क्या आया। हमारे देश के घर गाँव, राज्य—सभी की एक तरह से यही मांग होती है कि क्या बेहतर हुआ। लेकिन बदलते मौसम संकट में अब समय यह भी आ चुका है कि ऐसा क्या करें, जो हम सब से जुड़ा हो, ताकि कम से कम हम प्रकृति के प्रति अपना दायित्व निभा सकें और यह कह सकें कि इसमें हमारा भी योगदान है। वर्तमान जीवनशैली, ऐसी हो गई है कि चाहे नौकरी-पेशा वाले लोग हों या खेत-खलिहान में काम करने वाले, सभी पूरी तरह व्यस्त हैं। प्रकृति के प्रतिअलग से कुछ सोचना या उस पर कार्य करना अब सब के बस की बात नहीं रह गई है,। और यही कारण है कि लगातार तमाम तरह की जागरूकताओं के बावजूद भी हम प्रकृति के प्रति अपने व्यवहार को संतुलित नहीं कर पाए हैं।

अब जब यह सब कुछ हो रहा है, तो कहीं न कहीं इस पर स्वयम ही अंकुश लगाने की तैयारी भी होनी चाहिए। एक ऐसा कारक होना चाहिए जिसमें हम सबकी भागीदारी हो—इसे आप एक तरह का योगदान कह लें या अपनी कुछ इच्छाओं का दमन—पर हम सबके भागीदारी की आवश्यकता है। क्योंकि प्रकृति सबकी है और सब इसे भोगते हैं, इसलिए यह दायित्व किसी व्यक्ति विशेष, संगठन या सरकार का नहीं, बल्कि हम सभी का है।

चलिए, एक रास्ता है, जिसे यदि हम समझें, तो शायद हम व्यक्तिगत स्तर पर भी और संगठनात्मक स्तर पर भी कुछ प्रकृति के लिए जोड़ पाएँ। पृथ्वी के इस बढ़ते तापक्रम के पीछे मूल कारण कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य गैसों की अत्यधिक मात्रा है। इनमें कार्बन डाइऑक्साइड के साथ-साथ मीथेन तथा क्लोरो-फ्लोरो कार्बन जैसी गैसें भी शामिल हैं। इन सभी के कारण पृथ्वी के तापक्रम पर लगातार प्रभाव पड़ता जा रहा है। यदि कहीं अंकुश लगाना है, तो हमें इस दिशा में नए सिरे से सोचना होगा।

यह सब इसलिए भी होता है क्योंकि हमारी आवश्यकताएँ ऐसी हो गई हैं। हम जो कुछ भी उपयोग करते हैं—चाहे घर में बिजली की चमक हो, हमारी सुविधाओं के लिए इस्तेमाल होने वाले गैजेट्स और मशीनें हों, हमारी गाड़ियाँ हों या खाने-पीने की वस्तुएँ—इन सभी का अपना अपना कार्बन फुटप्रिंट होता है। अब यह समझना आवश्यक है कि समय आ चुका है कि हम कार्बन फुटप्रिंट को समझें।

किसी भी वस्तु के उत्पादन में कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन होना तय है, क्योंकि उसके लिए ऊर्जा और अन्य संसाधनों का उपयोग होता है, जिनका अपना कार्बन फुटप्रिंट होता है। उदाहरण के लिए, यदि आप रोजमर्रा में बिजली का उपयोग करते हैं, तो आप कहीं न कहीं कार्बन उत्सर्जन को बढ़ाते हैं। इसलिए बिजली के उपयोग में नियंत्रण आवश्यक है। यदि आपके घर में दिन के समय भी अनावश्यक रूप से बिजली जलती रहती है, तो आप अप्रत्यक्ष रूप से कार्बन डाइऑक्साइड बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं।

अब यदि आप एक कोका-कोला की बोतल या कोई अन्य पेय पीते हैं, तो उसकी एक बोतल का कार्बन फुटप्रिंट लगभग 0.22से 0.50 किलोग्राम तक होता है। उसी तरह जब आप पिज्जा, चाउमीन या अन्य खाद्य पदार्थ खाते हैं, तो प्रति किलोग्राम उत्पाद पर उनका लगभग 1 से 2 किलोग्राम तक कार्बन फुटप्रिंट होता है। फ्रेंच फ्राई को देखिये इसका फुट प्रिंट 0,32 से 0,6 ग्रद्द तक होता है।

अजीब बात यह है कि वेफर्स (चिप्स), जो बाजार में कई नामों से बिकते हैं और बहुत पसंद किए जाते हैं, उनके कारण 1 किलोग्राम में लगभग 2.5 से 3 किलोग्राम तक कार्बन फुटप्रिंट होता है। यानी जब आप एक पैकेट चिप्स लेते हैं, तो आपको केवल उसे खाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि यह भी सोचना चाहिए कि उससे कार्बन फुटप्रिंट भी उत्पन्न हो रहा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

अभिनय की चमक आमना शरीफ

आमना शरीफ

आमना शरीफ भारतीय टेलीविजन और फिल्म जगत की लोकप्रिय अभिनेत्री तथा मॉडल हैं। आमना शरीफ का जन्म 16 जुलाई 1982 को मुंबई में हुआ। उन्होंने अपनी खूबसूरती, सहज अभिनय और प्रभावशाली व्यक्तित्व के दम पर मनोरंजन जगत में एक अलग पहचान बनाई है। अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से करने वाली आमना ने बहुत कम समय में छोटे पर्दे पर ऐसी सफलता हासिल की कि वह लाखों दर्शकों की पसंदीदा अभिनेत्री बन गईं।

उनकी सादगी, आत्मविश्वास और अभिनय की स्वाभाविक शैली ने उन्हें घर-घर में लोकप्रिय बनाया। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मुंबई में पूरी की। अभिनय की दुनिया में आने से पहले उन्होंने कई प्रसिद्ध विज्ञापनों और मॉडलिंग परियोजनाओं में काम किया।

कविता

आओ उखाड़ फेंकें नशे की जड़ को

-भीम बसेडू राजपूत, महादेव (मंडी)

नशेड़ी है मर-मरके जीता,
खून कर रहा अपने बेगानों का
रोज जहर है उसको पीता-निगलता।
मीठा जहर है यह
वह नशा खून सफेद कर-कर मार रहा है
चिटटा, सिंथेटिक ड्रग्स हैं लाते; राष्ट्र को कमजोर हैं पाते
नशा यह है जो चाटते-खाते, बेमौत हैं मारे जाते
बुरी संगत में पड़कर, हो रही संतान की दुर्दशा
मां-बाप-परिवार पर आ गिर रहा है दुःखों का पहाड़
बाहर से आते इस नशे ने
खुशहाल परिवार की जिंदगी दी है उजाड़
रोकते जब हैं नशेड़ी को अपने,
वह करता जा रहा अपने खून की भी दोफाड़
आओ उखाड़ फेंकें नशे की जड़ को
मिलजुलकर बचाएं राष्ट्र शक्ति के बड़ को।

भारत की पहली स्वदेशी विमानवाहक पोत ने रचा नौसैनिक इतिहास

16 जुलाई 2013 का दिन भारतीय नौसैनिक इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है। इसी दिन भारत की पहली स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत का केरल के कोच्चि स्थित कोचीन शिपयार्ड में जलावतरण किया गया। यह उपलब्धि केवल एक नए युद्धपोत के समुद्र में उतरने तक सीमित नहीं थी बल्कि यह भारत की वैज्ञानिक क्षमता तकनीकी दक्षता औद्योगिक आत्मनिर्भरता और रक्षा क्षेत्र में बढ़ती शक्ति का प्रतीक भी थी। इस ऐतिहासिक अवसर ने दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अब उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो चुका है जो अपने दम पर विमानवाहक पोत का निर्माण करने की क्षमता रखते हैं।

केशव शर्मा
स्वतंत्र लेखक, गांव कोटला
घुमारवीं, जिला बिलासपुर

विमानवाहक पोत किसी भी देश की नौसैनिक शक्ति का सबसे महत्वपूर्ण और प्रभावशाली हिस्सा माना जाता है। यह समुद्र में एक चलते फिरते हवाई अड्डे की तरह कार्य करता है जहां से लड़ाकू विमान उड़ान भर सकते हैं और उतर सकते हैं। ऐसे पोत लंबी दूरी तक समुद्री क्षेत्रों में निगरानी रखने शत्रु पर हमला करने मानवीय सहायता पहुंचाने और समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दुनिया के बहुत कम देशों के पास विमानवाहक पोत बनाने की तकनीक और क्षमता है। भारत ने आईएनएस विक्रांत के निर्माण के साथ इस विशिष्ट समूह में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

आईएनएस विक्रांत का निर्माण भारतीय नौसेना के निर्देशन में कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा किया गया। इस परियोजना को स्वदेशी विमानवाहक पोत परियोजना के नाम से जाना गया। इसके निर्माण में देश की अनेक सार्वजनिक और निजी कंपनियों ने योगदान दिया। इस परियोजना में हजारों इंजीनियरों तकनीशियनों वैज्ञानिकों और कुशल श्रमिकों ने वर्षों तक मेहनत की। पोत के निर्माण में प्रयुक्त अधिकांश उपकरण और संरचनाएं भारत में ही विकसित की गईं जिससे रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को नई दिशा मिली।

आईएनएस विक्रांत का नाम भारत के पहले विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत के सम्मान में रखा गया जिसने वर्ष 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। पुराने विक्रांत ने पूर्वी मोर्चे पर भारतीय नौसेना को बड़ी सफलता दिलाने में योगदान दिया था। उसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से नए स्वदेशी विमानवाहक पोत को भी विक्रांत नाम दिया गया। यह नाम भारतीय नौसेना के साहस वीरता और विजय का प्रतीक माना जाता है।

16 जुलाई 2013 को हुए जलावतरण समारोह में देश के अनेक वरिष्ठ अधिकारी नौसेना के उच्च अधिकारी वैज्ञानिक और रक्षा विशेषज्ञ उपस्थित रहे। जलावतरण का अर्थ होता है किसी जहाज को पहली बार निर्माण स्थल से पानी में उतारना। इसके बाद जहाज का विस्तृत परीक्षण किया जाता है और विभिन्न प्रणालियों की जांच पूरी होने के बाद उसे नौसेना में औपचारिक रूप से शामिल किया जाता है। इसलिए जलावतरण किसी भी बड़े जहाज के निर्माण का अत्यंत महत्वपूर्ण चरण माना जाता है।

आईएनएस विक्रांत का आकार और क्षमता इसे दुनिया के आधुनिक विमानवाहक पोतों की श्रेणी में स्थान दिलाती है। यह लगभग 262 मीटर लंबा और करीब 62 मीटर चौड़ा है। इसका भार लगभग 45000 टन है। इस पर अनेक प्रकार के लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर तैनात किए जा सकते हैं। पोत पर आधुनिक रडार संचार प्रणाली हथियार नियंत्रण प्रणाली और सुरक्षा उपकरण लगाए गए हैं जो इसे समुद्री युद्ध के लिए अत्यंत सक्षम बनाते हैं।

इस विमानवाहक पोत पर मिग 29 के जैसे लड़ाकू विमान संचालित किए जा सकते हैं। इसके अलावा भविष्य में स्वदेशी और आधुनिक लड़ाकू विमानों को भी इस पर तैनात करने की योजना बनाई गई। हेलीकॉप्टरों की सहायता से पनडुब्बियों की खोज बचाव अभियान समुद्री निगरानी और राहत कार्यों को भी प्रभावी ढंग से अंजाम दिया जा सकता है। इस प्रकार आईएनएस विक्रांत केवल युद्धक शक्ति ही नहीं बल्कि मानवीय सहायता और आपदा प्रबंधन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम है।

आईएनएस विक्रांत का निर्माण भारत की रक्षा उत्पादन क्षमता में आए बड़े परिवर्तन का प्रतीक है। पहले भारत अपनी रक्षा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर विदेशों पर निर्भर रहता था। लेकिन समय के साथ देश ने स्वदेशी तकनीक के विकास पर जोर दिया। विमानवाहक पोत जैसी जटिल परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा करना इस दिशा में एक बड़ी उपलब्धि रही। इससे देश के वैज्ञानिक संस्थानों रक्षा उद्योग और निजी कंपनियों को नई तकनीकों के विकास का अवसर मिला।

इस परियोजना ने भारत में रोजगार और औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा दिया। हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला। इस दौरान इस्पात निर्माण मशीन निर्माण विद्युत उपकरण संचार प्रणाली और जहाज निर्माण जैसे अनेक क्षेत्रों में नई तकनीकों का विकास हुआ। इससे देश की औद्योगिक क्षमता मजबूत हुई और भविष्य की रक्षा परियोजनाओं के लिए आधार तैयार हुआ।

भारतीय महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह क्षेत्र विश्व व्यापार का प्रमुख समुद्री मार्ग है। ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से होकर गुजरता है। ऐसे में मजबूत नौसेना भारत की सुरक्षा और आर्थिक हितों के लिए आवश्यक है। आईएनएस विक्रांत भारतीय नौसेना को समुद्र में लंबी दूरी तक प्रभावी उपस्थिति बनाए रखने की क्षमता प्रदान करता है। इसके माध्यम से भारत अपने समुद्री हितों की बेहतर सुरक्षा कर सकता है।

आईएनएस विक्रांत का निर्माण आत्मनिर्भर भारत की भावना का भी सशक्त उदाहरण है। इस परियोजना ने यह सिद्ध किया कि भारत अत्याधुनिक रक्षा उपकरणों का निर्माण स्वयं करने में सक्षम है। इससे विदेशी आयात पर निर्भरता कम होगी और भविष्य में रक्षा निर्यात की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

एलएलआर अस्पताल में बड़ा हादसा टला, आग लगने के बाद मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाला

एजेंसी, कानपुर

कानपुर के लाला लाजपत राय अस्पताल (एलएलआर) में बुधवार दोपहर अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। अस्पताल के नाक, कान, गला रोग विभाग के इलेक्ट्रिक पैनल के पास शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी। आग की घटना अल्ट्रासाउंड और एक्सरे केंद्र के नजदीक हुई, जिससे वहां मौजूद मरीजों और तीमारदारों में दहशत फैल गई।

जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 2:40 बजे इलेक्ट्रिक पैनल में शॉर्ट सर्किट के कारण आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आसपास के क्षेत्र में धुआं भर गया। घटना के समय अल्ट्रासाउंड और एक्सरे जांच के लिए बड़ी संख्या में मरीज और उनके परिजन मौजूद थे। आग और धुएं को देखकर वहां भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। स्थिति को देखते हुए अस्पताल के सुरक्षा गार्ड और कर्मचारियों ने तुरंत मोर्चा संभाला। उन्होंने अल्ट्रासाउंड और एक्सरे केंद्र में मौजूद 100 से अधिक मरीजों और तीमारदारों को सुरक्षित बाहर निकाला। कर्मचारियों ने अग्निशमन यंत्रों की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और कुछ ही समय में आग पर काबू पा लिया गया।

आग लगने के कारण अस्पताल परिसर में धुआं फैल गया, जिसके बाद एहतियात के तौर पर अल्ट्रासाउंड और एक्सरे केंद्र को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया। इससे जांच सेवाएं प्रभावित हुईं। अस्पताल प्रशासन ने मरीजों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्थिति को नियंत्रित किया। एलएलआर अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक प्रोफेसर सौरव अग्रवाल ने बताया कि इलेक्ट्रिक पैनल में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी थी।

उन्होंने कहा कि जनसेवा कुछ समय के लिए प्रभावित हुई है, जिसे जल्द ही सामान्य करने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच भी की जा रही है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। समय रहते कार्रवाई होने से बड़ा हादसा टल गया। अधिकारियों ने भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए विद्युत व्यवस्था की जांच कराने की बात कही है।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार आग लगने के बाद तुरंत सुरक्षा व्यवस्था सक्रिय कर दी गई थी। कर्मचारियों की तत्परता से मरीजों और उनके परिजनों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। घटना के दौरान किसी भी मरीज या कर्मचारी को नुकसान नहीं पहुंचा। आग बुझाने के बाद पूरे क्षेत्र की जांच की गई और विद्युत पैनल की स्थिति को देखा गया। अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रभावित सेवाओं को जल्द बहाल किया जा रहा है। अधिकारियों ने अस्पताल में सुरक्षा मानकों की समीक्षा करने और विद्युत उपकरणों की नियमित जांच कराने के निर्देश दिए हैं।

यूपी में रोजगार की नई पहल, हर जिले में खुलेंगे स्किल-इंडस्ट्रियल जोन

स्किल-इंडस्ट्रियल जोन युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण देकर उद्योगों से सीधे जोड़ने का काम करेंगे : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए योगी सरकार ने बड़ी पहल की है। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में स्किल-इंडस्ट्रियल जोन विकसित किए जाएंगे। इन केंद्रों के माध्यम से युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पास देश ही नहीं बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी युवा कार्यशक्ति है। इस युवा शक्ति को सही दिशा और अवसर देकर प्रदेश की आर्थिक मजबूती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सकती है। सरकार का उद्देश्य युवाओं की क्षमता को बढ़ाना और उन्हें आधुनिक उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना है। उन्होंने बताया कि स्किल-इंडस्ट्रियल जोन के विकास के लिए एमएसएमई, कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा और श्रम एवं सेवायोजन विभाग मिलकर काम करेंगे। इन जोन में युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगारपरक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों को उद्योगों की वर्तमान और भविष्य की मांग के आधार पर तैयार किया जाएगा, ताकि युवाओं को प्रशिक्षण के बाद रोजगार पाने में आसानी हो। सरकार की योजना के तहत युवाओं को तकनीकी और व्यावसायिक कौशल के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर की जरूरतों के अनुसार भी तैयार किया जाएगा। विदेशों में रोजगार की बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए युवाओं को जापानी जैसी विदेशी भाषाओं का प्रशिक्षण देने की भी व्यवस्था की जाएगी। इससे प्रदेश के युवा वैश्विक स्तर पर रोजगार के अवसर हासिल कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कौशल विकास केवल नौकरी पाने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का महत्वपूर्ण जरिया है। सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक युवा को उसकी रुचि और क्षमता के अनुसार प्रशिक्षण मिले और वह अपनी प्रतिभा का उपयोग कर सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा देने के साथ-साथ कुशल मानव संसाधन तैयार करना भी जरूरी है। स्किल-इंडस्ट्रियल जोन के माध्यम से उद्योगों और युवाओं के बीच बेहतर तालमेल स्थापित किया जाएगा। इससे जहां एक ओर कंपनियों को प्रशिक्षित कर्मचारी मिलेंगे, वहीं दूसरी ओर युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे।

सरकार का मानना है कि उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में युवा हैं और यदि उन्हें सही प्रशिक्षण एवं अवसर उपलब्ध कराया जाए तो वे प्रदेश के विकास में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। कौशल विकास की इन योजनाओं से ग्रामीण और छोटे शहरों के युवाओं को भी आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए लगातार काम कर रही है। रोजगार, स्वरोजगार और कौशल प्रशिक्षण को बढ़ावा देकर उत्तर प्रदेश को नई आर्थिक ऊंचाइयों तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

स्किल-इंडस्ट्रियल जोन की स्थापना से युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं मिल सकेंगी। इससे उन्हें बड़े शहरों में जाने की जरूरत कम होगी और अपने जिले में ही रोजगार के अवसर तलाशने में मदद मिलेगी। सरकार की यह पहल प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस पहल से युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगारपरक प्रशिक्षण मिलेगा और उद्योगों की जरूरत के अनुसार कुशल कर्मचारी तैयार होंगे।

न्यूज ब्रीफ

नोएडा में 18 वर्षीय युवती ने फंदा लगाकर दी जान, जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी, नोएडा। नोएडा के थाना रबूपुरा क्षेत्र के म्याना गांव में एक 18 वर्षीय युवती ने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान पायल पुत्री विनोद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, युवती ने बीती रात अपने घर में पंखे से फंदा लगाया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी श्याम बाबू शुक्ला ने बताया कि आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

नोएडा में बिजली खंभे से करंट लगने पर युवक की मौत, जांच शुरू

एजेंसी, नोएडा। नोएडा के थाना बिसरख क्षेत्र के चिपियाना बुजुर्ग गांव में बिजली करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, हर्ष विहार कॉलोनी निवासी विश्वजीत कोटवाल (38) मंगलवार रात पैदल जा रहे थे, तभी बिजली के खंभे से करंट लग गया। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, थाना सेक्टर-63 क्षेत्र में चोटपुर कॉलोनी निवासी पन्नालाल (50) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई है। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है।

संभल में गोकशी आरोपितों से मुठभेड़, एसएचओ घायल, बदमाश के पैर में लगी गोली

एजेंसी, संभल। असमोली थाना क्षेत्र में पुलिस और गोकशी के आरोपितों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान बदमाशों की फायरिंग में थाना प्रभारी मोहित कुमार दाहिनी बांह में घायल हो गए। जवाबी कार्रवाई में आरोपी इमरान के पैर में गोली लगी, जिसे पुलिस ने हिरासत में लेकर अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस के अनुसार, नरौठा मोहम्मदपुर गांव के पास गश्त के दौरान बाइक सवार तीन संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया था। इसी दौरान आरोपितों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। मुठभेड़ के बाद दो आरोपी मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है।

मौसम का बदला मिजाज, अयोध्या में जलभराव मथुरा में बढ़ा यमुना जलस्तर

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसून की सक्रियता से कई जिलों में बारिश का दौर जारी है। अयोध्या में तेज आंधी और बारिश के कारण भक्ति पथ पर करीब एक फीट तक पानी भर गया, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, मथुरा में यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से घाटों की सीढ़ियां पानी में डूब गईं। प्रदेश के पांच शहरों में बारिश दर्ज की गई है, जबकि मौसम विभाग ने 33 जिलों में अलर्ट जारी किया है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

नोएडा में चार मंजिला इमारत में आग, दो लोगों की जिंदा जलकर मौत

एजेंसी, नोएडा। नोएडा में बुधवार को चार मंजिला इमारत में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार स्कूटी चार्जिंग के दौरान धमाका होने के बाद आग फैल गई। हादसे में दो लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कई परिवार इमारत में फंस गए। सूचना मिलने पर पहुंची टीमों ने सीढ़ियों के सहारे करीब 50 परिवारों को सुरक्षित बाहर निकाला। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस और प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

डेढ़ महीने बाद लव मैरिज का खौफनाक अंत पत्नी को मारकर घर में दफनाया

एजेंसी, सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के चक मझारी गांव में प्रेम विवाह के बाद हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि एक युवक ने अपनी पत्नी की हत्या कर शव को घर में छह फीट गहरे गड्ढे में दफना दिया। इसके बाद आरोपी ने गड्ढे के ऊपर फर्श बनवाकर चारपाई डाल दी और वहीं सोता रहा। पुलिस को गुमराह करने के लिए पत्नी की गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई थी। मृतका की मां की शिकायत पर जांच शुरू हुई तो घर में दफन शव बरामद हुआ। पुलिस मामले की जांच कर रही है, जबकि आरोपी पति और परिवार के सदस्य फरार बताए जा रहे हैं।

'एक देश-एक चुनाव' से लोकतंत्र होगा मजबूत, देश की अर्थव्यवस्था को बड़ा लाभ

एजेंसी, लखनऊ। 'एक देश-एक चुनाव' को लेकर उत्तर प्रदेश में विभिन्न राजनीतिक दलों और संगठनों से राय लेने पहुंची संयुक्त संसदीय समिति को कई अहम सुझाव मिले हैं। समिति अध्यक्ष पीपी चौधरी ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से लोकतंत्र मजबूत होगा और देश की अर्थव्यवस्था को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2029 से चरणबद्ध तरीके से कुछ राज्यों के विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ कराने की योजना पर विचार किया जा रहा है। चौधरी ने कहा कि इस व्यवस्था से बार-बार होने वाले चुनावी खर्च और विकास कार्यों में बाधा कम होगी। उन्होंने बताया कि कई समितियां पहले भी लोकसभा और विधानसभा चुनाव साथ कराने की सिफारिश कर चुकी हैं।

नंदनी योजना से बदली शकुंतला की जिंदगी डेयरी से शुरू किया स्वरोजगार

एजेंसी, प्रयागराज। नंदनी योजना ग्रामीण परिवारों को स्वरोजगार से जोड़ने का माध्यम बन रही है। उरुवा विकास खंड के परानीपुर उपहार गांव निवासी शकुंतला देवी ने योजना का लाभ लेकर डेयरी व्यवसाय शुरू किया है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. शिवनाथ यादव ने बताया कि 62 लाख रुपये की इस योजना में वर्ष 2025 में शकुंतला देवी का चयन हुआ था। उन्होंने बैंक ऋण और सरकारी सहायता से डेयरी की आधारभूत संरचना तैयार की। इसके बाद 25 दुधारू गायों की खरीद के लिए सब्सिडी मिली। अब परिवार डेयरी संचालन में जुटा है।

सीबीआई ने सुलतानपुर में रिश्वत मांगने वाले बैंक मैनेजर समेत दो अधिकारियों को गिरफ्तार किया

एजेंसी, सुलतानपुर

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में रिश्वतखोरी के मामले में बैंक ऑफ बड़ौदा के दो अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में कोईरीपुर शाखा के शाखा प्रबंधक स्वर्णिम श्रीवास्तव और क्रेडिट अधिकारी पुष्पक चौधरी शामिल हैं। दोनों पर ऋण की ओवरड्राफ्ट सुविधा जारी करने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है।

सीबीआई के अनुसार, एक शिकायतकर्ता ने अधिकारियों के खिलाफ रिश्वत मांगने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि बैंक अधिकारियों ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत स्वीकृत ऋण की ओवरड्राफ्ट सुविधा जारी करने के लिए 45 हजार रुपये की मांग की थी। शिकायतकर्ता को योजना के तहत पांच लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ था। उसका टर्म लोन जारी हो चुका था, लेकिन ओवरड्राफ्ट सुविधा की प्रक्रिया लंबित थी।

शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने 13 जुलाई को मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इसके बाद एजेंसी ने रिश्वत लेने वालों को पकड़ने के लिए योजना बनाई। सीबीआई ने 14 जुलाई को जाल बिछाया और क्रेडिट अधिकारी पुष्पक चौधरी को शिकायतकर्ता से 35 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

जांच में सामने आया कि यह रिश्वत राशि शाखा प्रबंधक स्वर्णिम श्रीवास्तव के कहने पर ली जा रही थी। इसके बाद सीबीआई ने दोनों अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों से पूछताछ कर मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जानकारी जुटाई जा रही है। सीबीआई ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों को लखनऊ की सक्षम अदालत में पेश किया जाएगा। एजेंसी अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस मामले में कोई अन्य व्यक्ति शामिल है या नहीं।

साथ ही बैंकिंग प्रक्रिया में अनियमितताओं और रिश्वतखोरी से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। सीबीआई ने भ्रष्टाचार के मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रखने की बात कही है। सीबीआई की कार्रवाई के बाद बैंकिंग व्यवस्था में भ्रष्टाचार को लेकर सवाल उठे हैं। एजेंसी दोनों अधिकारियों से पूछताछ कर रिश्वत मामले से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या बैंक की ऋण प्रक्रिया में किसी अन्य स्तर पर अनियमितता हुई है। सीबीआई ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखने की बात कही है। सीबीआई की कार्रवाई से बैंकिंग क्षेत्र में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार रोकने को लेकर जांच का दायरा और बढ़ गया है।

बरहज-सोनूघाट मार्ग की बदहाली के खिलाफ सपा नेता 21 जुलाई से करेंगे भूख हड़ताल

एजेंसी, देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के बरहज विधानसभा क्षेत्र में सड़क, बिजली और अन्य जनसमस्याओं को लेकर समाजवादी पार्टी के नेता विजय रावत ने प्रशासन के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो 21 जुलाई से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। बुधवार को बरहज नगर पालिका क्षेत्र स्थित काली मंदिर परिसर में ग्रामीणों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने क्षेत्र की समस्याओं को लेकर अपनी शिकायतें रखीं।

ग्रामीणों ने बताया कि बरहज-सोनूघाट मार्ग लंबे समय से खराब हालत में है, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर बने गड्ढों और जर्जर स्थिति के कारण वाहन चालकों और राहगीरों को दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। बैठक को संबोधित करते हुए सपा नेता विजय रावत ने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं को लेकर कई बार प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया गया, लेकिन अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने बिजली कटौती को लेकर भी नाराजगी जताई और कहा कि लगातार हो रही बिजली समस्या से आम लोगों के साथ-साथ किसानों और व्यापारियों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। विजय रावत ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 20 जुलाई तक बरहज सोनूघाट मार्ग की मरम्मत, बिजली कटौती समेत अन्य जनसमस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वह 21 जुलाई से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन जनता की समस्याओं के समाधान के लिए किया जाएगा।

बैठक में विकास यादव, संजय सिंह, अजीत प्रसाद, राहुल निषाद, बलवंत यादव, अनरुद्ध यादव, श्रवण गौड़, राकेश गुप्ता और विनय मिश्रा समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्र में सड़क और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। खराब मार्ग के कारण रोजाना लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की। बैठक में ग्रामीणों ने सपा नेता के आंदोलन के समर्थन की बात कही और कहा कि समस्याओं का निस्तारण नहीं होने पर वे भी आंदोलन में शामिल होंगे। ग्रामीणों का कहना है कि बरहज क्षेत्र की समस्याओं को लेकर कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय का 16वां दीक्षांत समारोह संपन्न, 255 पदकों के साथ गूंजा संस्कृति का स्वर

एजेंसी, लखनऊ

लखनऊ स्थित भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के 16वें दीक्षांत समारोह में बुधवार को शिक्षा, संस्कृति और संगीत का शानदार संगम देखने को मिला। कैसरबाग स्थित कलामण्डपम् प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में शिक्षण सत्र 2025-26 के मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदकों से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और सामाजिक जिम्मेदारियों से जुड़े कई कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

◆ श्वेता गुप्ता ने सात स्वर्ण पदक जीतकर दीक्षांत समारोह में बनाई खास पहचान

समारोह में एमपीए (कथक) की छात्रा श्वेता गुप्ता सबसे अधिक सात स्वर्ण पदक हासिल कर आकर्षण का केंद्र रहीं। इसके अलावा एमपीए (गायन) के छात्र स्पर्श कुमार कश्यप को तीन स्वर्ण और एक कांस्य पदक प्रदान किया गया। एमपीए (कथक) की रूनझुन सिंह को दो रजत पदक मिले। बीपीए (तबला) के छात्र आलोक कुमार मिश्रा को चार पदकों से सम्मानित किया गया। वहीं, गिटार विभाग की नेहा काजी ने पांच स्वर्ण पदक और गायन विभाग की प्रिया दुबे ने चार पुरस्कार प्राप्त किए। समारोह में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के प्रतिभाशाली बच्चों को भी सम्मानित किया गया। प्राथमिक विद्यालय कटिंगरा की प्रधानाचार्याओं पूजा सक्सेना और नम्रता मिश्रा को पुस्तकें भेंट की गईं। इसके अलावा जनभवन स्कूल के बच्चों को ज्ञानवर्धक पुस्तकें और लेखन सामग्री वितरित की गई।

आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए 300 किट भी प्रदान की गईं। इस दौरान विश्वविद्यालय की पत्रिका और प्रो. सृष्टि माथुर की पुस्तक 'संगीत सृष्टि' का विमोचन किया गया। राज्यपाल के प्रतिनिधि सुधीर एम. बोबडे ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री और पदक देने का स्थान नहीं, बल्कि संस्कृति और मूल्यों को आगे बढ़ाने का केंद्र है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष कुल 255 पदक वितरित किए गए हैं।

श्री काशी विश्वनाथ धाम में प्रकृति के संरक्षण का संदेश, कपड़े के झोले वितरित

एजेंसी, वाराणसी

वाराणसी स्थित श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार पर बुधवार को पर्यावरण संरक्षण को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने की अपील की गई और उन्हें कपड़े के झोले वितरित किए गए। अभियान के माध्यम से लोगों को प्रकृति संरक्षण और स्वच्छ पर्यावरण का संदेश दिया गया।

गंगा सेवक राजेश शुक्ल ने श्रद्धालुओं को कपड़े के झोले बांटते हुए कहा कि प्लास्टिक का बढ़ता उपयोग पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। इससे नदियों, जीव-जंतुओं और प्राकृतिक संसाधनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने लोगों से दैनिक जीवन में प्लास्टिक की जगह कपड़े और अन्य पर्यावरण अनुकूल वस्तुओं का प्रयोग करने की अपील की। राजेश शुक्ल ने भगवान शिव के जीवन और स्वरूप को प्रकृति संरक्षण का सबसे बड़ा संदेश बताया।

उन्होंने कहा कि भगवान शिव का पूरा स्वरूप पर्यावरण और प्रकृति के प्रति प्रेम को दर्शाता है। उनकी जटाओं में विराजमान मां गंगा जल संरक्षण और नदियों की स्वच्छता का प्रतीक हैं। वहीं, गले में धारण किया गया नाग जैव विविधता और जीवों के संरक्षण का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव का निवास कैलाश पर्वत प्रकृति और पारिस्थितिक संतुलन का प्रतीक है। यह हमें पर्वतों, जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की प्रेरणा देता है। उन्होंने बताया कि भगवान शिव के वाहन नंदी के माध्यम से पशुओं के प्रति दया और ग्रामीण जीवन के महत्व का संदेश मिलता है।

उन्होंने कहा कि महादेव का अर्धनारीश्वर स्वरूप प्रकृति और पुरुष के बीच संतुलन को दर्शाता है। प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं है, इसलिए हर व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। अभियान में श्रद्धालुओं ने भी प्लास्टिक का उपयोग कम करने और स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया। अभियान के दौरान श्रद्धालुओं ने पर्यावरण संरक्षण की इस पहल की सराहना की। लोगों ने कपड़े के झोले अपनाने और प्लास्टिक के उपयोग कम करने का संकल्प लिया।

हादसा चार मंजिला इमारत में फैला धुआं, बचाव अभियान चलाकर लोगों को बाहर निकाला

नोएडा में चार्जिंग के दौरान ई-वाहन में लगी आग, दो लोगों की मौत

एजेंसी, नोएडा

थाना फेस-3 क्षेत्र के मामूरा गांव में बुधवार दोपहर इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के दौरान हुए स्पार्क से भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि उसने आसपास खड़े कई पेट्रोल वाहनों को भी अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग और धुएं के कारण कॉम्प्लेक्स में रहने वाले लोग दहशत में आ गए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

इस हादसे में धुएं की चपेट में आने से एक महिला और पुरुष की मौत हो गई। मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि बुधवार दोपहर फायर विभाग को सूचना मिली थी कि मामूरा गांव की गली नंबर-2 स्थित जी-4 बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर में

आग लगी है। जांच में सामने आया कि एक इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी चार्जिंग पर लगा हुआ था। इसी दौरान अचानक स्पार्क हुआ और वाहन में आग लग गई।

देखते ही देखते आग ने पास में खड़े अन्य वाहनों को भी अपनी चपेट में ले लिया और विकराल रूप धारण कर लिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए फायर ब्रिगेड की सात गाड़ियां और हाइड्रोलिक प्लेटफार्म को मौके पर भेजा गया। दमकल कर्मियों के साथ पुलिस टीम और स्थानीय लोगों ने बचाव अभियान शुरू किया। बिल्डिंग में करीब 50 परिवार रह रहे थे, जिन्हें सुरक्षित बाहर निकाला गया। राहत और बचाव कार्य के दौरान कई लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।

आग लगने के बाद पूरे परिसर में धुआं भर गया था। इसकी चपेट में आने से एक महिला और पुरुष की हालत बिगड़ गई। दोनों को तत्काल एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान स्नेहा श्रीवास्तव (24) और ऋषभ कुमार (27) के रूप में हुई है।

दमकल अधिकारियों के अनुसार, आग लगने वाले स्थान पर घनी आबादी है, जिससे हादसे का खतरा और बढ़ गया था। समय रहते बचाव कार्य शुरू होने से बड़ा नुकसान टल गया। थाना फेस-3 पुलिस ने मामले में बिल्डिंग मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि आग लगने के वास्तविक कारणों और लापरवाही की जांच की जा रही है। पुलिस और दमकल विभाग की टीम घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। शुरुआती जांच में इलेक्ट्रिक वाहन की बैटरी चार्जिंग के दौरान स्पार्क को आग लगने की वजह माना जा रहा है।

नोएडा में विभिन्न सड़क हादसों में महिला समेत चार की मौत

एजेंसी, नोएडा

नोएडा में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में एक महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई। हादसों के बाद संबंधित थाना पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सेक्टर-58 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि एक सड़क हादसे में गाजियाबाद के नेहरू नगर निवासी शिवानी (45) पत्नी नीरज अग्रवाल गंभीर रूप से घायल हो गई थीं।

हादसा उस समय हुआ, जब वह स्कूटी से सेक्टर-62 क्षेत्र से गुजर रही थीं। दुर्घटना के बाद उन्हें उपचार के लिए सेक्टर-62 स्थित फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं, थाना फेस-2 क्षेत्र में हुए एक अन्य हादसे में ग्राम याकूबपुर निवासी देवेंद्र (27) पुत्र नेपाल गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस

◆ **सड़क सुरक्षा पर सवाल नोएडा में रफ्तार का कहर**

मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। इसके अलावा थाना बीटा-2 क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में वीरेंद्र कुमार मिश्रा (35) गंभीर रूप से घायल हो गए थे। अस्पताल में उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

इसी तरह थाना दनकौर क्षेत्र में हुए हादसे में ललित (25) पुत्र रामशंकर की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार सभी मामलों में जांच की जा रही है। हादसों के कारणों का पता लगाने के लिए घटनास्थलों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है। पुलिस के अनुसार सड़क हादसों में लापरवाही और तेज रफ्तार की जांच की जा रही है। अधिकारियों ने वाहन चालकों से सावधानी बरतने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है।

नरवाना रेलवे स्टेशन का बदला स्वरूप 17 जुलाई को प्रधानमंत्री करेंगे लोकार्पण

भारतेन्दु संवाददाता, जींद

केंद्र सरकार की अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत जींद जिले के नरवाना रेलवे स्टेशन का कायाकल्प किया गया है। करीब 25 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से तैयार आधुनिक स्टेशन का लोकार्पण 17 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जींद में आयोजित कार्यक्रम के दौरान करेंगे। नवीनीकरण के बाद स्टेशन का नया स्वरूप यात्रियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है।

आधुनिक डिजाइन और अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस नरवाना रेलवे स्टेशन अब यात्रियों को बेहतर और सुविधाजनक अनुभव प्रदान करेगा। स्टेशन भवन, मुख्य प्रवेश द्वार, टिकट हॉल, प्रतीक्षालय, प्लेटफॉर्म और परिसर को पूरी तरह नया रूप दिया गया है। स्टेशन परिसर में पहुंचते ही यात्रियों को आधुनिक भारत की झलक देखने को मिल रही है। नए स्टेशन में वातानुकूलित प्रतीक्षालय, डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड, हाईटेक लिफ्ट, सीसीटीवी निगरानी, एलईडी प्रकाश व्यवस्था, बायो टॉयलेट और वर्षा जल संचयन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसके अलावा यात्रियों की सुविधा के लिए पार्किंग, कैंटीन, हरित क्षेत्र और आरामदायक बैठने की व्यवस्था भी विकसित की गई है।

दिव्यांग यात्रियों को ध्यान में रखते हुए रैंप, अलग टिकट काउंटर और विशेष शौचालय की सुविधा भी तैयार की गई है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार सभी निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्य पूरे हो चुके हैं तथा स्टेशन लोकार्पण के लिए पूरी तरह तैयार है। नरवाना स्टेशन के आधुनिक बनने से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। नरवाना रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण से यात्रियों को मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं।

हरियाणा में जलापूर्ति और सीवरेज पर 2543 करोड़ की मंजूरी

603 ग्रामीण और 109 शहरी परियोजनाओं से पेयजल, सीवरेज व जल निकासी व्यवस्था को मिलेगा नया आधार

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने प्रदेश में जलापूर्ति, सीवरेज और बरसाती जल निकासी व्यवस्था को आधुनिक, मजबूत और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। वित्तीय वर्ष 2026 27 के लिए 2,534.39 करोड़ रुपये की लागत वाली 712 नई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

इन परियोजनाओं का उद्देश्य शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना, सीवरेज नेटवर्क का विस्तार करना तथा वर्षा जल निकासी प्रणाली को सुदृढ़ बनाना है। सरकार का मानना है कि इन योजनाओं के पूरा होने से लाखों लोगों को बेहतर बुनियादी सुविधाओं का लाभ मिलेगा। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने बताया कि हरियाणा जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड (डब्ल्यूएसएसबी) की 59वीं बैठक में इन परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंचाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। इसके साथ ही तेजी से बढ़ते शहरीकरण और ग्रामीण क्षेत्रों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सीवरेज और जल निकासी व्यवस्था को भी आधुनिक बनाया जा रहा है।

स्वीकृत 712 परियोजनाओं में से 603 परियोजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित हैं, जबकि शेष परियोजनाएं शहरी क्षेत्रों में लागू की जाएंगी। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति को मजबूत करने, नई पाइपलाइनें बिछाने, पुराने जलापूर्ति तंत्र के नवीनीकरण तथा जल गुणवत्ता में सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। वहीं शहरों में सीवरेज नेटवर्क के विस्तार, नई सीवर लाइनों के निर्माण, सीवेज प्रबंधन प्रणाली को बेहतर बनाने और बरसात के दौरान जलभराव की समस्या को कम करने के लिए आवश्यक कार्य किए जाएंगे।

मंत्री ने कहा कि जल संरक्षण और प्रभावी जल प्रबंधन सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। नई परियोजनाओं के माध्यम से जल संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि भविष्य की जरूरतों को भी ध्यान में रखा जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं का कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए, जिससे लोगों को जल्द से जल्द इनका लाभ मिल सके।

सरकार का मानना है कि इन परियोजनाओं से न केवल पेयजल आपूर्ति व्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य में भी सुधार आएगा। बेहतर सीवरेज और जल निकासी व्यवस्था से जलजनित बीमारियों की रोकथाम में मदद मिलेगी और बरसात के दौरान जलभराव की समस्या में भी कमी आएगी। इससे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद है। रणबीर गंगवा ने कहा कि सरकार आधारभूत सुविधाओं के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। जलापूर्ति, सीवरेज और जल निकासी से जुड़ी इन परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन से प्रदेश में बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी। सरकार ने अधिकारियों को परियोजनाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित कर निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन में डीजल चोरी, पांच के खिलाफ मामला दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। पानीपत रिफाइनरी स्थित मार्केटिंग कॉम्प्लेक्स में हाई-स्पीड डीजल चोरी का मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ कर्मचारियों और टैंकर से जुड़े लोगों ने मिलीभगत कर तेल चोरी की वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों ने टैंक लॉरी में निर्धारित मात्रा से अधिक डीजल की ओवरफिलिंग कर अतिरिक्त तेल निकालने का प्रयास किया। मामले में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) प्रबंधन की शिकायत पर थाना सदर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ चोरी, धोखाधड़ी और तकनीकी छेड़छाड़ सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में आईओसीएल के महाप्रबंधक एस. श्रीनिवास ने बताया कि तेल कॉम्प्लेक्स के टैंक लॉरी फिलिंग एरिया में नियमित जांच के दौरान कुछ लोगों की संदिग्ध गतिविधियां सामने आईं। जांच में पता चला कि आरोपी टैंक ट्रक में नियमों के विपरीत हाई-स्पीड डीजल की अधिक मात्रा भर रहे थे। इस प्रक्रिया के जरिए तेल की चोरी करने की कोशिश की जा रही थी। आईओसीएल की प्रारंभिक आंतरिक जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने चोरी को छिपाने के लिए कंपनी के ऑटोमेशन सिस्टम के साथ छेड़छाड़ की थी। आरोप है कि सिस्टम में हेरफेर कर ऐसी स्थिति बनाई गई, जिससे निर्धारित मात्रा से अधिक तेल भरने की जानकारी रिकॉर्ड में स्पष्ट रूप से सामने न आ सके। कंपनी प्रबंधन ने मामले को गंभीर मानते हुए जांच कराई और इसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। एफआईआर में नामजद आरोपियों में जय कुमार निवासी मतलौडा, जसपाल सिंह निवासी गांव ददलाना, पंकज निवासी इसराना, प्रकाश निवासी मुरथल सोनीपत और विक्रम निवासी मॉडल टाउन पानीपत शामिल हैं। इनमें कुछ लोग कॉन्ट्रैक्ट वर्कमैन के रूप में कार्यरत थे, जबकि अन्य टैंक ट्रक चालक और हेल्पर बताए गए हैं। थाना सदर प्रभारी गुलशन कुमार ने बताया कि आईओसीएल अधिकारी की शिकायत के आधार पर पांच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस चोरी में कितने लोग शामिल थे तथा कितने समय से यह गतिविधि चल रही थी। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ, दस्तावेजों की जांच और रिफाइनरी के रिकॉर्ड की पड़ताल कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

सोनीपत में भीषण हादसा, हाईवा में आग लगने से ड्राइवर जिंदा जला

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। सोनीपत में एनएच-334बी पर बुधवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। दो वाहनों की टक्कर के बाद डस्ट से भरे हाईवा में आग लग गई। हादसे में हाईवा चालक कैबिन में फंस गया और जिंदा जलने से उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया और कैबिन से चालक का शव बाहर निकाला गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस आसपास लगे कैमरों और प्रत्यक्षदर्शियों से जानकारी जुटा रही है।

फरीदाबाद में बारिश के कारण दुकान का छज्जा गिरा, मलबे में दबकर दो युवकों की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। फरीदाबाद में बारिश के दौरान एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां दुकान का छज्जा अचानक गिरने से दो युवकों की मौत हो गई। हादसे के समय दोनों युवक दुकान के बाहर खड़े हुए थे। अचानक छज्जा भरभराकर गिर गया और दोनों उसके नीचे दब गए। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत मलबा हटाकर दोनों को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन तब तक उनकी हालत गंभीर हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पुलिस और राहत टीम मौके पर पहुंची। दोनों युवकों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह लगातार बारिश के कारण छज्जे का कमजोर होना बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एंटी नारकोटिक्स सेल की कार्रवाई, 40 ग्राम हेरोइन और 334 ग्राम अफीम बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। यमुनानगर पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अलग-अलग मामलों में 40 ग्राम हेरोइन और 334 ग्राम अफीम बरामद की है। सेल प्रभारी अनिल कुमार के अनुसार, कलानौर मार्ग पर नाकाबंदी के दौरान बाइक सवार रियासत और इस्लाम को पकड़ा गया, जिनके पास से 20-20 ग्राम हेरोइन मिली। वहीं, खुडेवाला-मुसिम्बल रोड पर रामलाल को 334 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने अफीम शुभम से लेने की बात बताई, जिसके बाद पुलिस ने उसे भी पकड़ लिया। सभी आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर अदालत में पेश किया गया। पुलिस अब तस्करी नेटवर्क की जांच कर रही है।

झाड़ियों में मिली युवक की सड़ी-गली लाश पहचान का प्रयास जारी

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर। यमुनानगर में हाईवे किनारे झाड़ियों से एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में शव करीब दो-तीन दिन पुराना बताया जा रहा है। शव की हालत खराब होने के कारण युवक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस के अनुसार चेहरे को कीड़ों ने नुकसान पहुंचाया है, जिससे पहचान में परेशानी आ रही है। आसपास के क्षेत्रों में युवक के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। यमुनानगर में हाईवे किनारे झाड़ियों से युवक का शव मिलने के मामले में पुलिस जांच में जुटी है। शव कई दिन पुराना बताया जा रहा है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों से जानकारी जुटाकर मृतक की पहचान करने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने मौके से जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं। शव की पहचान के लिए आसपास के थानों में सूचना भेजी गई है। मामले में हर पहलू से जांच की जा रही है।

बोर्ड परीक्षा में फर्जीवाड़ा, दूसरे की जगह पेपर दे रहा फर्जी परीक्षार्थी काबू

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की दसवीं कक्षा की परीक्षा के दौरान फतेहाबाद में फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने परीक्षा केंद्र से एक युवक को गिरफ्तार किया है, जो दूसरे अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा दे रहा था। आरोपी की पहचान गांव दहमन निवासी सलीम के रूप में हुई है।

थाना शहर फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्रा के अनुसार, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, फतेहाबाद में पीजीटी अंग्रेजी के पद पर कार्यरत नरेंद्र कुमार ने इस संबंध में पुलिस को शिकायत दी। नरेंद्र कुमार बोर्ड परीक्षा के दौरान केंद्र अधीक्षक की जिम्मेदारी निभा रहे थे। शिकायत के अनुसार, 14 जुलाई को परीक्षा के दौरान स्पेशल फ्लाइंग टीम ने परीक्षा केंद्र के कमरा नंबर 16 में औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान सावन नामक परीक्षार्थी के प्रवेश पत्र का सत्यापन किया गया। टीम को प्रवेश पत्र पर लगी फोटो और परीक्षा दे रहे युवक के चेहरे में स्पष्ट अंतर दिखाई दिया। संदेह होने पर युवक से पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपना वास्तविक नाम सलीम बताया।

जांच में सामने आया कि सलीम वास्तविक परीक्षार्थी सावन की जगह बैठकर बोर्ड परीक्षा दे रहा था। इसके बाद फ्लाइंग टीम ने परीक्षा से संबंधित दस्तावेज अपने कब्जे में लेकर आरोपी को स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया। केंद्र अधीक्षक की शिकायत के आधार पर थाना शहर फतेहाबाद में आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और परीक्षा नियमों के उल्लंघन सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस फर्जीवाड़े की साजिश कैसे रची गई।

पानीपत में अधूरी सड़क चौड़ीकरण के कारण रात में डिवाइडर स्थल पर गिरकर घायल हो रहे लोग

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत

पानीपत के औद्योगिक क्षेत्र में चल रहा सड़क चौड़ीकरण कार्य इन दिनों लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। सेक्टर-25 और सेक्टर-29 को जोड़ने वाले कृष्णा गार्डन रोड पर निर्माण कार्य वर्षा के कारण फिलहाल रुका हुआ है। अधूरे निर्माण और सुरक्षा इंतजामों की कमी के चलते सड़क पर दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात के समय यह मार्ग और अधिक खतरनाक हो जाता है।

जानकारी के अनुसार, सड़क चौड़ीकरण के दौरान बीच में डिवाइडर निर्माण के लिए जगह छोड़ी गई है, लेकिन वहां पर्याप्त सुरक्षा बैरिकेड, चेतावनी बोर्ड या रिफ्लेक्टर नहीं लगाए गए हैं। दिन के समय तो लोग किसी तरह सावधानी बरत लेते हैं, लेकिन रात में कम रोशनी के कारण वाहन चालक और पैदल राहगीर इस हिस्से का सही अनुमान नहीं लगा पाते। कई लोग संतुलन बिगड़ने से गिरकर चोटिल हो चुके हैं।

स्थानीय निवासियों और उद्योग क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों का कहना है कि इस सड़क से रोजाना हजारों लोग आवागमन करते हैं। औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण भारी वाहनों के साथ-साथ दोपहिया और पैदल चलने वालों की संख्या भी अधिक रहती है। ऐसे में अधूरा निर्माण और सुरक्षा उपायों का अभाव किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। लोगों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि जब तक निर्माण कार्य दोबारा शुरू नहीं होता, तब तक सड़क पर अस्थायी सुरक्षा व्यवस्था की जाए। डिवाइडर वाली जगह पर बैरिकेड, चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर और पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था की जाए

गुरुग्राम के किंगडम ऑफ ड्रीम्स में लगी भीषण आग

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। गुरुग्राम स्थित किंगडम ऑफ ड्रीम्स में बुधवार को आग लगने की घटना सामने आई, जिससे आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। आग लगने के बाद पूरे क्षेत्र में धुएं का गुबार दिखाई देने लगा। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई टीमें मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत करते हुए आग पर काबू पाने का अभियान चलाया। घटना के बाद सुरक्षा के मद्देनजर आसपास के क्षेत्र को खाली कराया गया और लोगों की आवाजाही को नियंत्रित किया गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। दमकल विभाग और प्रशासन के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। अधिकारियों के अनुसार, जांच के बाद ही आग लगने की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। राहत और बचाव कार्य जारी है। किसी बड़े नुकसान या जनहानि की अभी पुष्टि नहीं हुई है।

भारत-अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते के विरोध में यमुनानगर में किसानों ने निकाली मोटरसाइकिल यात्रा

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

यमुनानगर में भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी गुट) ने बुधवार को केंद्र सरकार की प्रस्तावित भारत अमेरिका फ्री ट्रेड डील के विरोध में मोटरसाइकिल यात्रा निकालकर जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में किसान मोटरसाइकिलों, ट्रैक्टरों और अन्य वाहनों के साथ कैल स्थित कचरा प्लांट पर एकत्र हुए। यहां से किसान नारेबाजी करते हुए रोष यात्रा के रूप में लघु सचिवालय पहुंचे और सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया।

यात्रा के दौरान किसानों ने कहा कि प्रस्तावित फ्री ट्रेड डील से देश के किसानों के हित प्रभावित होंगे। उनका आरोप था कि यदि यह समझौता लागू हुआ तो सस्ते विदेशी कृषि उत्पाद भारतीय बाजार में आएंगे, जिससे स्थानीय किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य मिलना मुश्किल हो जाएगा। किसानों ने सरकार से कृषि क्षेत्र से जुड़े सभी पक्षों से चर्चा करने के बाद ही किसी भी तरह का समझौता करने की मांग की। रोष यात्रा के कारण शहर के कई प्रमुख मार्गों पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने पहले से ही सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे और विभिन्न स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया गया था, ताकि कानून व्यवस्था बनी रहे और आम लोगों को कम से कम परेशानी हो।

लघु सचिवालय पहुंचने पर किसानों और पुलिस के बीच ट्रैक्टर तथा मोटरसाइकिल परिसर के अंदर ले जाने को लेकर कुछ देर तक नोकझोंक भी हुई। हालांकि पुलिस अधिकारियों और किसान नेताओं के बीच बातचीत के बाद स्थिति सामान्य हो गई और प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से जारी रहा। प्रदर्शन के दौरान किसान नेताओं ने केंद्र सरकार से प्रस्तावित भारत-अमेरिका फ्री ट्रेड डील को वापस लेने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसानों की मांगों की अनदेखी की गई तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

बाद में किसानों ने प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपते हुए किसानों के हितों की रक्षा करने और किसी भी व्यापारिक समझौते से पहले किसान संगठनों से व्यापक संवाद करने की मांग की। किसान नेताओं ने कहा कि देश के अन्नदाताओं के हितों से किसी भी कीमत पर समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने सरकार से किसानों के प्रतिनिधियों के साथ खुली वार्ता करने और कृषि क्षेत्र से जुड़े सभी निर्णय किसानों की सहमति से लेने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन को पूरे प्रदेश में और तेज किया जाएगा।

पानीपत में चोरी के आरोप पर हंगामा, मेड ने लगाए गंभीर आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। पानीपत में 24 हजार रुपये की चोरी के आरोप को लेकर विवाद खड़ा हो गया। मामले में घरेलू सहायिका और कारोबारी परिवार ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। घरेलू सहायिका ने आरोप लगाया कि चोरी के शक में उसकी तलाशी ली गई और उसके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। वहीं कारोबारी परिवार का कहना है कि महिला को 200 रुपये चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया था। घटना के बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया और मामले की सूचना पुलिस तक पहुंची। पुलिस ने दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। पुलिस मामले से जुड़े सभी तथ्यों, आरोपों और उपलब्ध साक्ष्यों की पड़ताल कर रही है। फिलहाल दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। मामले में पुलिस ने निष्पक्ष जांच का भरोसा दिया है। जांच पूरी होने के बाद दोषी पाए जाने वाले पक्ष के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गुरुग्राम की पार्किंग में सो रही महिला को थार गाड़ी ने कुचला, मौत

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

मोहाली के सेक्टर-67 स्थित अंसल वर्सालिया सोसाइटी में बुधवार को दर्दनाक हादसा हो गया। सोसाइटी की पार्किंग में सो रही एक घरेलू सहायिका को थार गाड़ी ने कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब सोसाइटी में रहने वाली एक महिला अपनी थार गाड़ी को पीछे कर रही थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मृतका की पहचान उत्तर प्रदेश के महोबा निवासी 57 वर्षीय गुड्डी के रूप में हुई है। वह सोसाइटी के फ्लैट नंबर-4011 में घरेलू काम करती थी। परिजनों के अनुसार, काम खत्म करने के बाद वह ग्राउंड फ्लोर की पार्किंग में सो रही थी। इसी दौरान एक महिला चालक अपनी थार गाड़ी को बैक कर रही थी। बताया जा रहा है कि चालक को पार्किंग में सो रही महिला दिखाई नहीं दी और वाहन उसके ऊपर से गुजर गया। हादसे के तुरंत बाद चालक महिला घायल गुड्डी को अपनी गाड़ी से अस्पताल लेकर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। आरोप है कि इसके बाद महिला शव को वापस सोसाइटी की पार्किंग में ले आई। घटना की जानकारी मिलते ही मृतका के परिजन मौके पर पहुंचे और विरोध जताया।

सूचना मिलने पर सेक्टर-65 थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि हादसा लापरवाही के कारण हुआ या इसमें अन्य कोई तथ्य भी शामिल हैं। मृतका के परिजनों ने पार्किंग में सुरक्षा व्यवस्था की कमी पर सवाल उठाए हैं।

क्रिप्टो ट्रेडिंग के नाम पर 43 लाख की साइबर ठगी, महिला सहित 10 गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद

फरीदाबाद पुलिस ने घर बैठे पार्ट टाइम नौकरी और क्रिप्टो ट्रेडिंग के जरिए मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर लाखों रुपये की साइबर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने कार्रवाई करते हुए एक महिला समेत 10 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 3.10 लाख रुपये नकद, दो सिम कार्ड और एक मोबाइल फोन बरामद किया है।

सभी आरोपितों को अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सेक्टर 31 निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 15 मई 2026 को उसे एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया था। इसके बाद टेलीग्राम के माध्यम से उसे घर बैठे पार्ट-टाइम नौकरी और ऑनलाइन टास्क पूरा कर अच्छी कमाई का लालच दिया गया। शुरुआत में ठगों ने उसे ई-कॉमर्स वेबसाइट के उत्पादों के लिंक भेजकर स्क्रीनशॉट लेने जैसे छोटे कार्य दिए और बदले में कुछ पैसे भी खाते में भेजे। इससे पीड़ित का विश्वास जीत लिया गया। इसके बाद आरोपितों ने उसे क्रिप्टो ट्रेडिंग में निवेश करने के लिए प्रेरित किया।

ठगों ने एक फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म तैयार किया, जिसमें पीड़ित को लगातार 30 से 50 प्रतिशत तक का काल्पनिक मुनाफा दिखाया गया। अधिक लाभ के लालच में पीड़ित ने 17 मई से 1 जून के बीच अलग-अलग बैंक खातों में 43 लाख 12 हजार 928 रुपये जमा कर दिए। जब पीड़ित ने अपनी रकम और कथित मुनाफा निकालने का प्रयास किया तो ठगों ने निकासी रोक दी। इसके बाद खाता अपग्रेड शुल्क, केवाईसी शुल्क और अन्य चार्ज के नाम पर और पैसे मांगे गए।

ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान पुलिस ने नोएडा, दिल्ली, गुरुग्राम और रोहतक से आरोपितों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि कुछ आरोपित बैंक खाते उपलब्ध कराने और ठगी की रकम को आगे पहुंचाने में शामिल थे। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार साइबर ठगी करने वाला यह गिरोह अलग-अलग राज्यों में सक्रिय था। आरोपित लोगों को आसान कमाई का लालच देकर फंसाते थे और फिर फर्जी प्लेटफॉर्म के जरिए उनकी रकम हड़प लेते थे। पुलिस बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर गिरोह के पूरे नेटवर्क तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

गीता भुक्कल ने हरियाणा में अपराध, बेरोजगारी और पेपर लीक पर सरकार को घेरा

महिलाओं की सुरक्षा , रोजगार, शिक्षा और सुरक्षा के मुद्दों पर कांग्रेस ने जनहित के उठाए सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, झज्जर

कांग्रेस विधायक एवं हरियाणा की पूर्व शिक्षा मंत्री गीता भुक्कल ने प्रदेश की नायब सैनी सरकार पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए कानून-व्यवस्था, बेरोजगारी और भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में अपराध लगातार बढ़ रहे हैं, युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा और भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक जैसी घटनाएं आम होती जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि इन मुद्दों के कारण प्रदेश के युवाओं और आम लोगों का सरकार पर भरोसा कमजोर हुआ है। गीता भुक्कल ने कहा कि वर्तमान सरकार को केवल चुनाव लड़ने और राजनीतिक प्रचार करने की चिंता है, जबकि युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से काम नहीं किया जा रहा। उनका कहना था कि प्रदेश के लाखों युवा लंबे समय से सरकारी नौकरियों की प्रतीक्षा कर रहे हैं, लेकिन भर्ती प्रक्रियाओं में देरी और पेपर लीक की घटनाओं के कारण उन्हें लगातार निराशा का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षाएं कराने में विफल रही है।

उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सैनी के वर्ष 2029 तक प्रदेश के विकास से जुड़े दावों पर भी सवाल उठाए। भुक्कल ने कहा कि सरकार विकास के बड़े-बड़े दावे कर रही है, जबकि जमीनी स्तर पर हालात अलग हैं। उनके अनुसार, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और कानून व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपेक्षित सुधार देखने को नहीं मिल रहा। उन्होंने कहा कि प्रदेश विकास के कई मानकों पर पिछड़ रहा है और सरकार जनता की मूल समस्याओं के समाधान के बजाय प्रचार पर अधिक ध्यान दे रही है। कांग्रेस विधायक ने कानून व्यवस्था को लेकर भी सरकार को घेरते हुए कहा कि प्रदेश में अपराध की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। महिलाओं, व्यापारियों और आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर लोगों में चिंता का माहौल है।

उन्होंने कहा कि सरकार को अपराध नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए और पुलिस व्यवस्था को और मजबूत बनाने की आवश्यकता है। भुक्कल ने भाजपा के भीतर गुटबाजी का भी उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के भीतर आंतरिक मतभेद लगातार बढ़ रहे हैं और कई नेता खुले तौर पर असंतोष जता रहे हैं। उनके अनुसार, मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों का विरोध भी इसी असंतोष का संकेत है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार अपने ही नेताओं को साथ लेकर नहीं चल पा रही है तो जनता का विश्वास जीतना और भी कठिन होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाती रहेगी और युवाओं, किसानों, कर्मचारियों तथा आम नागरिकों के हितों की आवाज विधानसभा से लेकर सड़क तक बुलंद करेगी। भुक्कल ने सरकार से रोजगार सृजन, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया, कानून-व्यवस्था में सुधार और विकास कार्यों पर प्राथमिकता के साथ ध्यान देने की मांग की। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता अब केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर परिणाम देखना चाहती है। गीता भुक्कल ने कहा कि प्रदेश की जनता अब सरकार से जवाब मांग रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों पर सरकार पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनहित से जुड़े प्रत्येक मुद्दे को मजबूती से उठाती रहेगी और युवाओं, महिलाओं, किसानों तथा कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने सरकार से जनहित के मुद्दों पर जवाबदेही तय कर पारदर्शी शासन और प्रभावी प्रशासन सुनिश्चित करने की मांग की।

लगातार बारिश के बीच टूटा पुराना छज्जा, दो मजदूरों की गई जान

बारिश बनी हादसे की वजह, जर्जर निर्माणों पर बढ़ी चिंता, प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की

एजेंसी, नई दिल्ली

फरीदाबाद के बल्लभगढ़ क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के बीच एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। बंद पड़ी एक दुकान का जर्जर छज्जा अचानक गिरने से मलबे में दबकर दो मजदूरों की मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दोनों मृतक बिहार के रहने वाले बताए जा रहे हैं और मजदूरी करके अपना जीवन यापन कर रहे थे। जानकारी के अनुसार, लगातार बारिश के कारण पुरानी और कमजोर हो चुकी दुकान का छज्जा अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे के समय दोनों मजदूर वहां मौजूद थे और मलबे की चपेट में आ गए।

आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और इसकी सूचना पुलिस तथा प्रशासन को दी। मौके पर पहुंची टीमों ने मलबा हटाकर दोनों मजदूरों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन की ओर से भी हादसे के कारणों की जानकारी जुटाई जा रही है।

प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि लगातार बारिश के कारण जर्जर निर्माण कमजोर हो गया था, जिसके चलते यह हादसा हुआ। वहीं, फरीदाबाद में एक दिन पहले आगरा नहर से युवक और महिला के संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने का मामला भी चर्चा में रहा। नहर से शव मिलने के बाद पुलिस ने दोनों मामलों की जांच शुरू की। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि दोनों की मौत किन परिस्थितियों में हुई। लगातार हो रही बारिश के बीच शहर में पुराने और कमजोर भवनों

को लेकर सुरक्षा चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जर्जर इमारतों और दुकानों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बारिश के मौसम में पुराने और कमजोर ढांचों के आसपास जाने से बचें। वहीं, हादसे में जान गंवाने वाले मजदूरों के परिवारों को घटना की सूचना दे दी गई है और आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। फरीदाबाद में बारिश के कारण हादसों का सिलसिला जारी है। प्रशासन ने जर्जर इमारतों और पुराने ढांचों की जांच कराने की जरूरत बताई है। वहीं, पुलिस दोनों घटनाओं की जांच कर रही है और मृतकों की पहचान व अन्य जानकारी जुटाई जा रही है।

दिल्ली पुलिस इंस्पेक्टर पर रिश्वत का आरोप, अदालत ने नहीं दी जमानत

एजेंसी, नई दिल्ली

राउज एवेन्यू स्थित सीबीआई अदालत ने दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार सिंह की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी है। इंस्पेक्टर पर तीन करोड़ रुपये की रिश्वत लेने और फर्जी दवा मामले की जांच को प्रभावित करने का आरोप है। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को जमानत देने से इनकार कर दिया।

सीबीआई की ओर से दर्ज मामले के अनुसार, इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार सिंह पर आरोप है कि उन्होंने एक फर्जी दवा मामले की जांच में कथित रूप से हेरफेर करने और आरोपियों को राहत पहुंचाने के बदले तीन करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी और स्वीकार की। जांच एजेंसी का आरोप है कि आरोपी पुलिस अधिकारी ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए मामले की

तीन करोड़ रिश्वत केस में इंस्पेक्टर की जमानत खारिज

कार्रवाई को प्रभावित करने का प्रयास किया। मामले की सुनवाई के दौरान सीबीआई ने अदालत के सामने कई महत्वपूर्ण तथ्य रखे। जांच एजेंसी ने तर्क दिया कि आरोपी एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी है और उसके खिलाफ गंभीर आरोप हैं।

यदि उसे जमानत दी जाती है तो वह जांच को प्रभावित कर सकता है या मामले से जुड़े सबूतों को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकता है। वहीं, बचाव पक्ष ने अदालत में जमानत की मांग करते हुए दलील दी कि आरोपी को मामले में फंसाया गया है और जांच में उसका पूरा सहयोग रहा है। बचाव पक्ष ने यह भी कहा कि आरोपी लंबे समय से हिरासत में है और उसे न्यायिक प्रक्रिया के तहत राहत मिलनी चाहिए। हालांकि, अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

गुरुग्राम के 1600 मकानों को हाई कोर्ट से राहत, सीलिंग और तोड़फोड़ पर रोक

एजेंसी ,नई दिल्ली गुरुग्राम के डीएलएफ फेज-एक से लेकर फेज-पांच तक करीब 1600 मकानों को सीलिंग और तोड़फोड़ की कार्रवाई से फिलहाल राहत मिल गई है। पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने इन मकानों के खिलाफ चल रही कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगाते हुए निवासियों को बड़ी राहत दी है। जानकारी के अनुसार, डीएलएफ क्षेत्र में नियमों के उल्लंघन को लेकर कई मकानों पर सीलिंग और तोड़फोड़ की कार्रवाई की तैयारी चल रही थी। इस मामले में मंगलवार को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए फिलहाल कार्रवाई पर रोक लगाने का आदेश दिया। हाई कोर्ट के इस फैसले से डीएलएफ क्षेत्र में रहने वाले हजारों लोगों ने राहत की सांस ली है। इससे पहले लोगों में अपने घरों पर कार्रवाई को लेकर चिंता बनी हुई थी। निवासियों का कहना था कि वर्षों से रह रहे मकानों पर अचानक कार्रवाई से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। हालांकि, अंतिम फैसला सुनवाई के बाद ही स्पष्ट होगा। संबंधित विभाग और अधिकारियों को भी अदालत के आदेश का पालन करने को कहा गया है।

ग्रेटर नोएडा में नशे में युवक का ड्रामा, सड़क पर लेटकर रोका ट्रैफिक

एजेंसी, नई दिल्ली । ग्रेटर नोएडा में एक शराबी युवक का हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। युवक ने व्यस्त सड़क के बीचों-बीच लेटकर हंगामा किया, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया, जिसमें युवक सड़क पर चादर ओढ़कर लेटा हुआ दिखाई दे रहा है। जानकारी के अनुसार, यह घटना ग्रेटर नोएडा के एक व्यस्त इलाके की बताई जा रही है। युवक नशे की हालत में सड़क पर पहुंच गया और बीच सड़क पर लेट गया। काफी देर तक उसके सड़क पर पड़े रहने से यातायात प्रभावित हुआ और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को सड़क से हटाने का प्रयास किया। पुलिस ने युवक को समझाकर वहां से हटाया और स्थिति को नियंत्रित किया। इस दौरान कुछ लोगों ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया। लोगों का कहना है कि नशे की हालत में इस तरह सड़क पर लेटना खुद युवक के लिए भी खतरनाक हो सकता था और इससे किसी बड़े हादसे की संभावना बनी हुई थी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और युवक के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि नशे की हालत में सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह की हरकतों से बचें, ताकि यातायात व्यवस्था और सुरक्षा प्रभावित न हो।

पलवल में रिश्तों का कत्ल, छोटे भाई पर भाभी और तीन बच्चों को भगाने का आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली । पलवल में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक छोटे भाई पर अपने ही बड़े भाई की पत्नी और तीन बच्चों को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगा है। आरोप है कि आरोपी घर से नकदी, सोने के जेवरात और अन्य कीमती सामान भी लेकर फरार हो गया। घटना के बाद परिवार में हड़कंप मच गया और पीड़ित पक्ष ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित परिवार को जब इस घटना की जानकारी मिली तो उन्होंने महिला और बच्चों की तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि छोटे भाई ने पहले परिवार का विश्वास जीता और बाद में मौका पाकर महिला और बच्चों को अपने साथ ले गया। पीड़ित पक्ष के मुताबिक, घर से करीब एक लाख रुपये नकद, सोने के आभूषण और अन्य सामान भी गायब मिला। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है और महिला व बच्चों की तलाश की जा रही है। साथ ही आरोपी की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। महिला और बच्चों को सुरक्षित बरामद करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं, आरोपी की तलाश में संभावित स्थानों पर दबिश देने की कार्रवाई भी की जा सकती है। जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

फरीदाबाद में लटकती बिजली तारें बनीं खतरा,निगम की लापरवाही से हादसे का डर

एजेंसी, नई दिल्ली

फरीदाबाद के कई क्षेत्रों में बिजली निगम की लापरवाही के कारण लोगों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। शहर के विभिन्न इलाकों में बिजली की तारें लंबे समय से लटकी हुई हैं, लेकिन संबंधित विभाग की ओर से इन्हें ठीक करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन लटकती तारों के कारण कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

आंधी और बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो जाती है। तेज हवा चलने पर तार टूटने या नीचे गिरने की आशंका बनी रहती है, जिससे लोगों की जान को खतरा हो सकता है। कई स्थानों पर बिजली की तारें पेड़ों की टहनियों के बीच झूल रही हैं, जिससे हादसे की संभावना और बढ़ गई है। शहर के कई पार्कों में भी हालात खराब हैं। पांच नंबर डी ब्लॉक और प्याली चौक स्थित पार्क में बिजली की तारें काफी नीचे तक लटकी हुई हैं। इन पार्कों में रोजाना बड़ी संख्या में लोग सुबह और शाम के समय सैर करने पहुंचते हैं। ऐसे में बच्चों, बुजुर्गों और अन्य लोगों के लिए यह स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है। निवासियों का आरोप है कि बिजली निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को कई बार समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोगों ने मांग की है कि जल्द से जल्द लटकती तारों को हटाया जाए और खराब व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि किसी बड़े हादसे के बाद कार्रवाई करने के बजाय विभाग को पहले ही सुरक्षा उपाय करने चाहिए, ताकि किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके। फरीदाबाद में लटकती बिजली तारों से लोगों में डर, स्थानीय निवासियों ने निगम से जल्द मरम्मत और सुरक्षा व्यवस्था सुधारने की मांग की।

गाजियाबाद एमएमजी अस्पताल में स्वास्थ्यकर्मियों की हड़ताल, नर्स से मारपीट मामले में गिरफ्तारी की मांग

एजेंसी, नई दिल्ली

गाजियाबाद के जिला एमएमजी अस्पताल के सभी स्वास्थ्यकर्मी बुधवार को हड़ताल पर चले गए। यह हड़ताल नर्सिंग स्टाफ के साथ मारपीट करने वाली महिला की गिरफ्तारी नहीं होने के विरोध में शुरू की गई है। स्वास्थ्यकर्मियों का आरोप है कि पुलिस ने शिकायत दर्ज होने के बाद भी अब तक आरोपी महिला के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है, जिससे कर्मचारियों में नाराजगी है।

मामला आठ जुलाई का है, जब जिला एमएमजी अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्स हिना विक्टर, दीपा और अलका के साथ कथित रूप से मरीज अरविंद मिश्रा की पत्नी ने मारपीट की थी। घटना के बाद अस्पताल कर्मचारियों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी और आरोपी महिला की गिरफ्तारी की मांग की थी। हालांकि, कई दिन बीत जाने के बाद भी गिरफ्तारी नहीं

होने पर स्वास्थ्यकर्मियों ने विरोध प्रदर्शन का रास्ता अपनाया। बुधवार को अस्पताल के डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारियों ने काम बंद कर हड़ताल शुरू कर दी। कर्मचारियों का कहना है कि अस्पताल में काम करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक आरोपी महिला की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रह सकता है। हड़ताल के कारण अस्पताल में आने वाले मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि आपातकालीन सेवाओं को लेकर प्रशासन की ओर से आवश्यक व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी महिला की तलाश जारी होने की बात कही जा रही है। स्वास्थ्यकर्मियों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

नोएडा में आग से दो की मौत,स्कूटर बना वजह

एजेंसी, नई दिल्ली। नोएडा के सेक्टर-66 स्थित एक इमारत में बुधवार दोपहर भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। इस दर्दनाक हादसे में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। शुरुआती जांच में आग लगने की वजह इलेक्ट्रिक स्कूटर की बैटरी चार्जिंग को माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, इमारत की पार्किंग में इलेक्ट्रिक स्कूटर चार्ज हो रहा था, इसी दौरान उसमें अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और धुआं पूरी इमारत में फैल गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और इमारत में फंसे लोगों को बाहर निकाला। हादसे में गंभीर रूप से घायल महिला और एक अन्य व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

देर रात गुरुग्राम में मचा हड़कंप, गोदाम में लगी भीषण आग,कोई हताहत नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम के झुंड सराय इलाके में मंगलवार देर रात एक गोदाम में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेज थी कि दूर-दूर तक धुएं का गुबार दिखाई देने लगा। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। दमकल कर्मी लगातार आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहे हैं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने की घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। हालांकि, गोदाम में रखा सामान जलकर नष्ट होने की आशंका जताई जा रही है। आग की भयावहता को देखते हुए आसपास के क्षेत्रों में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है और सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। दमकल विभाग के अधिकारियों के अनुसार,

आग लगने के वास्तविक कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। आग बुझने के बाद ही नुकसान का आकलन और घटना के कारणों की जांच की जाएगी।

अधिकारियों ने बताया कि राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी है ताकि आग को पूरी तरह नियंत्रित किया जा सके और आसपास के इलाकों में इसे फैलने से रोका जा सके। स्थानीय लोगों के मुताबिक, देर रात अचानक गोदाम से धुआं उठता दिखाई दिया, जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी गई। घटना के बाद इलाके में लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और बचाव कार्य में सहयोग करने की अपील की है। फिलहाल दमकल विभाग की टीमें आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाने में जुटी हुई हैं।

ग्रेटर नोएडा सोसायटी में हंगामा, नशे में महिला ने सड़क जाम कर किया बवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा के शिव शक्ति अपार्टमेंट में बुधवार सुबह उस समय हंगामा मच गया, जब एक नशे में धुत महिला ने सड़क के बीच बैठकर जमकर हंगामा किया। महिला ने सोसायटी के निवासियों और मौके पर पहुंची पुलिस के साथ भी अभद्र व्यवहार किया। महिला के सड़क पर बैठने के कारण वहां से गुजरने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार, सोसायटी के कुछ लोगों ने जब महिला से सड़क पर बैठने का कारण पूछा तो उसने उनके साथ बहस शुरू कर दी और अभद्रता करने लगी। महिला ने आरोप लगाया कि सोसायटी में रहने वाले अखिलेश नामक युवक ने उसे किराए पर फ्लैट दिलाने के लिए बुलाया था। महिला का आरोप था कि युवक उसका पर्स और मोबाइल छीनकर वहां से चला

ग्रेटर नोएडा में नशे में महिला का हाईवोल्टेज हंगामा

गया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और महिला से पूछताछ करने का प्रयास किया, लेकिन उसने अपना नाम और पता बताने से इनकार कर दिया। महिला ने पुलिसकर्मियों के साथ भी ठीक व्यवहार नहीं किया। काफी देर तक वह सड़क पर बैठी रही, जिससे सोसायटी में आने-जाने वाले लोगों को दिक्कत हुई। बताया गया कि महिला के सड़क पर बैठने की वजह से बच्चों को लेने पहुंची स्कूल बसों के चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि महिला नशे की हालत में थी और उसका व्यवहार सामान्य नहीं लग रहा था। उन्होंने आशंका जताई कि महिला मानसिक रूप से परेशान भी हो सकती है।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एक्शन,कांवड़ मार्ग से हटाया गया अवैध अतिक्रमण

एजेंसी, नई दिल्ली

कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले बुधवार को प्रशासन ने पुलिस, नगर निगम और अन्य संबंधित विभागों के साथ मिलकर अतिक्रमण हटाने का संयुक्त अभियान चलाया। अभियान का उद्देश्य कांवड़ मार्ग को पूरी तरह साफ करना और श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करना था। यमुनापार क्षेत्र में शाहदरा जीटी रोड को प्रमुख कांवड़ मार्ग माना जाता है, जहां हर वर्ष हजारों श्रद्धालु जल लेकर गुजरते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए सीमापुरी गोलचक्कर से लेकर शाहदरा की लालबाग झुग्गियों तक बुलडोजर चलाकर सड़क और फुटपाथ पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। प्रशासन के अनुसार, लोक निर्माण विभाग सहित कई विभागों की ओर से शिकायतें मिल रही थीं कि कांवड़ मार्ग पर जगह-जगह अवैध कब्जे होने से यातायात प्रभावित हो रहा है और यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसके बाद स्पेशल टास्क फोर्स की बैठक में इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया गया और पुलिस, नगर निगम, यातायात पुलिस तथा पीडब्ल्यूडी को संयुक्त रूप से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।शाहदरा की एसडीएम रीता कौशिक ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मार्ग से गुजरते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि फुटपाथ पैदल चलने वालों के लिए बनाए गए हैं, लेकिन कई स्थानों पर उन पर अवैध कब्जा कर लिया गया था, जिससे लोगों को सड़क पर चलना पड़ता था। प्रशासन का कहना है कि आगे भी प्रमुख मार्गों पर निगरानी रखी जाएगी और दोबारा अतिक्रमण होने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

धारा 106(2) लागू न करने पर दिल्ली हाई कोर्ट से याचिकाकर्ता को नहीं मिली राहत

शाह-राहुल के खिलाफ हाईकोर्ट ने राजनीतिक मुद्दे पर दायर जनहित याचिका को किया खारिज

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस)-2023 की धारा 106(2) को लागू नहीं किए जाने के मामले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान याचिका में प्रस्तुत दलीलों पर विचार करने के बाद यह फैसला सुनाया।

अदालत ने स्पष्ट किया कि इस मामले को राजनीतिक रंग देने का प्रयास उचित नहीं है और जनहित याचिका का उद्देश्य राजनीतिक बहस का मंच बनना नहीं होना चाहिए। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता एवं अधिवक्ता रितु गौबा ने विभिन्न राजनीतिक संदर्भों और नेताओं के उदाहरण देते हुए

हिट एंड रन कानून पर याचिका हाई कोर्ट ने खारिज की

अपनी दलीलें रखीं। इस पर पीठ ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि अदालत के समक्ष राजनीतिक मुद्दे नहीं उठाए जाने चाहिए। न्यायालय ने संकेत दिया कि याचिका में उठाए गए मुद्दे और प्रस्तुत आधार ऐसे नहीं हैं, जिनके आधार पर अमित शाह और राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया जा सके। याचिका में भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(2), जिसे हिट एंड रन मामलों से संबंधित प्रावधान माना जाता है, को लागू नहीं किए जाने को आधार बनाते हुए दोनों नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई थी। हालांकि हाई कोर्ट ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया और याचिका को खारिज कर दिया। अदालत के इस फैसले के बाद याचिकाकर्ता को कोई राहत नहीं मिली। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि न्यायिक प्रक्रिया का इस्तेमाल केवल वैधानिक और जनहित से जुड़े मामलों के लिए किया जाना चाहिए। इस आदेश के साथ फिलहाल मामला समाप्त हो गया है, जबकि कानून के तहत उपलब्ध अन्य कानूनी विकल्प याचिकाकर्ता के लिए खुले रहेंगे।

दिल्ली में वार्ड कमेटी चुनाव का बिगुल 12 कमेटियों पर भाजपा-आप की नजर

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम की 12 वार्ड कमेटियों के चुनाव आज से शुरू हो गए हैं। इन चुनावों को नगर निगम की प्रशासनिक व्यवस्था और स्थानीय नेतृत्व के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वार्ड कमेटियों के गठन के बाद विभिन्न जोन में चेयरमैन और डिप्टी चेयरमैन का चयन किया जाएगा। आज छह जोन में चेयरमैन और डिप्टी चेयरमैन दोनों पदों के लिए मतदान कराया जा रहा है। वहीं शेष छह जोन में भी संबंधित पदों के लिए चुनावी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। राजनीतिक दृष्टि से यह चुनाव काफी दिलचस्प बन गया है। 12 वार्ड कमेटियों में से आठ वार्ड कमेटियों में भारतीय जनता पार्टी के पास बहुमत है, जबकि चार वार्ड कमेटियों में आम आदमी पार्टी बहुमत की स्थिति में है। इसके बावजूद दोनों प्रमुख दलों ने 11-11 वार्ड कमेटियों में अपने प्रत्याशी मैदान में उतारकर

मुकाबले को रोचक बना दिया है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि बहुमत वाले क्षेत्रों के अलावा अन्य वार्ड कमेटियों में भी दल अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने और पार्षदों के समर्थन का परीक्षण करने का प्रयास कर रहे हैं। चुनाव परिणाम यह तय करेंगे कि विभिन्न जोन की कमेटियों का नेतृत्व किस दल के हाथ में रहेगा और स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक फैसलों पर किसका प्रभाव अधिक होगा। मतदान की प्रक्रिया निर्धारित नियमों के अनुसार कराई जा रही है और सभी की नजरें परिणामों पर टिकी हुई हैं।

अमरनाथ यात्रा को लेकर प्रशासन अलर्ट, एलजी ने सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के बीच एलजी ने परखी यात्रा की तैयारियां, सुरक्षा और सुविधाओं पर दिया जोर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा में लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या के बीच जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को जम्मू स्थित भगवती नगर यात्री निवास आधार शिविर पहुंचकर यात्रा व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, पंजीकरण प्रक्रिया, यात्रियों के ठहरने की सुविधा, चिकित्सा सेवाओं और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अमरनाथ यात्रा पर आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु के साथ देव अतिथि की तरह व्यवहार किया जाए और उन्हें हर संभव सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

उपराज्यपाल ने कहा कि अमरनाथ यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि देशभर के करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण अवसर है। ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी है कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और परेशानी मुक्त यात्रा का अनुभव मिले। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान किसी भी श्रद्धालु को असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभागों को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करना होगा।

बैठक में जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना, सुरक्षा एजेंसियों, श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड और नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। उपराज्यपाल ने बताया कि यात्रा शुरू होने के केवल 12 दिनों में तीन लाख से अधिक श्रद्धालु पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने इसे यात्रा प्रबंधन और प्रशासनिक तैयारियों की बड़ी उपलब्धि बताया।

◆एलजी सिन्हा ने अधिकारियों को बेहतर प्रबंधन के दिए निर्देश

मनोज सिन्हा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्री पंजीकरण व्यवस्था को पूरी तरह व्यवस्थित रखा जाए। इसके अलावा भगवती नगर आधार शिविर और अन्य यात्री निवासों में साफ-सफाई, भोजन, पेयजल, चिकित्सा सुविधा और ठहरने की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

उपराज्यपाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में सुरक्षा और विकास मुद्दों पर चर्चा करते अधिकारी।

अमरनाथ यात्रा व्यवस्थाओं का एलजी ने लिया जायजा, बोले- हर श्रद्धालु को मिले बेहतर सुविधा

उपराज्यपाल ने यह भी कहा कि अमरनाथ यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को जम्मू-कश्मीर की समृद्ध संस्कृति, धार्मिक विरासत और प्राकृतिक सुंदरता से परिचित कराने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से जम्मू क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों की जानकारी यात्रियों तक पहुंचाने की व्यवस्था करने को कहा। इससे श्रद्धालु यात्रा के साथ-साथ क्षेत्र की संस्कृति और पर्यटन स्थलों का अनुभव भी ले सकेंगे।

उन्होंने स्थानीय हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। उपराज्यपाल ने कहा कि जब श्रद्धालु अपने घर लौटें तो वे जम्मू की खूबसूरत यादों के साथ यहां के स्थानीय उत्पाद भी अपने साथ लेकर जाएं। इससे स्थानीय कारीगरों और छोटे व्यवसायों को भी लाभ मिलेगा तथा क्षेत्र की पहचान को बढ़ावा मिलेगा।

इससे पहले केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के महानिदेशक प्रवीर रंजन ने भी भगवती नगर आधार शिविर का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने संयुक्त पुलिस नियंत्रण कक्ष, सीसीटीवी निगरानी केंद्र और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों का निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा सेवाओं, अग्निशमन तैयारियों और आपातकालीन व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

सीआईएसएफ महानिदेशक ने सुरक्षाबलों के जवानों और श्रद्धालुओं से भी बातचीत की।

राष्ट्रीय विरासत सूची में शामिल हुई राजौरी की भैरव यात्रा

भैरव यात्रा के संरक्षण और सांस्कृतिक महत्व को मिला राष्ट्रीय सम्मान।

भारतेंदु संवाददाता, राजौरी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को राजौरी जिला प्रशासन और जम्मू-कश्मीर संस्कृति विभाग को बधाई देते हुए एक पोस्ट जारी किया। राजौरी की ऐतिहासिक भैरव यात्रा को भारत की राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया गया है।

अपने पोस्ट में सिन्हा ने लिखा कि राजौरी के लिए गर्व का क्षण! जिले की ऐतिहासिक भैरव यात्रा को आधिकारिक तौर पर भारत की राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल कर लिया गया है। इस सपने को साकार करने के लिए राजौरी जिला प्रशासन और जम्मू-कश्मीर संस्कृति विभाग को हार्दिक बधाई। यह प्रतिष्ठित

◆उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दी बधाई

मान्यता क्षेत्र की गहरी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जड़ों को प्रलेखित करने, संरक्षित करने और उनका जश्न मनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उन्होंने आगे लिखा कि यह राष्ट्रीय सम्मान उन पीढ़ियों के भक्तों के प्रयासों को मान्यता देता है जिन्होंने इस परंपरा को जीवित रखा। भैरव यात्रा को राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल करने से राष्ट्रीय स्तर पर राजौरी की अनूठी सांस्कृतिक पहचान मजबूत होगी और शोध, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सतत विरासत पर्यटन के द्वार खुलेंगे।

सरकारी स्कूलों में अलगाववादी किताबें पहुंचाने के पीछे बड़े नेटवर्क की आशंका

जेएंडके में विवादित किताबों के मामले में जांच तेज, पूरे नेटवर्क को खंगाल रही एसआईटी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। सरकारी स्कूलों की लाइब्रेरी में विवादित और कथित अलगाववादी विचारधारा से जुड़ी किताबों के मिलने का मामला जम्मू कश्मीर में गंभीर चर्चा का विषय बना हुआ है। इस मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) को शुरुआती जांच में ऐसे संकेत मिले हैं कि इन पुस्तकों के चयन और खरीद की प्रक्रिया में कई स्तरों पर गंभीर अनियमितताएं हो सकती हैं। जांच एजेंसियां अब इस पूरे नेटवर्क की पड़ताल कर रही हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि ये किताबें किस प्रक्रिया के तहत सरकारी स्कूलों की लाइब्रेरी तक पहुंचीं और इसके पीछे किन लोगों की भूमिका रही।

अब तक की कार्रवाई में आठ अधिकारियों को निलंबित किया जा चुका है जबकि एक संविदा कर्मचारी की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। हालांकि विभाग के भीतर यह सवाल लगातार उठ रहा है कि केवल निचले स्तर के

विवादित पुस्तकों की खरीद और वितरण प्रक्रिया जांच के दायरे में।

अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है। पुस्तकों के चयन खरीद वितरण और स्कूलों तक पहुंचाने की पूरी व्यवस्था कई स्तरों पर संचालित होती है। ऐसे में इस प्रक्रिया की निगरानी करने वाले वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच जरूरी मानी जा रही है।

सूत्रों के अनुसार एसआईटी को पूछताछ और दस्तावेजों की जांच में कुछ ऐसे तथ्य मिले हैं जिनसे राजनीतिक संरक्षण और व्यापक साजिश की आशंका भी जताई जा रही है। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है और जांच जारी है। इसी बीच विभागीय हलकों में एक वरिष्ठ अधिकारी के राजनीतिक और पारिवारिक संबंधों को लेकर भी चर्चाएं हैं। आरोप है कि इन्हीं संबंधों के कारण अब तक शीर्ष स्तर पर कार्रवाई नहीं हो सकी है।

पुंछ में सुरक्षाबलों ने ध्वस्त किया आतंकी ठिकाना, 225 गोलियां बरामद

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे सावजियां सेक्टर में सुरक्षाबलों ने आतंकवाद के खिलाफ अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम ने खुफिया सूचना के आधार पर मंगलवार देर शाम मंडी तहसील के गढ़ंगा इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। अभियान के दौरान घने जंगल में एक संदिग्ध आतंकी ठिकाने का पता चला। जब सुरक्षाबलों ने इस ठिकाने की तलाशी ली तो वहां से पीका राइफल की 225 गोलियां बरामद हुईं। बरामदगी के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे ठिकाने को ध्वस्त कर दिया ताकि भविष्य में इसका इस्तेमाल आतंकियों द्वारा दोबारा न किया जा सके।

अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई पहले से प्राप्त खुफिया जानकारी के आधार पर की गई। सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर सुनियोजित तरीके से तलाशी अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप यह सफलता मिली। बरामद गोलियों को कब्जे में लेकर फोरेंसिक और तकनीकी जांच के लिए भेजा गया है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि यह ठिकाना किस आतंकी संगठन द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा था, वहां हथियार और गोला-बारूद कब से छिपाकर रखा गया था तथा इसका उपयोग किसी बड़ी आतंकी साजिश के लिए तो नहीं किया जाना था।

जंगल से मिला संदिग्ध आतंकी अड्डा

घटना के बाद सावजियां और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां संयुक्त रूप से पूरे इलाके में व्यापक तलाशी अभियान चला रही हैं ताकि कहीं और हथियार, विस्फोटक या अन्य संदिग्ध सामग्री छिपी होने की संभावना को पूरी तरह समाप्त किया जा सके। नियंत्रण रेखा से सटे क्षेत्रों में लगातार निगरानी बढ़ाई गई है।

मौसम विभाग का अलर्ट, कई क्षेत्रों में भारी बारिश की संभावना

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। मौसम विभाग ने आज से मौसम में बड़े बदलाव का अनुमान लगाया है, जिसमें केंद्र शासित प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश, आंधी-तूफान, बिजली कड़कना और तेज हवाएं शामिल हैं। विभाग ने लोगों को अलर्ट रहने की सलाह दी है क्योंकि आने वाली बारिश से कमज़ोर इलाकों, खासकर पहाड़ी इलाकों और मुख्य हाईवे पर अचानक बाढ़, लैंडस्लाइड और पत्थर गिरने की संभावना है।

विभाग ने कहा कि कई जगहों पर रुक-रुक कर बारिश और आंधी-तूफान की संभावना है जिससे मौजूदा गर्मी और उमस से राहत मिलेगी। हालांकि, मौसम में बदलाव से कमजोर इलाकों में सरफेस ट्रांसपोर्ट और बाहर की एक्टिविटीज में भी रुकावट आ सकती है।

स्थानीय लोगों, टूरिस्ट और अमरनाथ यात्रा के यात्रियों को अधिकारियों द्वारा जारी मौसम की सलाह मानने और तेज़ बारिश के दौरान बाढ़ की आशंका वाले इलाकों, लैंडस्लाइड ज़ोन और अस्थिर पहाड़ी ढलानों पर जाने से बचने की सलाह दी गई है।

न्यूज ब्रीफ

रामबन में दर्दनाक हादसा, पत्थर की चपेट में आने से पूर्व सरपंच की मौत

भारतेंदु संवाददाता, रामबन। बुधवार को जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर रामबन के पास एक पत्थर गिरने से एक पूर्व सरपंच की मौत होने की खबर सामने आई है। पुलिस ने बताया कि रामबन जिले के सेरी गांव के पूर्व सरपंच मोहम्मद इकबाल तंत्रे रामबन शहर में एक व्यक्ति को छोड़कर घर लौट रहे थे, तभी त्रिशूल मोड़ के पास पहाड़ी से एक बड़ा पत्थर लुढ़ककर उनकी गाड़ी से टकरा गया। पत्थर तंत्रे के सिर पर लगा, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि उन्हें जिला अस्पताल रामबन ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

श्रीनगर कोर्ट का बड़ा फैसला, एसएसपी के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई पर लगाई रोक

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। श्रीनगर की एक सत्र अदालत ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एस.एस.पी.) जी.वी. संदीप चक्रवर्ती के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने के अधीनस्थ अदालत के आदेश पर मंगलवार को रोक लगा दी। अदालत ने कहा कि पुनरीक्षण याचिका में ऐसे 'विचारणीय प्रश्न' उठाए गए हैं, जिन पर विचार किया जाना आवश्यक है। मजिस्ट्रेट अदालत ने इस मामले का 6 जुलाई को स्वतः संज्ञान लेते हुए भारतीय पुलिस सेवा (आई.पी.एस.) के अधिकारी चक्रवर्ती के खिलाफ मामला शुरू किया था।

जम्म पुलिस की बड़ी रेड, 3 कुख्यात गैंगस्टरों को किया गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। अपराधियों और गैंगस्टरों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आर.एस. पुरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 कुख्यात एवं आदतन अपराधियों को जम्मू-कश्मीर सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पी.एस.ए.) के तहत हिरासत में लिया है। जिला मजिस्ट्रेट जम्मू द्वारा जारी निरोधात्मक आदेशों के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर निर्धारित जेल में भेज दिया। पुलिस के अनुसार अलग-अलग पी.एस.ए. वारंटों के आधार पर छापेमारी कर तीनों आरोपियों को हिरासत में लिया गया।

कुलगाम में ड्यूटी के दौरान सीआरपीएफ के एएसआई की दिल का दौरा पड़ने से मौत

भारतेंदु संवाददाता, कुलगाम। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) की ड्यूटी के दौरान दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। घटना के बाद उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारियों ने मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन में तैनात एएसआई जय प्रकाश, जो हरियाणा के निवासी थे, बुधवार सुबह ड्यूटी के दौरान अचानक गिर पड़े।

चिनार पुस्तक महोत्सव के मुख्य संयोजक डॉ. अमित वांचू ने उपराज्यपाल सिन्हा से की मुलाकात

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। चिनार पुस्तक महोत्सव के मुख्य संयोजक डॉ. अमित वांचू ने आज उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की। उनके साथ राष्ट्रीय पुस्तक ट्रस्ट (एनबीटी) की शोभा कपूर भी थीं। डॉ. वांचू ने उपराज्यपाल को श्रीनगर में 18 से 26 जुलाई तक आयोजित होने वाले आगामी चिनार पुस्तक महोत्सव के बारे में जानकारी दी। नौ दिवसीय इस महोत्सव में देश भर से 200 से अधिक प्रकाशक और पुस्तक प्रदर्शक भाग लेंगे जो अंग्रेजी, उर्दू, कश्मीरी, हिंदी और कई अन्य भारतीय भाषाओं में पुस्तकें प्रदर्शित करेंगे। पुस्तक प्रदर्शनी के साथ-साथ महोत्सव में साहित्यिक चर्चाएँ, लेखकों के साथ संवाद, पुस्तक विमोचन, बच्चों के कार्यक्रम, कहानी सुनाने के सत्र, कार्यशालाएँ, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, मुशायरे, सूफियाना संगीत और युवा सहभागिता गतिविधियाँ भी आयोजित की जाएँगी।

लद्दाख में संरक्षित वन्यजीव क्षेत्रों में ऑफ-रोडिंग पर होगी सख्ती

भारतेंदु संवाददाता, लेह। लद्दाख प्रशासन ने संरक्षित वन्यजीव क्षेत्रों में गैरकानूनी तरीके से ऑफ-रोडिंग करने वाले पर्यटकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 12 बाइक सवारों और एक एसयूवी चालक पर भारी जुर्माना लगाया है। लेक मोरीरी के आसपास पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र में प्रवेश करने वाले प्रत्येक बाइक सवार पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया, जबकि पैंगोंग झील के निकट वन्यजीव संरक्षण नियमों का उल्लंघन करने वाले एक एसयूवी चालक पर 50 हजार रुपये का दंड लगाया गया। प्रशासन का कहना है कि हाल के वर्षों में लद्दाख में पर्यटन तेजी से बढ़ा है, लेकिन इसके साथ ही संरक्षित क्षेत्रों में अनधिकृत वाहन संचालन की घटनाएं भी बढ़ी हैं, जिससे वहां के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र और वन्यजीवों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने पर्यटकों से अपील की है कि वे लद्दाख की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद जिम्मेदारी के साथ लें और झीलों, वेटलैंड, घास के मैदानों तथा वन्यजीव आवासों को किसी भी प्रकार का नुकसान न पहुंचाएं।

◆उपराज्यपाल ने पर्यटकों को दी चेतावनी

चुनावी वादों पर एनसी और कांग्रेस आमने-सामने

चुनावी वादों को लेकर सियासी घमासान, कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के रिश्तों में बढ़ी तल्खी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के दौरान साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और कांग्रेस के बीच अब चुनावी वादों को लेकर मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। सरकार गठन के करीब दो वर्ष बाद कांग्रेस ने प्रदेश सरकार की कार्यशैली और अधूरे चुनावी वादों पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। इससे दोनों सहयोगी दलों के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि चुनाव के समय जनता से किए गए कई महत्वपूर्ण वादे अब तक पूरे नहीं किए गए हैं, जिसके कारण जनता में नाराजगी बढ़ रही है और उन्हें भी लोगों के सवालों का सामना करना पड़ रहा है।

अक्तूबर 2024 में हुए विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के तहत मिलकर चुनाव लड़ा था। दोनों दलों ने चुनाव प्रचार के दौरान जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने, घरों में लगाए गए स्मार्ट मीटर हटाने, संविदा कर्मचारियों को नियमित करने, बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने और सामाजिक कल्याण योजनाओं को मजबूत करने जैसे कई बड़े वादे किए थे।

चुनाव परिणाम आने के बाद कांग्रेस के छह विधायकों के समर्थन से उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में सरकार बनी। कांग्रेस को उम्मीद थी कि गठबंधन सरकार इन वादों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करेगी, लेकिन समय बीतने के बावजूद अपेक्षित प्रगति नहीं होने से पार्टी के भीतर असंतोष बढ़ता जा रहा है।

कांग्रेस ने उठाए सवाल

प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रमन भल्ला ने स्पष्ट कहा कि गठबंधन में शामिल होने के कारण जनता उनसे भी जवाब मांगती है। उन्होंने कहा कि पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की दिशा में अपेक्षित प्रयास नहीं हुए हैं। इसके अलावा स्मार्ट मीटर हटाने, वृद्धा और विधवा पेंशन बढ़ाने, संविदा कर्मचारियों को नियमित करने, बंद पड़े हजारों सरकारी स्कूलों को दोबारा खोलने और जम्मू को पर्यटन के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने जैसे चुनावी वादों पर भी सरकार की गति संतोषजनक नहीं है।

अधूरे वादों से गठबंधन में बढ़ी तकरार

कांग्रेस नेताओं ने यह भी कहा कि जम्मू क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाएं अब तक अधूरी हैं। पीरखो से महामाया और बावे माता मंदिर तक प्रस्तावित रोपवे परियोजना पर भी अपेक्षित गति से काम नहीं हो पाया है। उनका कहना है कि यदि सरकार समय रहते इन मुद्दों पर ठोस कदम नहीं उठाती है तो जनता का विश्वास कमजोर हो सकता है। कांग्रेस का मानना है कि गठबंधन का उद्देश्य केवल सरकार बनाना नहीं बल्कि जनता से किए गए वादों को पूरा करना भी है।

कश्मीर की सियासत ने खोई बेबाक आवाज, नहीं रहे डॉ. शेख मुस्तफा कमाल

कश्मीर की सियासत का एक युग समाप्त, डॉ. मुस्तफा कमाल नहीं रहे

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की राजनीति के वरिष्ठ नेता और नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख चेहरों में शामिल डॉ. शेख मुस्तफा कमाल का 84 वर्ष की आयु में श्रीनगर में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन से जम्मू-कश्मीर की राजनीति को ऐसी क्षति पहुंची है जिसकी भरपाई आसान नहीं होगी। उन्होंने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में एक स्पष्टवादी, बेबाक और जनसरोकारों से जुड़े नेता के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई। मंगलवार को श्रीनगर के पारस अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। इसके बाद पूरे राजकीय सम्मान और धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया। उनके अंतिम संस्कार में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला, कई मंत्री, राजनीतिक दलों के नेता, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में आम लोग शामिल हुए।

डॉ. शेख मुस्तफा कमाल जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री शेख मोहम्मद अब्दुल्ला और बेगम अकबर जहां अब्दुल्ला के पुत्र थे। उन्होंने चिकित्सा की पढ़ाई पूरी की और डॉक्टर के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त किया, लेकिन बाद में उन्होंने राजनीति को अपना जीवन समर्पित कर दिया।

◆मुस्तफा कमाल के निधन से कश्मीर में शोक

कैबिनेट मंत्री के रूप में भूमिका निभाई

वर्ष 1983 में वे जम्मू-कश्मीर विधान परिषद के सदस्य बने और इसके बाद 1987 में गुलमर्ग विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए। उन्होंने कई बार विधानसभा में जनता का प्रतिनिधित्व किया और विभिन्न सरकारों में कैबिनेट मंत्री के रूप में महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी भी संभाली।

आस्था भगवती नगर से बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना हुआ नया जत्था

अमरनाथ के लिए 6,251 तीर्थयात्रियों का जत्था जम्मू से रवाना

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ जारी है। बुधवार तड़के जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 6,251 श्रद्धालुओं का नया जत्था पवित्र अमरनाथ गुफा के दर्शन के लिए रवाना हुआ। इस जत्थे में देश के विभिन्न राज्यों के श्रद्धालुओं के साथ 50 विदेशी श्रद्धालु भी शामिल रहे। यात्रा को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए हैं। पुलिस, केंद्रीय अर्धसैनिक बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में श्रद्धालुओं के वाहनों को निर्धारित समय पर रवाना किया गया। पूरे मार्ग पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

अधिकारियों के अनुसार इस जत्थे में शामिल 2,985 श्रद्धालुओं ने बालटाल मार्ग से यात्रा करने का विकल्प चुना, जबकि 3,266 श्रद्धालु पारंपरिक पहलगाम मार्ग से पवित्र गुफा की ओर रवाना हुए।

बालटाल मार्ग अपेक्षाकृत छोटा लेकिन अधिक कठिन माना जाता है, जबकि पहलगाम मार्ग लंबा होने के बावजूद प्राकृतिक सौंदर्य और पड़ावों के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की पसंद बना रहता है। दोनों मार्गों पर यात्रियों की सुविधा के लिए चिकित्सा शिविर, भोजन, पेयजल, विश्राम स्थल और आपातकालीन सेवाओं की व्यवस्था की गई है।

230 वाहनों के काफिले में निकले हजारों श्रद्धालु

इस जत्थे में कुल 230 वाहन शामिल थे, जिनमें 137 बसें, 34 मध्यम श्रेणी के वाहन और 59 हल्के मोटर वाहन शामिल रहे। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूरे काफिले को सुरक्षा बलों की निगरानी में रवाना किया गया। यातायात व्यवस्था को भी विशेष रूप से नियंत्रित किया गया ताकि यात्रा सुचारु रूप से संचालित हो सके। मार्ग में जगह-जगह सुरक्षा जांच, निगरानी और चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई है।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा- हमीरपुर के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी जा रही

जिन्होंने लूटी हजारों की संपदा, सबक सिखाने का मौका

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मुख्यमंत्री सुक्खू ने हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र के लोगों को हजारों की संपदा लूटने वालों को सबक सिखाने और विकास को बहुत नजदीक से देखने के लिए चश्मा बदलने की जरूरत महसूस करवाई है।

उन्होंने कहा है कि हमीरपुर में विकास की कोई कमी नहीं छोड़ी जा रही है, चाहे यहां के नुमाइंदे बेवफा निकले हों मगर सरकार उनकी उम्मीदों पर और खरा उतरने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही। मुख्यमंत्री बुधवार को टाउन हॉल में दो कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हमीरपुर के सीनियर सेकेंडरी स्कूल गर्ल्स में फिर से स्कूल शिक्षा बोर्ड की पढ़ाई जारी रखने के मामले में सरकार विचार कर रही है। इस मामले पर राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया था जिस पर उन्होंने जवाब दिया। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि जिन इलाकों के लोग नगर निगम में नहीं आना चाहते और वहां तकनीकी रूप से भी बाहर रहना चाहते हैं, उस पर सरकार विचार करेगी और निश्चित रूप में यह कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। सीनियर सेकेंडरी स्कूल हमीरपुर के बाहर जो लोग तिरपाल लगाकर रोजी-रोटी चल रहे हैं, उनके लिए भी 3 फुट के आकार का टीन का खोखा बनाने की उनकी मांग पर भी मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया है। सरकारी पर विचार करेगी। उन्होंने हमीरपुर के विकास का हवाला देते हुए कहा कि जब सरकार बनी थी, तो हमीरपुर के विधायक निर्दलीय थे, बाद में बदल गए लेकिन सुक्खू सरकार ने जो वादा किया था, उस पर आज भी अमल हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमीरपुर के बस स्टैंड को अक्तूबर में जनता को समर्पित कर दिया जाएगा। इसके अलावा मेडिकल कॉलेज को अगले महीने शिफ्ट कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा दोबारा से सत्ता में आने का सपना देख रही है, लेकिन इस बार बीजेपी के 28 विधायकों में से 16 विधायक भी नहीं जीत पाएंगे। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज को मैंने अपने प्रयासों से तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह से स्वीकृत करवाया था, लेकिन कुछ भाजपा नेता यहां आकर इसे अपनी उपलब्धि बता रहे हैं।

गरीब व भूमिहीन लोगों के अतिक्रमण के मामलों में रियायत के लिए बनाएंगे नीति : सीएम

हमीरपुर। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार को हमीरपुर में लगभग 19.40 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले नगर निगम कार्यालय भवन का शिलान्यास किया। इसके साथ ही उन्होंने छोटे व्यापारियों और महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए करीब 50 लाख रुपए की लागत से निर्मित दुकानों तथा ग्रामीण हाट का उद्घाटन भी किया।

टाउन हॉल में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी भूमि पर कई वर्षों से बसे गरीब और भूमिहीन लोगों को राहत देने के लिए प्रदेश सरकार एक नीति बनाने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण से जुड़े मामलों में उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों का अध्ययन किया जा रहा है और इसके बाद उचित निर्णय लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र प्रदेश सरकार की प्राथमिकता हैं। राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों में अत्याधुनिक मशीनें स्थापित करने, सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों और प्रोफेसरों की भर्ती पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि लोगों को प्रदेश में ही बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेजों की प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण पर 125 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमीरपुर मेडिकल कॉलेज के लिए अब तक करीब 500 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं और जोल सप्पड़ स्थित नए परिसर में जल्द संचालन शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमकेयर योजना बंद नहीं होगी, लेकिन इसमें हुए कथित घोटाले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में सुधार, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और जलविद्युत परियोजनाओं में हिमाचल के हितों की रक्षा के लिए सरकार के प्रयासों का भी उल्लेख किया।

सात आईएफएस समेत 11 वन अधिकारियों के तबादले

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने वन विभाग में सात आईएफएस व चार एचपीएफएस अधिकारियों के तबादले और नई तैनाती के आदेश जारी किए हैं। वन विभाग की ओर से बुधवार को जारी अधिसूचना के अनुसार ये तबादले सिविल सर्विसेज बोर्ड की सिफारिश पर जनहित में तत्काल प्रभाव से किए गए हैं। जारी आदेशों के अनुसार आईएफएस राजीव कुमार को डीसीएफ (टी) बिलासपुर से मंडी स्थित एचपीएसएफडीसी लिमिटेड में निदेशक (सेंट्रल) बनाया गया है। आईएफएस वासु डोएगर का तबादला डीसीएफ (टी) मंडी से डीसीएफ (टी) पालमपुर किया गया है। आईएफएस संजीव शर्मा को डीसीएफ (टी) पालमपुर से डीसीएफ (टी) मंडी भेजा गया है। आईएफएस सुशील कुमार, जो तैनाती की प्रतीक्षा में थे, उन्हें डीपीओ, आईडीपी ऊना नियुक्त किया गया है। आईएफएस चमन लाल का तबादला डीसीएफ (टी) आनी से डीसीएफ (टी) बिलासपुर किया गया है। आईएफएस माने नवनाथ शिवाजी को डीसीएफ (टी) भरमौर से डीसीएफ (वन्यजीव) चंबा भेजा गया है। आईएफएस अंशुल जैन का तबादला डीएम, एचएसडी बद्दी से डीसीएफ (टी) नालागढ़ किया गया है। इसके अलावा एचपीएफएस कुलदीप सिंह जंवाल को डीएफएल (वन्यजीव) चंबा से डीएफओ (टी) डलहौजी भेजा गया है। एचपीएफएस राजनेश महाजन का तबादला डीएफओ (टी) डलहौजी से डीएफओ (टी) भरमौर किया गया है। एचपीएफएस धर्म चंद को डीएम, एफडब्ल्यूडी सवाड़ा से डीएम, एचएसडी बद्दी नियुक्त किया गया है। एचपीएफएस प्रदीप कुमार का तबादला एसडीएम, एफडब्ल्यूडी सोलन से डीएफओ (टी) सोलन के पद पर किया गया है।

सरकार को घेरने के लिए भाजपा लाएगी चार्जशीट, 13 सदस्यों की बनाई कमेटी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सुक्खू सरकार को घेरने की रणनीति के तहत भारतीय जनता पार्टी ने 13 सदस्यीय प्रदेश स्तरीय चार्जशीट कमेटी का गठन किया है।

इस समिति में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, राज्यसभा सांसद प्रो. सिकंदर कुमार, राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन, विधायक सतपाल सिंह सत्ती, रणधीर शर्मा, विक्रम ठाकुर, सुधीर शर्मा, बलवीर वर्मा, प्रदेश महामंत्री पायल वैद्य, विधायक त्रिलोक जमवाल और वरिष्ठ प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक राजेंद्र राणा को शामिल किया गया है। भाजपा का कहना है कि यह समिति कांग्रेस सरकार के साढ़े तीन साल के कार्यकाल का विस्तृत आकलन कर उसकी कथित नाकामियों का दस्तावेज तैयार करेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल में जनता का विश्वास तोड़ा है और विकास कार्य प्रभावित हुए हैं। उनके अनुसार सरकार के फैसलों, चुनावी वादों, प्रशासनिक कामकाज और भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े सभी मामलों का तथ्यात्मक संकलन कर जनता के सामने रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा गांव-गांव और घर-घर जाकर सरकार के कामकाज को जनता के बीच ले जाएगी। बिंदल ने कहा कि कांग्रेस सरकार को घेरा भी जाएगा और उसकी किलाबंदी भी की जाएगी। भाजपा ने चार्जशीट कमेटी के साथ एक अलग प्रदेश स्तरीय जन आंदोलन समिति का भी गठन किया है। इस समिति में डॉ. राजीव बिंदल, जयराम ठाकुर, सांसद सुरेश कश्यप, सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज, सांसद कंगना, विधायक परमार, पवन काजल, विनोद कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष बिहारी लाल शर्मा, विधायक राकेश जमवाल, पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर, पूर्व मंत्री डॉ. राजीव सैजल, प्रदेश उपाध्यक्ष रश्मिधर सूद और विधायक डी.एस. ठाकुर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी के अनुसार यह समिति प्रदेश के सभी जिलों और विधानसभा क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान, धरना-प्रदर्शन और अन्य कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करेगी।

न्यूज ब्रीफ

11.1 ग्राम चिट्टे के साथ युवक व युवती काबू

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। प्रदेश सरकार के चिट्टा-मुक्त हिमाचल अभियान के तहत स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) कुल्लू ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार सुबह एसटीएफ की टीम ने एक गुप्त सूचना के आधार पर औट थाना के अंतर्गत आने वाले गांव नगवाईं में एक घर पर छापा मारा। स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों की मौजूदगी में जब कमरे की तलाशी ली गई, तो वहां से 11.1 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए कमरे में मौजूद दोनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। डीएसपी एसटीएफ कुल्लू हेमराज वर्मा ने बताया कि आरोपियों की पहचान विवेक कुमार (27) निवासी नगवाईं, तहसील व थाना औट (मंडी) व किरण पुत्री शेर चंद, निवासी ल्यूली, जिला कुल्लू के रूप में हुई है। डीएसपी एसटीएफ वर्मा ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाना औट में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब इस मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है। चिट्टा कहां से लाया गया था (सप्लाई चेन), इसके पीछे पैसों का क्या लेन-देन (फाइनेंशियल ट्रेल) रहा है और इस अवैध नेटवर्क में कौन-कौन शामिल हैं, इसका जल्द ही पता लगा लिया जाएगा।

16-17 को होने वाली कांग्रेस की बैठक स्थगित

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति की 16 और 17 जुलाई को धर्मशाला में प्रस्तावित अहम बैठक स्थगित कर दी गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक अब अगले सप्ताह आयोजित की जाएगी। हालांकि, नई तारीख अभी तय नहीं की गई है। जानकारी के अनुसार पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल की व्यस्तता के कारण बैठक को फिलहाल स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। इस बैठक में प्रदेश कांग्रेस संगठन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होनी थी। साथ ही सरकार और संगठन के बीच समन्वय को मजबूत करने तथा आगामी राजनीतिक रणनीति और नीतियों पर भी विचार-विमर्श प्रस्तावित था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने कहा कि बैठक अगले सप्ताह आयोजित की जाएगी। नई तारीख तय होने के बाद इसकी अधिकारिक जानकारी दी जाएगी।

बरमाणा में युवक से मारपीट व धमकी देने का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बरमाणा थाना क्षेत्र में शराब के नशे में युवक से मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में बागकला, नम्होल निवासी अश्वनी ठाकुर ने बताया कि 10 जुलाई की शाम करीब 7 बजे वह नम्होल में एक युवक से मिलने गया था। आरोप है कि इस दौरान आरोपी ने शराब के नशे में उसका रास्ता रोककर गाली-गलौज की और मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। मारपीट में उसे चोटें आईं। एसपी बिलासपुर अभिषेक धीमान ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

स्मार्ट मीटर लगाने के विरोध में व्यापारियों का प्रदर्शन

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने और उपभोक्ताओं को कथित रूप से डराने-धमकाने के विरोध में जिला परिषद सदस्य कुशाल भारद्वाज के नेतृत्व में चौंतड़ा में स्थानीय व्यापारियों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान व्यापार मंडल के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में दुकानदारों ने हिस्सा लिया। व्यापारियों ने निजी कंपनी के कर्मचारियों और बिजली बोर्ड के कुछ अधिकारियों पर मनमानी करने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि स्मार्ट मीटर योजना बिजली वितरण के निजीकरण की दिशा में एक कदम है, जिससे उपभोक्ताओं को मिलने वाली सब्सिडी, कर्मचारियों की नौकरी व पेंशन व्यवस्था पर असर पड़ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगाने के दौरान उपभोक्ताओं पर दबाव बनाया जा रहा है। बैठक में व्यापारियों ने आगे की रणनीति तैयार करते हुए सभी उपभोक्ताओं को आंदोलन से जोड़ने का निर्णय लिया। वक्ताओं ने कहा कि उपभोक्ताओं और व्यापारियों के साथ कथित दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसके खिलाफ एकजुट होकर विरोध जारी रखा जाएगा।

बिलासपुर के कई क्षेत्रों में 17, 19 को बिजली बंद

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिजली उपमंडल-1 के सहायक अधिशाषी अभियंता सन्नी जगोता ने बताया कि 11 केवी फीडर कोठीपुरा की आवश्यक मरम्मत और पेड़ों की कांट-छांट के कार्य के चलते कुछ क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि 17 जुलाई को कोठीपुरा, राजपुरा, नोआ, परोही, चिल्ला, बड्डू, डडोग, चंगरपलासी और गवाहन क्षेत्रों में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली बंद रहेगी। वहीं, 19 जुलाई को जबली, समोला, मंडीमाणया, नौणी, पंडयाल सहित उक्त क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी। उन्होंने बताया कि शटडाउन मौसम की परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से सहयोग बनाए रखने की अपील की है।

सरकारी बस बंद होने से विद्यार्थी व लोग परेशान

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। झंडूता उपमंडल के झंडूता-नाहरल मार्ग पर सरकारी बस सेवा बंद होने से क्षेत्र के ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बसों का संचालन बंद होने के कारण लोगों को झंडूता बाजार तक पहुंचने के लिए प्रतिदिन करीब आठ किलोमीटर पैदल चलना पड़ रहा है। इससे उनका समय और श्रम दोनों अधिक खर्च हो रहे हैं। बस सेवा बंद होने का सबसे अधिक असर विद्यार्थियों पर पड़ा है। कॉलेज और अन्य शिक्षण संस्थानों में जाने वाले छात्रों को रोजाना पैदल सफर करना पड़ रहा है। नौकरीपेशा और अन्य कामकाजी लोग भी प्रभावित हैं। रोहल पंचायत प्रधान सुरेंद्र कुमार ने प्रशासन से मांग की है कि जनहित को देखते हुए इस मार्ग पर सरकारी बस सेवा जल्द बहाल की जाए।

कुठेड़ा-हरलोग सड़क 31 तक दिन में बंद रहेगी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला दंडाधिकारी एवं उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 115 के तहत आदेश जारी करते हुए कुठेड़ा-हरलोग सड़क वाया झुंगली-तलसी को 31 जुलाई तक प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक बंद रखने के निर्देश दिए हैं। यह निर्णय सड़क पर आवश्यक मरम्मत कार्य के चलते लिया गया है। आदेश के अनुसार इस मार्ग पर भारी वाहनों के लिए कोई वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध नहीं है। वहीं, हल्के वाहन चालक मैहरी मोड़ होते हुए त्रियुणखास-जोलपलासी सड़क मार्ग का उपयोग कर सकेंगे। मरम्मत कार्य के दौरान केवल एंबुलेंस, स्कूल बस, वीआईपी वाहन और अन्य आपातकालीन सेवा वाहनों की आवाजाही की अनुमति रहेगी।

नयना देवी में 10 बोतल अवैध शराब की बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर अभिषेक धीमान ने बताया कि पुलिस ने अवैध शराब बरामदगी व मारपीट व धमकी से जुड़े दो मामलों में कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि पुलिस चौकी नयना देवी जी की गश्त के दौरान गुफा पार्किंग के पास सोनू पुत्र सुरजीत सिंह निवासी बुधराखा, जिला संगरूर (पंजाब) से 10 बोतल संतरा शराब बरामद की गई।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, पुलिस थाना भराड़ी में अनीता कुमारी निवासी लहरी सरेल, तहसील घुमारवीं की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। शिकायत के अनुसार उनके निर्माणाधीन मकान की ईंटों की चिनाई को क्षतिग्रस्त किया गया और मजदूरों को धमकियां दी गईं। पुलिस ने रीता वर्मा के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिलासपुर शहर में सड़क किनारे कबाड़ के ढेर से बढ़ी परेशानी, कार्रवाई की मांग

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। शहर में सड़क किनारे बढ़ते कबाड़ के ढेर और कथित अवैध कब्जों को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

शहर में प्रवेश करते ही कई स्थानों पर सड़क किनारे फैला कबाड़ लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है। इससे जहां शहर की सुंदरता प्रभावित हो रही है, वहीं राहगीरों और वाहन चालकों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी कंचन कुमार ने इस संबंध में नगर परिषद बिलासपुर को शिकायत सौंपकर समस्या के समाधान की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि कॉलेज चौक के समीप सरकारी भूमि पर एक कबाड़ी द्वारा कथित रूप से कब्जा कर कबाड़ जमा किया जा रहा है। इसके कारण क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था और यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। शिकायतकर्ता ने कहा कि सड़क किनारे कबाड़ रखा होने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। इसके अलावा शहर की छवि भी खराब हो रही है। उन्होंने नगर परिषद और जिला प्रशासन से मांग की है कि सरकारी भूमि पर हुए कथित अवैध कब्जों की जांच कर उचित कार्रवाई की जाए तथा सड़क किनारे अव्यवस्थित तरीके से कबाड़ रखने वालों को हटाया जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले समय में स्थिति और गंभीर हो सकती है। अब सभी की नजर नगर परिषद और संबंधित विभाग की कार्रवाई पर है कि शहर को कबाड़ और अतिक्रमण की समस्या से कब तक राहत मिलती है।

राज्यपाल ने शिमला के मेधावियों को नवाजा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने कहा कि प्रतिष्ठित सेवाओं में चयनित होने का लक्ष्य निर्धारित करना सराहनीय है, लेकिन सफलता केवल एक करियर की उपलब्धि तक सीमित नहीं है।

उन्होंने युवाओं को नवाचार, उद्यमिता और वैज्ञानिक अनुसंधान, विशेषकर औषधीय पौधों एवं प्राकृतिक संसाधनों के क्षेत्र में उपलब्ध विविध अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया, क्योंकि हिमाचल प्रदेश में इन क्षेत्रों में अपार संभावनाएं मौजूद हैं। राज्यपाल हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में एक प्रमुख हिंदी दैनिक समाचार समूह द्वारा आयोजित 'शिमला के मेधावी' कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने शिमला जिले के 35 से अधिक विद्यालयों के लगभग 600 मेधावियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। गुप्ता ने कहा कि न्यूजीलैंड ने वैश्विक बाजार की मांग के अनुरूप मनुका पौधे

◆ औषधीय पौधों के वैज्ञानिक उपयोग से हरित उद्यमिता का हब बन सकता है हिमाचल

का बाजार विकसित किया है, दक्षिण कोरिया ने जिनसेंग को एक महत्वपूर्ण आर्थिक संसाधन में परिवर्तित किया है, जबकि लैवेंडर की खेती से जम्मू-कश्मीर के लोगों के जीवन में उल्लेखनीय सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन आया है। हिमाचल प्रदेश में औषधीय जड़ी-बूटियों, सुगंधित पौधों तथा अन्य उच्च मूल्य वाली फसलों का समृद्ध भंडार है। वैज्ञानिक खेती, मूल्य संवर्धन और नवाचार के माध्यम से इस भंडार का सर्वोत्तम उपयोग कर हजारों युवाओं के लिए सतत् आजीविका के अवसर सृजित किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि हमारे युवा नवाचार को प्रदेश के समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों के साथ जोड़ें, तो हिमाचल प्रदेश भारत के बागवानी केन्द्र के साथ-साथ हरित उद्यमिता की राजधानी के रूप में भी उभर सकता है। शिक्षा के महत्व को इंगित करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल परीक्षाओं में अच्छे अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं है बल्कि यह चरित्र निर्माण, नवाचार को बढ़ावा देने और युवाओं को समाज तथा राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान देने के लिए सक्षम बनाने का माध्यम है। उन्होंने मेधावियों को देश के स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों के अनुरूप सशक्त, प्रगतिशील और नैतिक मूल्य आधारित भारत का प्रतिनिधि बताया।

बिलासपुर में वित्तीय समावेशन अभियान, ग्रामीणों को बैंकिंग व सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की दी जानकारी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। अग्रणी जिला प्रबंधक कार्यालय बिलासपुर की ओर से वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के तहत ग्राम पंचायत कल्लर और कंचोली में विशेष जागरूकता एवं सेवा शिविर आयोजित किए गए।

शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक पात्र नागरिक को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ना, वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना और केंद्र सरकार की विभिन्न वित्तीय एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाना था। शिविर में अग्रणी जिला प्रबंधक चंद्र शेखर यादव, वित्तीय साक्षरता सलाहकार विजय कुमार धीमान और यूको बैंक छड़ोल शाखा के प्रबंधक कमल देव ने ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, डिजिटल बैंकिंग, यूपीआई, आधार सीडिंग, मोबाइल बैंकिंग सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। अधिकारियों ने कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से नागरिक बैंकिंग सुविधाओं के साथ-साथ बीमा, पेंशन और अन्य वित्तीय सुरक्षा लाभ प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने ग्रामीणों को डिजिटल भुगतान प्रणाली अपनाने के लिए प्रेरित किया और सुरक्षित ऑनलाइन लेन-देन के तरीकों की जानकारी दी। शिविर के दौरान ग्रामीणों की बैंकिंग संबंधी समस्याओं और जिज्ञासाओं का मौके पर ही समाधान किया गया। साथ ही पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया भी पूरी की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और सरकार द्वारा संचालित वित्तीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे बैंकिंग सेवाओं का नियमित उपयोग करें, डिजिटल भुगतान को अपनाएं और वित्तीय एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनें।

ओयल व बामटा पंचायत में दी सरकारी योजनाओं की जानकारी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से विशेष प्रचार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत जिला बिलासपुर की ग्राम पंचायत ओयल और बामटा में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग हिमाचल प्रदेश के साथ सूचीबद्ध सांस्कृतिक दल महासंगम थिएटर ग्रुप बिलासपुर के अध्यक्ष विकास कुमार और कलाकारों ने लोकगीतों तथा नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कलाकारों ने रोजगार, गृह अनुदान योजना, स्वास्थ्य योजनाओं, सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण तथा अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के बारे में सरल और मनोरंजक तरीके से लोगों को जागरूक किया। इस दौरान कलाकारों ने नशामुक्ति का संदेश भी दिया। उन्होंने बताया कि नशा युवाओं और समाज के लिए गंभीर समस्या बनता जा रहा है। इससे शारीरिक, मानसिक और आर्थिक नुकसान होता है, इसलिए सभी को नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवन अपनाना चाहिए। कलाकारों ने बताया कि हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास निगम द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों के लिए स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं के तहत 18 से 55 वर्ष आयु वर्ग के पात्र लोगों, जिनकी वार्षिक आय 3 लाख रुपए तक है, को व्यवसाय शुरू करने के लिए 50 हजार रुपए से 1.40 लाख रुपए तक का ऋण 6.50 प्रतिशत ब्याज दर पर उपलब्ध करवाया जाता है। इसके अलावा पात्र लाभार्थियों को 50 लाख रुपये तक का ऋण 8 प्रतिशत ब्याज दर पर भी दिया जाता है। कार्यक्रम में लगभग 100 से 120 लोगों ने भाग लिया। ग्रामीणों ने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि लोगों को सरकार की योजनाओं की जानकारी मिल सके और वे उनका लाभ उठा सकें। इस अवसर पर ग्राम पंचायत ओयल की प्रधान चंपा देवी, बीडीसी सदस्य नीलम कुमारी, वार्ड सदस्य अमृत लाल, बृज लाल, सोनू देवी, अंजना देवी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। वहीं, ग्राम पंचायत बामटा की प्रधान कौशल्या देवी, उपप्रधान विक्रम ठाकुर, वार्ड सदस्य सोमा देवी, सलोचना देवी, नंद लाल, मंजू जसवाल, मेहर, क्रांति वर्मा सहित कई गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

शिमला में चिट्टे के साथ दो तस्कर काबू

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस की स्पेशल सेल ने नए बस स्टैंड क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए करीब सात ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद की है। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 और 29 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 14 जुलाई को स्पेशल सेल की टीम को सूचना मिली थी कि टूटीकण्डी निवासी 26 वर्षीय संकल्प शर्मा और कोटखाई तहसील के नगान निवासी 36 वर्षीय श्याम लाल चंडीगढ़ से हेरोइन लाकर शिमला के नए बस स्टैंड क्षेत्र में उसकी सप्लाई करने वाले हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम नए बस स्टैंड इलाके में पहुंची और दोनों लोगों को रोककर उनकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उनकी मोटरसाइकिल की सीट के नीचे छिपाकर रखी गई करीब सात ग्राम हेरोइन बरामद हुई। एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने बुधवार को बताया कि दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया जा रहा है और यह पता लगाया जा रहा है कि बरामद हेरोइन कहां से लाई गई थी और इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था।

नुकसान मक्की की फसल बचाने के लिए किसानों को सतर्क रहने की सलाह

24,300 हेक्टेयर मक्की फसल पर फॉल आर्मीवर्म का खतरा

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। खरीफ मौसम में जिला बिलासपुर के लगभग 24,300 हेक्टेयर क्षेत्र में मक्की की बुवाई की गई है। पिछले चार-पांच वर्षों से जिले में मक्की की फसल पर फॉल आर्मीवर्म का लगातार प्रकोप देखा जा रहा है।

यह कीट किसानों की फसल को भारी नुकसान पहुंचाने की क्षमता रखता है इसलिए किसानों को फसल का नियमित निरीक्षण करते हुए प्रारंभिक अवस्था में ही इस कीट का प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करना चाहिए। यह जानकारी कृषि उपनिदेशक कुलभूषण धीमान ने दी। उन्होंने बताया कि फॉल आर्मीवर्म एक अत्यंत विनाशकारी एवं बहुभक्षी कीट है, जिसकी उत्पत्ति उत्तर एवं दक्षिण अमेरिका के उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में हुई है। भारत में इसका पहला प्रकोप वर्ष 2018 में कर्नाटक में दर्ज किया गया था। इसके बाद यह देश के अधिकांश मक्का उत्पादक राज्यों के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश में भी फैल गया। उन्होंने बताया कि इस कीट की

सूंडियां मक्की की पत्तियों और पौधे के मध्य भाग (व्हॉर्ल) को खाकर फसल को गंभीर नुकसान पहुंचाती हैं। समय रहते नियंत्रण न करने पर मक्की की उपज में 20 से 30 प्रतिशत या उससे अधिक की कमी हो सकती है।

कृषि उपनिदेशक ने बताया कि फॉल आर्मीवर्म के प्रभावी प्रबंधन के लिए खेतों का नियमित निरीक्षण, अंड समूहों और छोटी सूंडियों को नष्ट करना, फेरोमोन ट्रैप का उपयोग तथा आवश्यकता के अनुसार जैविक एवं रासायनिक नियंत्रण उपाय अपनाना आवश्यक है। अधिक प्रकोप की स्थिति में केवल कृषि विभाग द्वारा अनुशंसित कीटनाशकों का ही प्रयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 प्रतिशत एससी (कोराजन) का 0.4 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव प्रभावी रहता है। छिड़काव इस प्रकार किया जाना चाहिए कि दवा पौधे के मध्य भाग तक पहुंचे, क्योंकि सूंडियां सामान्यत: वहीं छिपी रहती हैं। उन्होंने बताया कि फॉल आर्मीवर्म की निगरानी और नियंत्रण के लिए कृषि विभाग बिलासपुर ने जिला कृषि अधिकारी, कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों, विषय विशेषज्ञों, उप परियोजना अधिकारी (आत्मा) और कृषि विकास अधिकारियों को शामिल करते हुए विशेष निगरानी दल का गठन किया है। यह दल किसानों के खेतों का नियमित निरीक्षण कर तकनीकी परामर्श प्रदान कर रहा है तथा आवश्यकता अनुसार कीटनाशकों की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर रहा है। उन्होंने बताया कि किसानों की सुविधा के लिए क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 प्रतिशत एससी (कोराजन), इमामेक्टिन बेंजोएट 5 प्रतिशत एसजी और स्पिनोसैड 45 प्रतिशत एससी कृषि बिक्री केंद्रों पर अनुदानित दरों पर उपलब्ध करवाए गए हैं। इसके अलावा कृषि विभाग से लाइसेंस प्राप्त कीटनाशक विक्रेताओं के पास भी ये दवाइयां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। कृषि उपनिदेशक ने किसानों से आग्रह किया कि वे मक्की की फसल का नियमित निरीक्षण करते रहें और फॉल आर्मीवर्म का प्रकोप दिखाई देने पर तुरंत कृषि विभाग से संपर्क करें, ताकि समय रहते नियंत्रण कर फसल को नुकसान से बचाया जा सके। अधिक जानकारी और तकनीकी मार्गदर्शन के लिए किसान जिला कृषि अधिकारी राजीव शर्मा (7018237345), विषय विशेषज्ञ घुमारवीं रूप लाल (7018959003), विषय विशेषज्ञ झंडूता पूर्ण चंद (7018860120), विषय विशेषज्ञ सदर अमरजीत (8219091614) तथा कृषि विकास अधिकारी स्वारघाट दीपक सख्याण (7018750761) से संपर्क कर सकते हैं।

साढ़े तीन साल में वादाखिलाफी, भ्रष्टाचार और कुशासन का नया रिकॉर्ड बना गई कांग्रेस: बिक्रम

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेश के पूर्व उद्योग मंत्री एवं भाजपा विधायक बिक्रम ठाकुर ने कांग्रेस सरकार के साढ़े तीन साल के कार्यकाल पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह सरकार वादाखिलाफी, भ्रष्टाचार, कुशासन और प्रशासनिक विफलताओं का नया रिकॉर्ड बनाकर इतिहास में दर्ज होगी।

उन्होंने कहा कि सरकार आज तक यह तय नहीं कर पाई कि उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं। जनता के हितों की बजाय सत्ता बचाने, राजनीतिक समीकरण साधने और मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाओं में सरकार का अधिकांश समय बीत गया, जबकि प्रदेश बेरोजगारी, महंगाई, ठप पड़े विकास कार्यों और बिगड़ती कानून व्यवस्था की मार झेलता रहा। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए बिक्रम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री लगातार बेहतर शासन के दावे करते हैं, लेकिन जमीनी सच्चाई बिल्कुल विपरीत है। प्रदेश का युवा रोजगार के लिए भटक रहा है, उद्योग निवेश ठप पड़ा है, विकास परियोजनाएं धीमी पड़ चुकी हैं और सरकार केवल घोषणाओं तथा प्रचार तक सीमित होकर रह गई है। उन्होंने कहा कि साढ़े चार वर्षों में कांग्रेस सरकार ने जनता की उम्मीदों को पूरी तरह तोड़ दिया है।

नालागढ़ मेडिकल डिवाइस पार्क का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के समय स्वीकृत यह परियोजना हिमाचल की अर्थव्यवस्था और रोजगार के लिए मील का पत्थर साबित हो सकती थी। केंद्र सरकार ने कॉमन इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 100 करोड़ रुपए की अनुदान राशि भी दी थी, लेकिन कांग्रेस सरकार ने वह राशि वापस कर प्रदेश के हजारों युवाओं के रोजगार के अवसर छीन लिए। उन्होंने आरोप लगाया कि चार वर्षों तक परियोजना स्थल पर केवल औपचारिक गतिविधियां होती रहीं और अब सरकार 20 हजार करोड़ रुपये के टर्नओवर जैसे खोखले दावे कर रही है। अवैध खनन के मुद्दे पर बिक्रम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में खनन माफिया इसलिए बेखौफ है क्योंकि उसे सत्ता से जुड़े लोगों का संरक्षण प्राप्त है।

खुबसूरत अंदाज में जस्सीम लोरा

नई दिल्ली। जस्सीम लोरा अमेरिकी मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। वह वेस्टइंडीज के मशहूर क्रिकेटर आंद्रे रसेल की पत्नी के रूप में भी जानी जाती हैं। फैशन, जीवनशैली और सोशल मीडिया गतिविधियों के कारण उनकी लोकप्रियता बढ़ी है।

फीफा वर्ल्ड कप
ओयारजाबाल और पोरो के गोल से मिली शानदार जीत
फ्रांस को 2-0 से हराकर स्पेन फाइनल में

एजेंसी, डलास

मौजूदा यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने दमदार प्रदर्शन करते हुए फ्रांस को 2-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में जगह बना ली। बहुप्रतीक्षित सेमीफाइनल में स्पेन ने शुरुआत से अंत तक खेल पर नियंत्रण बनाए रखा, जबकि फ्रांस का आक्रमण पूरी तरह बेअसर रहा। स्पेन अब रविवार को होने वाले फाइनल में इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ेगा। वहीं, फ्रांस तीसरे स्थान के मुकाबले में उतरेगा, जो मुख्य कोच दिदिएर डेशां के 14 वर्षीय कार्यकाल का अंतिम मैच होगा।

स्पेन ने पहले हाफ में बढ़त बनाई। लुकास डिन द्वारा लामिन यामाल पर फाउल किए जाने के बाद मिले पेनाल्टी को मिकेल ओयारजाबाल ने गोल में बदल दिया। दूसरे हाफ में दानी ओल्मो की शानदार पहल पर पेड्रो पोरो ने बेहतरीन फिनिश करते हुए दूसरा गोल दागा और स्पेन की जीत लगभग सुनिश्चित कर दी।

फ्रांस पूरे मुकाबले में स्पेन की मजबूत रक्षा पंक्ति को नहीं भेद सका। कप्तान किलियन एमबाप्पे और बैलन डी'ओर विजेता उस्मान डेम्बेले प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे। दूसरे गोल तक

फ्रांस केवल दो शॉट ही लगा पाया था और एक भी निशाने पर नहीं था। 72वें मिनट में माइकल ओलिसे के मैदान छोड़ने के बाद फ्रांस की वापसी की उम्मीद भी खत्म हो गई।

यह लगातार तीसरा बड़ा टूर्नामेंट है, जिसमें स्पेन ने फ्रांस को हराया है। इससे पहले उसने यूरो 2024 और 2025 नेशंस लीग के सेमीफाइनल में भी फ्रांस को मात दी थी। इस जीत के साथ स्पेन का अपराजेय अभियान 37 मैचों तक पहुंच गया, जो किसी भी यूरोपीय देश की संयुक्त रूप से सबसे लंबी अपराजेय सीरीज है। अब टीम 2010 की तरह विश्व कप और यूरोपीय चैंपियनशिप दोनों खिताब अपने नाम करने से एक कदम दूर है।

जीत के बाद मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते ने कहा कि उनकी टीम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। उन्होंने खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता, एकजुटता और प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि यही गुण उन्हें लगातार सफलता दिला रहे हैं।

दुर्गापुर में मिठाइयों से बनाई लियोनेल मेसी की अनोखी प्रतिमा

एजेंसी, दुर्गापुर

विश्व कप फुटबॉल का रोमांच बढ़ने के साथ ही अर्जेंटीना और उसके स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी को लेकर प्रशंसकों का उत्साह भी चरम पर है। इसी उत्साह को खास अंदाज में पेश करते हुए पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर के वार्ड नंबर 24 स्थित मामड़ा बाजार की एक मिठाई की दुकान में पूरी तरह मिठाइयों से लियोनेल मेसी की आकर्षक प्रतिमा तैयार की गई है।

इस अनोखी प्रतिमा को देखने के लिए बड़ी संख्या में फुटबॉल प्रेमी दुकान पर पहुंच रहे हैं। लोग प्रतिमा के साथ सेल्फी ले रहे हैं और 'मेसी-मेसी' तथा 'विवा अर्जेंटीना' के नारों से पूरा इलाका गूंज रहा है। विश्व कप के माहौल में मामड़ा बाजार मानो फुटबॉल प्रेमियों के लिए उत्सव स्थल बन गया है। दुकान के मालिक देवाशीष घोष ने बताया कि वह बचपन से ही अर्जेंटीना के समर्थक और लियोनेल मेसी के बड़े प्रशंसक हैं। वर्ष 2022 की तरह इस बार भी उन्होंने मेसी की मिठाई से बनी प्रतिमा तैयार की है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार भी विश्व कप की ट्रॉफी मेसी के हाथों में ही पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि लगभग डेढ़ किलोग्राम खोया, खीर, सफेद और डार्क चॉकलेट का उपयोग कर घर में ही इस प्रतिमा को तैयार किया गया है। उनके अनुसार यह केवल फुटबॉल प्रेम का प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक सामाजिक संदेश भी है।

देवाशीष घोष ने कहा कि आज के समय में अधिकांश बच्चे मैदान में खेलने के बजाय मोबाइल और गैजेट्स में अधिक समय बिताते हैं। बच्चों में फुटबॉल के प्रति रुचि बढ़ाने और उन्हें खेलों के महत्व से जोड़ने के उद्देश्य से उन्होंने मिठाई से मेसी की यह प्रतिमा बनाई है। विश्व कप के माहौल में दुर्गापुर की यह अनूठी पहल स्थानीय लोगों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बनी हुई है। फुटबॉल प्रेमियों के लिए यह 'स्वीट मेसी' आकर्षण का नया केंद्र बन गया है।

स्पोर्ट्स विंडो

टी20 में शॉट लगाने और वनडे में टाइमिंग पर ध्यान दिया : अक्षर

एजेंसी, बर्मिंघम। भारत की पहले वनडे में जीत के नायक रहे ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने कहा कि टी20 सीरीज की तुलना में वनडे में उन्होंने अपनी बल्लेबाजी रणनीति बदली और गेंद पर ताकत लगाने के बजाय टाइमिंग पर भरोसा किया। अक्षर ने पहले गेंदबाजी में 9.5 ओवर में चार विकेट चटकाए, फिर 52 गेंदों पर नाबाद 57 रन बनाकर भारत को छह विकेट से जीत दिलाई। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। मैच के बाद अक्षर ने कहा, 'मेरे लिए इस तरह का प्रदर्शन करना बेहद जरूरी था। मैं खुद पर भरोसा रखकर अपनी रणनीति पर अमल करना चाहता था।' उन्होंने बताया कि टी20 में वह गेंद पर जरूरत से ज्यादा ताकत लगाने की कोशिश कर रहे थे, क्योंकि डेथ ओवरों में बड़े शॉट खेलना मजबूरी होती है। इससे उनकी लय प्रभावित हुई। अक्षर ने कहा 'मुझे पता था कि मेरे पास समय है, इसलिए गेंद को जोर से मारने की बजाय सही टाइमिंग से शॉट खेले। ऐसी पिच पर पहले क्रीज पर समय बिताना जरूरी होता है, उसके बाद रन बनाना आसान हो जाता है।' इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में सिर्फ 19 रन बनाने वाले अक्षर ने वनडे में अपनी रणनीति बदलकर शानदार वापसी की और बल्ले व गेंद दोनों से टीम की जीत में निर्णायक भूमिका निभाई।

फायर फॉर गोल्ड अकादमी ने शूटिंग जीते स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक

एजेंसी, मंडी। 31वीं हिमाचल प्रदेश राज्य स्तरीय राइफल एवं पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप में फायर फॉर गोल्ड शूटिंग अकादमी के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिला मंडी का नाम रोशन किया। 8 से 14 जुलाई तक आयोजित प्रतियोगिता में अकादमी के खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में कुल चार पदक अपने नाम किए। अक्षयिनी शर्मा ने सब-यूथ महिला 10 मीटर राइफल (आईएसएसएफ) स्पर्धा में 600 में से 582 अंक हासिल कर स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा उन्होंने 10 मीटर यूथ महिला राइफल (आईएसएसएफ) स्पर्धा में कांस्य पदक भी अपने नाम किया। गौरव जम्वाल ने 10 मीटर राइफल (एनआर) वर्ग में 400 में से 379 अंक प्राप्त कर रजत पदक हासिल किया। वहीं, अर्नव सिंह रावत ने 50 मीटर .22 पीप साइट राइफल (यूथ वर्ग) में 600 में से 530 अंक अर्जित कर कांस्य पदक जीता। फायर फॉर गोल्ड शूटिंग अकादमी के मुख्य कोच मुनीश गुलेरिया ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। उन्होंने बताया कि अकादमी का उद्देश्य हिमाचल प्रदेश के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर की शूटिंग प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराना है तथा उन्हें विश्वास है कि अकादमी के खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

अक्षयिनी शर्मा

अतिका मीर ने झटकी पोल पोजीशन मर्सिडीज के दो जूनियर ड्राइवर पीछे

एजेंसी, विटेरबो (इटली)। भारत की 11 वर्षीय रेसिंग सनसनी अतिका मीर ने यहां मर्सिडीज एफवन के दो जूनियर ड्राइवरों को पछाड़कर चैंपियंस ऑफ द फ्यूचर अकादमी प्रोग्राम के तीसरे दौर में पोल पोजीशन हासिल की। अतिका ने भीषण गर्मी के बीच यह प्रदर्शन किया। उन्हें इस सर्किट का खास अनुभव नहीं था लेकिन उन्होंने इसे यादगार बना दिया। इस भारतीय ड्राइवर ने इटली के निकोलो पेरिको और जर्मनी के डेविन टिट्ज जैसे स्थापित मर्सिडीज एफवन जूनियर ड्राइवरों को हराकर पोल पोजीशन हासिल की। इसके अलावा उन्होंने प्रतियोगिता का एक रिकॉर्ड भी बनाया। अतिका ने पिछले महीने यूनान में सीटीएफए सीरीज के दूसरे दौर में जीत हासिल की थी। अतिका ने पहले दो दौर के क्वालिफाईंग में दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया था। इसलिए उन्होंने फाइनल में दूसरे स्थान से शुरुआत की। उन्होंने निकोलो को पीछे छोड़कर बढ़त हासिल कर ली थी। लेकिन इंजन में खराबी के कारण वह अपनी बढ़त बरकरार नहीं रख सकीं और आखिर में छठे स्थान पर रहीं।

सुंदर बोले-हर भूमिका निभाने को तैयार हूं

एजेंसी, बर्मिंघम

भारतीय ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने कहा कि वह बल्लेबाजी क्रम में किसी भी स्थान पर उतरने के लिए तैयार हैं। उनके अनुसार अलग-अलग भूमिकाएं निभाने से खेल को बेहतर ढंग से समझने और विभिन्न परिस्थितियों में खुद को साबित करने का मौका मिलता है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सुंदर ने नाबाद 52 रन बनाए और अक्षर पटेल (नाबाद 57) के साथ 102 रन की अटूट साझेदारी कर भारत को छह विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

मैच के बाद सुंदर ने कहा, 'मुझे अलग-अलग भूमिकाएं निभाना रोमांचक लगता है। इससे विभिन्न परिस्थितियों में खेलने और टीम की जरूरत के मुताबिक योगदान देने का अवसर मिलता है।' उन्होंने बताया कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बल्लेबाज के रूप में उनका आत्मविश्वास बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। साथ ही गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा से भी उन्हें अपने खेल और खुद को बेहतर समझने में काफी मदद मिली। सुंदर ने कहा कि एक ऑलराउंडर के लिए लगातार सीखते रहना, परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना और हर दिन सुधार करना बेहद जरूरी है। उनका मानना है कि अधिक मैच खेलने से अनुभव बढ़ता है और खिलाड़ी अपनी क्षमता को बेहतर तरीके से पहचान पाता है। उन्होंने कहा कि किसी भी टीम में ज्यादा ऑलराउंडर होना बड़ा फायदा है, क्योंकि इससे टीम को परिस्थितियों के अनुसार संयोजन बदलने और अधिक विकल्पों के साथ खेलने की सुविधा मिलती है।

सुंदर ने कप्तान शुभमन गिल, अक्षर पटेल और तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि गिल ने अपनी पारी से टीम की जीत की नींव रखी, जबकि अक्षर ने दबाव के समय शानदार बल्लेबाजी की।

दूसरा वनडे: गिल की फिटनेस और रोहित की फॉर्म पर होगी निगाह
इंग्लैंड से सीरीज जीतने उतरेगा भारत

एजेंसी, कार्डिफ

पहले वनडे में दमदार जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम वीरवार को कार्डिफ में दूसरे वनडे में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में अजेय बढ़त बनाने के इरादे से उतरेगी। मुकाबले से पहले कप्तान शुभमन गिल की फिटनेस और रोहित शर्मा की फॉर्म चर्चा का केंद्र बनी हुई है। पहले वनडे में 80 रन की शानदार पारी खेलने वाले गिल मांसपेशियों में खिंचाव के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि वह दूसरे मुकाबले के लिए पूरी तरह फिट होंगे। पिछले कुछ समय में गिल को फिटनेस संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ा है, इसलिए उनकी उपलब्धता भारत के लिए बेहद अहम रहेगी।

दूसरी ओर, रोहित शर्मा पर बड़ी पारी खेलने का दबाव है। पिछले साल अक्तूबर से उन्होंने 13 वनडे में 563 रन बनाए हैं, लेकिन मौजूदा टीम संयोजन और युवा खिलाड़ियों की मौजूदगी के बीच उनसे लगातार बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। विराट कोहली हालांकि, बेहतर लय में हैं। उन्होंने पिछले साल अक्तूबर से 10 वनडे में 621 रन बनाए हैं और टीम में उनका स्थान पूरी तरह सुरक्षित माना जा रहा है। गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह की फॉर्म भारत के लिए बड़ी राहत है। 50 ओवर के प्रारूप में वापसी के बाद उन्होंने पहले मैच में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। वहीं, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर का ऑलराउंडर प्रदर्शन भी टीम की मजबूती बढ़ा रहा है।

कार्डिफ की पिच तेज गेंदबाजों के अनुकूल मानी जाती है। ऐसे में गुरनूर बराड़ की जगह अनुभवी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को अंतिम एकादश में मौका मिल सकता है। यदि ऐसा होता है तो कुलदीप यादव को फिर बाहर बैठना पड़ सकता है। इंग्लैंड के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा है। टीम को अपने शीर्ष क्रम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी, क्योंकि हाल के वनडे मुकाबलों में उसका प्रदर्शन निराशाजनक रहा है।

मैच : शाम 5.30 बजे से

संभावित टीमें

भारत: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव।

इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), बेन डकेट, जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, जो रूट, जैकब बेथेल, विल जैक्स, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जेम्स कोल्स, सैम कुरेन, गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, जोस टंग, साकिब महमूद, आदिल राशिद।

पाकिस्तान में दो बसों में टक्कर पांच की मौत, 25 घायल

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के शेखूपुरा जिले के नारंग मंडी शहर में मंगलवार रात दो बसों की आमने-सामने की टक्कर में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। यह हादसा सिधनवाली स्टॉप के पास काला खटाई रोड पर हुआ।

दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, लाहौर से शकरगढ़ जा रही बस एक मोटरसाइकिल को बचाने की कोशिश में सामने से आ रही दूसरी बस से टकरा गई। टक्कर के बाद दोनों बसें सड़क पर पलटते हुए खेतों में जा गिरीं। हादसे में पांच यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए।

सूचना मिलने पर पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे। मृतकों व घायलों को पास के अस्पताल पहुंचाया। बचाव सूत्रों ने बताया कि तीन घायल यात्रियों की हालत गंभीर होने के कारण बाद में उन्हें लाहौर भेज दिया गया।

अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों पर फिर शुरू की नाकाबंदी

एजेंसी, वाशिंगटन/तेहरान

अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों पर नौसैनिक नाकाबंदी दोबारा लागू कर दी है और मध्य पूर्व में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा दी है। अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकॉम) के अनुसार, 20 से अधिक युद्धपोत और सैकड़ों सैन्य विमान ईरानी बंदरगाहों तथा होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की निगरानी कर रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले प्रस्तावित 20 प्रतिशत शिपिंग टोल का विचार वापस लेते हुए खाड़ी देशों के साथ व्यापार और निवेश समझौतों को प्राथमिकता देने का फैसला किया है। इस बीच अमेरिकी सेना ने ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर नए हमले किए हैं।

20 से ज्यादा युद्धपोत और सैकड़ों सैन्य विमान मोर्चे पर

सेंटकॉम के मुताबिक, हालिया अभियान में ईरान के दक्षिणी तटीय क्षेत्रों में मिसाइल, ड्रोन और तटीय रक्षा ढांचे को निशाना बनाया गया। जवाब में ईरान ने बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया है। कुवैत ने कई ड्रोन और मिसाइलों को इंटरसेप्ट करने की पुष्टि की है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बढ़े तनाव का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी दिख रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया है और समुद्री व्यापार पर जोखिम बढ़ गया है। उधर, अमेरिका ने ईरान के शिपिंग कारोबारी मोहम्मद हुसैन शामखानी से जुड़े कई व्यक्तियों, कंपनियों और जहाजों पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी प्रशासन का आरोप है कि यह नेटवर्क ईरानी और रूसी तेल के परिवहन में शामिल है।

मणिपुर: सेनापति में प्रदर्शन के दौरान हिंसा, असम राइफल्स के वाहन फूंके

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर के सेनापति जिले में मंगलवार देर रात असम राइफल्स के कंपनी ऑपरेटिंग बेस (सीओबी) के बाहर हुए प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया। इस दौरान कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया और एक असम राइफल्स के ट्रक को पलट दिया गया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बताया गया है कि सोशल मीडिया पर ओकलोंग गांव के माओ-मारम उपमंडल में असम राइफल्स और नागा आर्मी के हथरोंग ब्रिगेड मुख्यालय के बीच कथित टकराव की खबरें प्रसारित होने के बाद बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी सेनापति के ट्रैफिक प्वाइंट पर एकत्र हुए। इसके बाद प्रदर्शनकारी असम राइफल्स के शिविर की ओर मार्च करते हुए ओकलोंग क्षेत्र से बलों की वापसी की मांग करने लगे। प्रदर्शन के दौरान शिविर के बाहर खड़ी एक ऑल्टो कार और पास स्थित एक प्रतीक्षालय में आग लगा दी गई। बाद में ओकलोंग से असम राइफल्स के हटने की सूचना सामने आने के बाद लौट रहे सुरक्षा वाहनों पर भी कथित रूप से हमला किया गया।

इस दौरान एक असम राइफल्स ट्रक को पलट दिया गया तथा दो जिप्सी वाहनों में आग लगा दी गई। स्थिति बिगड़ने पर सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। हालांकि, घटनाक्रम, नुकसान की वास्तविक सीमा तथा किसी के हताहत या घायल होने की जानकारी की आधिकारिक रूप से नहीं हुई है।

सेंसेक्स 77185 पर बंद और निफ्टी में 26 अंक की बढ़त

एजेंसी, मुंबई। शेयर बाजार में बुधवार यानी 15 जुलाई को बढ़त रही। सेंसेक्स 130 अंक चढ़कर 77,185 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 26 अंक की तेजी रही, ये 24,079 पर बंद हुआ। एनर्जी और सीमेंट से जुड़े शेयर्स में ज्यादा खरीदारी रही। वहीं मेटल और आईटी शेयर्स में ज्यादा बिकवाली रही। कच्चे तेल की कीमत आज एक प्रतिशत चढ़कर दोबारा 85 डॉलर के पार पहुंच गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हाल ही में कहा था कि ईरान के साथ हुआ समझौता अब खत्म हो चुका है। इसके बाद से कच्चे तेल के दामों में तेजी है। 2 कंपनियों के आईपीओ का आज दूसरा दिन है। ये आईपीओ एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट और अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड के हैं। म्यूचुअल फंड कंपनी एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट प्राइमरी मार्केट से 9,813 करोड़ रुपए जुटा रही है। इसका इश्यू पहले ही दिन 68 प्रतिशत सब्सक्राइब हो गया है। इसी तरह अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड फ्रेश इश्यू के जरिए 126.25 करोड़ रुपए जुटाएगी।

सीईटीए से 99% भारतीय निर्यात उत्पादों को ब्रिटेन में मिलेगा शुल्क लाभ
भारत-ब्रिटेन सीईटीए लागू होने से नए अवसरों का खुलेगा रास्ता: पीएम मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) तथा सामाजिक सुरक्षा समझौते के लागू होने का स्वागत किया है।

उन्होंने इसे दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे व्यापारिक संबंधों को नई गति मिलेगी। मोदी ने कहा कि इन समझौतों से भारतीय किसानों, उद्यमियों, एमएसएमई क्षेत्र और कुशल पेशेवरों के लिए नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में सहयोग और मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा समझौता ब्रिटेन में

अस्थायी रूप से काम करने वाले भारतीय पेशेवरों को राहत देगा और भारतीय कंपनियों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ाएगा।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि सीईटीए लागू होने के बाद भारत के लगभग 99 प्रतिशत निर्यात उत्पादों को ब्रिटेन के बाजार में शून्य सीमा शुल्क के साथ प्रवेश मिलेगा। इससे वस्त्र, चमड़ा, रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग उत्पाद, समुद्री उत्पाद, रसायन, खाद्य प्रसंस्करण और एमएसएमई क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। गोयल ने कहा कि समझौते से आईटी, वित्तीय सेवाओं, शिक्षा और पेशेवर सेवाओं के क्षेत्र में भी नए अवसर खुलेंगे। सामाजिक सुरक्षा समझौते के तहत ब्रिटेन जाने वाले भारतीय पेशेवरों को तीन साल तक दोहरे सामाजिक सुरक्षा योगदान से छूट मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के बीच भरोसे, आर्थिक सहयोग और साझा विकास की दिशा में एक मजबूत कदम है। भारत और ब्रिटेन अब नवाचार आधारित साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सोना 112 रुपए हुआ सस्ता, चांदी 2.20 लाख रुपए किलो पहुंची

एजेंसी, नई दिल्ली। सोने की कीमतों में बुधवार 15 जुलाई को गिरावट दर्ज की गई, जबकि चांदी के भाव में तेजी देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 112 रुपए सस्ता होकर 1.42 लाख रुपए पर आ गया। वहीं, चांदी की कीमत में बढ़ोतरी हुई है। एक किलोग्राम चांदी 416 रुपए महंगी होकर 2.20 लाख रुपए प्रति किलो पहुंच गई। बाजार में इस साल सोने और चांदी की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है। साल 2026 में अब तक सोने के भाव में करीब 9 हजार रुपए की बढ़ोतरी हो चुकी है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोने की कीमत 1.33 लाख रुपए से अधिक थी, जो अब बढ़कर 1.42 लाख रुपए के स्तर पर पहुंच गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक बाजार के रुझान, निवेश मांग और आर्थिक परिस्थितियों का असर कीमती धातुओं की कीमतों पर लगातार पड़ रहा है।